MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 03 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-90

मान गए ट्रंप!

याचना नहीं अब रण होगा, संग्राम बड़ा भीषण होगा

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरानी एयरस्पेस फोर्स के कमांडर माजिद मौसवी ने अमेरिका को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि जो लोग ईरान को धमकी दे रहे हैं, वे असल में अपने ही सैनिकों को मौत की तरफ धकेल रहे हैं। माजिद मौसवी ने अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के बयान पर जवाब देते हुए कहा कि ईरान को स्टोन एज (पाषाण युग) में भेजने की बात सिर्फ कल्पना है और ऐसा करना संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि हॉलीवुड ने आपके (अमेरिका) दिमाग में भ्रम पैदा कर रखा है। अमेरिका सिर्फ 250 साल पुराना देश है, जबकि ईरान की सभ्यता 6,000 साल पुरानी है और वो हमें डराने की कोशिश कर रहा है।

वहीं, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट उनके कंट्रोल में है और यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बेतुके बयानों से नहीं खुलेगा। यह रास्ता तभी खुलेगा जब उसकी शर्तें मानी जाएंगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार सुबह राष्ट्र के नाम संबोधन दिया। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका को ईरान जंग में जीत मिली है। साथ ही चेतावनी दी कि अमेरिका 2-3 हफ्ते में ईरान पर बड़ा हमला करेगा। ट्रम्प ने आगे कहा कि ईरान की मिसाइल-ड्रोन क्षमता और नौसेना खत्म हो गई है। सैन्य ताकत काफी कमजोर हो गई है। इस सैन्य अभियान का अहम मकसद पूरा होने वाला है।

ट्रम्प ने यह भी चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका ईरान को स्टोन एज, यानी पाषाण काल में भेज देगा। हालांकि उन्होंने यह दावा भी किया कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो चुका है और नई लीडरशिप पहले से कम कट्टर है। ट्रम्प ने 19 मिनट का भाषण दिया। इसमें कोई नया ऐलान नहीं किया। वही बातें दुहराईं जो पिछले कुछ समय से कहते रहे हैं। उन्होंने युद्ध की लागत और इसके लंबा खिंचने से चिंतित अमेरिकियों से कहा कि वे इस संघर्ष को सही नजरिए से देखें। उन्होंने इराक (8 साल) और वियतनाम (19 साल) जैसे पिछले अमेरिकी युद्धों का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान जंग तो अभी दूसरे महीने में ही पहुंची है।

उन्होंने यह भी माना कि लोगों को आर्थिक परेशानी हो रही है, लेकिन कहा कि यह युद्ध जरूरी है। उन्होंने कहा, यह आपके बच्चों और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य में निवेश है। ट्रम्प ने ईरान से युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत की मांग की, जबकि एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि उन्हें समझौते की जरूरत नहीं है। उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट संकट को लेकर कहा कि इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी दूसरे देशों को लेनी चाहिए, हालांकि एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि होर्मुज खोले बिना कोई समझौता नहीं होगा।

संयुक्त राष्ट्र, अफ्रीकी यूनियन और अफ्रीकी विकास बैंक की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर ईरान की जंग लंबी चलती है तो इसका असर अफ्रीकी देशों की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक अगर यह संघर्ष 6 महीने से ज्यादा चलता है तो 2026 में अफ्रीका की आर्थिक विकास दर कम हो सकती है। इसके अलावा तेल, खाद और जरूरी सामान की सप्लाई प्रभावित होने से महंगाई बढ़ सकती है और कई देशों में खाने-पीने का संकट भी पैदा हो सकता है।

वहीं, इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट में खाद और जरूरी सामान ले जाने के लिए एक सुरक्षित रास्ता बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो अफ्रीका में खाद्य संकट आ सकता है। इस पर यूएन के साथ मिलकर काम करने की बात कही गई है।

ट्रम्प के संबोधन की 7 बड़ी बातें

- ईरान की मिसाइल-ड्रोन क्षमता और नेवी खत्म, सेना हमारे कंट्रोल में
- उनके सभी बड़े नेता मारे गए, वहां सत्ता परिवर्तन हो चुका है
- ईरान ने अपने 45 हजार लोगों की हत्या की
- ईरान को परमाणु ताकत नहीं बनने देंगे
- अगर समझौता नहीं हुआ तो उन्हें तबाह कर देंगे
- जिन्हें होर्मुज से तेल चाहिए वे उसकी रक्षा करें, हमें उसकी जरूरत नहीं
- सऊदी अरब और बहरीन को अकेला नहीं छोड़ेंगे

अग्रवाल समाज विवाद

कार्यालय पर ताला द्वार पर हनुमंत लाला

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के मंत्री विकास केसान द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि आज हनुमान जयंती के पावन अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा एबिड्स राघव रत्न टावर्स स्थित समाज कार्यालय के बाहर पूजा संपन्न की गई ।

कार्यक्रम की पूर्व सूचना अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता को और समाचार पत्र एवं सोशल मीडिया के माध्यम से सभी सदस्यों को ,शाखाओं को, सभी कमेटियों के कार्यालय कर्मचारियों को दी गई ।

उन्होंने आरोप लगाया कि नरेन्द्र गोयल ने असंवैधानिक रूप से समाज कार्यालय को बंद कर ,कार्यालय की चाबियाँ अपने पास रख ली । अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता के निवेदन के उपरांत भी नरेन्द्र गोयल ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए कार्यालय की चाबियाँ देने से मना कर दिया । स्थान पर उपस्थित विभिन्न शाखाओं के सदस्य गण,विभिन्न कमिटियों के सदस्यगण ,अग्रवाल समाज तेलंगाना के उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल , कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता ने निर्णय लिया की समाज कार्यालय के बंद द्वार पर ही शांति पूर्वक हनुमानजी की मूर्ति रख पूजा संपन्न की जाये । उन्होंने आगे बताया कि अवसर पर उपस्थित बंधुओं का कहना था कि असंवैधानिक रूप से समाज पर कब्जा करने के षड़यंत्र में तहत आज संकट मोचन हनुमान जी को द्वार के बाहर विराजमान करना पड रहा है ।अध्यक्षजी किस विवशता के कारण उचित कदम नहीं उठा पा रहें है समझ से परे है।आज समाज के इतिहास में एक काला अध्याय जुड़ गया है ।आज का कृत्य निंदनीय, शर्मनाक है।

होर्मुज पर ब्रिटेन में 60+ देशों की बड़ी बैठक

हमने नाविक खोए : भारत

नयी दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की पहल पर करीब 60 से अधिक देशों के विदेश मंत्रियों ने ऑनलाइन तरीके से होर्मुज संकट पर गुरुवार को चर्चा की। सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व विक्रम मिसरी ने किया और अध्यक्षता ब्रिटेन के विदेश मंत्री यवेट कूपर ने की। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य की आंशिक नाकाबंदी के मद्देनजर सुरक्षित समुद्री परिवहन सुनिश्चित करना था। मिसरी ने वर्चुअल माध्यम से चर्चा में भाग लेते हुए क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय समुद्री परिवहन मार्गों की सुरक्षा पर नई दिल्ली का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने दुनियाभर के देशों के सामने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों पर जहाजों की बेरोकटोक आवाजाही हर देश का हक है। इससे कोई समझौता नहीं हो सकता। विदेश सचिव ने चिंता जताई कि इस पूरे संकट का सीधा असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ रहा है।

ब्रिटेन की ओर से बुलाई गई बैठक में सबसे महत्वपूर्ण बात जो भारत ने दुनिया के सामने रखी, ▶8 पर

टोल टैक्स वसूलेगा ईरान

नयी दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अहम तेल मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान ने बड़ा कदम उठाने की तैयारी की है। ईरान ने संकेत दिए हैं कि वह इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर ट्रांजिट शुल्क लागू कर सकता है। यह जानकारी ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप मंत्री काजेम गरीबाबादी के बयान से सामने आई है। जानकारी के अनुसार, ईरान आने वाले हफ्तों में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों के लिए दो अलग-अलग प्रोटोकॉल जारी करेगा। इनमें एक प्रोटोकॉल व्यावसायिक जहाजों के लिए होगा और ▶8 पर

बंगाल में दीदी की दादागिरी

SIR अधिकारियों को बंधक बनाने का मामला NIA के हवाले

कोलकाता, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मालदा में एसआईआर अधिकारियों को बंधक बनाए जाने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद भारत निर्वाचन आयोग ने इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है। चुनाव आयोग के सचिव सुजीत कुमार मिश्रा ने एनआईए के महानिदेशक को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि मालदा की घटना की विस्तृत जांच की जाए और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

चुनाव आयोग के अनुसार, एनआईए की टीम शुक्रवार को घटनास्थल का दौरा कर सकती है और मामले की जांच शुरू करेगी। गौरतलब है कि मालदा में प्रदर्शन के दौरान एसआईआर अधिकारियों को करीब 9 घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना को सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता से लिया था, जिसके बाद इस पूरे मामले में जांच एजेंसी को शामिल करने का फैसला किया गया है।

दूसरी ओर इस मामले में सात न्यायिक अधिकारियों के घेराव में कथित संलिप्तता के आरोप में पुलिस ने एक चुनाव उम्मीदवार समेत कम से कम 17 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मौलाना शाहजहां अली, जो इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के उम्मीदवार हैं, को 16 अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार कर जिला अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

अधिकारी ने बताया कि ये सभी आरोपी बुधवार को मालदा के मोथाबारी विधानसभा क्षेत्र के कलियाचक द्वितीय ब्लॉक कार्यालय में हुई घटना में शामिल थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मतदाता सूची से जुड़े काम में लगे सात न्यायिक अधिकारियों का करीब साढ़े सात घंटे तक घेराव किया था, ▶8 पर

15 दिन शाह का डेरा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज पश्चिम बंगाल के भवानीपुर में रोड शो किया। उन्होंने कहा- मैं अगले 15 दिन बंगाल में रहने वाला हूं। टीएमसी को जड़ से उखाड़ फेंकने और उसे बंगाल की खाड़ी में फेंकने के लिए हर किसी को बिना किसी डर के वोट देना चाहिए। कोई भी गुंडा बंगाल के मतदाताओं को नहीं रोक सकता।

शाह का काफिला जब कालीघाट पहुंचा, जहां से ममता का घर कुछ ही दूर है वहां पर टीएमसी कार्यकर्ताओं ने काफिले के सामने जय बांग्ला और ममता बनर्जी जिंदाबाद के नारे लगाए। सिर पर काला कपड़ा बांधे लोगों ने अमित शाह गो बैक के नारे लगाए और काले झंडे भी दिखाए। इसके बाद टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं में झड़प होने लगी। हालात काबू करने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की और भीड़ पर कंट्रोल किया। इससे पहले शाह ने कोलकाता में रैली में कहा- सुवेंदु अधिकारी नंदीग्राम से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन मैंने उनसे कहा कि सिर्फ नंदीग्राम में ही नहीं बल्कि हमें ममता को उनके घर में भी हराना होगा। ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 34^0
न्यूनतम : 23^0

राघव चड्ढा अब आम आदमी!

उच्च सदन के उपनेता पद से पार्टी ने हटाया, अशोक मित्तल को बिठाया

नयी दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार को राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को उच्च सदन के उपनेता पद से हटाने की मांग की। पार्टी ने सांसद अशोक मित्तल को उपनेता नियुक्त करने का अनुरोध किया है। आम आदमी पार्टी ने एक बयान में कहा कि अशोक कुमार मित्तल राज्यसभा में आप के नए उपनेता होंगे। आप ने इस संबंध में राज्यसभा सचिवालय को एक आधिकारिक पत्र भेजा है।

हाल के दिनों में, दिल्ली चुनाव 2025 में आम आदमी पार्टी की हार के बाद से, चड्ढा ने खुद को आम आदमी पार्टी के एजेंडे या नेताओं से काफी हद तक दूर कर लिया है, और अपने सवैतनिक पितृत्व अवकाश और हवाई अड्डों पर भोजन की उच्च लागत जैसे सार्वजनिक हित के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने गिग वर्करों के अधिकारों की रक्षा और भारत के प्रमुख शहरों में बिगड़ती यातायात स्थिति जैसे मुद्दों को भी उठाया। आम आदमी पार्टी के प्रमुख मुद्दों पर उनकी चुप्पी ने पार्टी छोड़ने की अफवाहों को जन्म दिया, खासकर असम के लिए पार्टी के प्रमुख प्रचारकों की सूची से उनका नाम हटाए जाने के बाद।

हालांकि, आम आदमी पार्टी ने इस फैसले के पीछे का कारण आधिकारिक तौर पर नहीं बताया है। खबरों के मुताबिक, यह कदम अन-शासनहीनता और पार्टी की नीतियों का पालन न करने के आरोपों के चलते उठाया गया हो सकता है। ▶8 पर

तेलंगाना में 6 गारंटी अधूरी, केरल में 5 नए वादे

रेवंत का नया शिगूफा

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने पर कांग्रेस सरकार की बढ़ती आलोचनाओं के बीच, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केरल के विपक्षी दलों को चुनौती दी है कि वे उनके राज्य का दौरा करें और वहां लागू की गई छह गारंटियों का आकलन करें।

तेलंगाना की कांग्रेस सरकार अपनी चुनावी गारंटियों को लागू न कर पाने के कारण विपक्षी दलों और जनता के कड़े विरोध का सामना कर रही है। इसके बावजूद, मुख्यमंत्री ने कोच्चि में वरिष्ठ नेताओं के साथ कांग्रेस नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट का घोषणापत्र जारी करते हुए केरल के विपक्षी दलों को तेलंगाना आने की चुनौती दी।

यूडीएफ के इस घोषणापत्र को इंदिरा गारंटी के रूप में ब्रांड किया गया है, जिसमें पांच प्रमुख वादे शामिल हैं। इनमें महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, महिला कॉलेज छात्राओं के लिए 1,000 रुपये की मासिक सहायता, बीमा कवरेज, युवाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए 5 लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण और पेंशन को बढ़ाकर 3,000 रुपये करना शामिल है। रेवंत रेड्डी ने केरल में भी वही आश्वासन दोहराया जो उन्होंने तेलंगाना में दिया था। उन्होंने कहा कि यदि केरल में यूडीएफ सत्ता में आती है, तो पहली कैबिनेट बैठक से ही इन वादों को लागू करना शुरू कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 2023 के तेलंगाना विधानसभा चुनावों से पहले, कांग्रेस ने छह गारंटियों की घोषणा की थी। इनमें महिलाओं के लिए 2,500 रुपये मासिक सहायता, ▶8 पर

मदनूर सलाबतपुर हनुमान मंदिर में हनुमान जयंती पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब –भव्य आयोजन और कड़ी सुरक्षा

मदनूर, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हनुमान जयंती के अवसर पर तेलंगाना, महाराष्ट्र और कर्नाटक सहित विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आज सुबह से ही मदनूर मंडल के सलाबतपुर स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर पर उमड़ पड़े। देवदया धर्म दाय विभाग के तत्वावधान में हनुमान जयंती समारोह भव्यता से आयोजित किया गया। मंदिर समिति और मंदिर अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्थाएँ लागू कीं।

मंदिर समिति ने पूजाअर्चना, दर्शन और प्रसाद वितरण के समुचित प्रबंध किए।

महाप्रसाद का आयोजन मंदिर परिसर में विशाल रूप से किया गया, जिसमें आस-पास के जिलों के श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर में व्यवस्थापकीय स्टाल एवं सेवा शिविर लगाए गए थे।

मुख्य पुलिस अधिकारी मदनूर मोहन रेड्डी के नेतृत्व में जुक्कल, पेद्दा, कोडप्पुगल और अन्य मंडलों के सहायक पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। भारी पुलिस बल तैनात रहने के बावजूद श्रद्धालु शांतिपूर्वक दर्शन-अर्चना कर रहे थे और सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी रही।

कामारेड्डी जिला कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष येले मल्लिकार्जुन ने तड़के सलाबतपुर हनुमान मंदिर में आयोजित विशेष पूजाअर्चना में भाग लिया।

उनके साथ मंदिर समिति अध्यक्ष राम पटेल, मंदिर के कार्यकारी अधिकारी श्रीधर, मंडल कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष दरावार सायलु, मदनूर गाँव की सरपंच ऊषा संतोष मिस्त्री, पूर्व मंदिर समिति अध्यक्ष नरसिम्हुलु, पूर्व गौड़ एमपीसी विजय तथा अन्य प्रमुख नेता भी उपस्थित थे। तेलंगाना के साथ-साथ महाराष्ट्र और कर्नाटक से भी बड़ी संख्या में भक्तों ने जयंती में भाग लेकर धार्मिक उत्साह का माहौल बनाया।

स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने आयोजन की भव्यता तथा सुचारु व्यवस्था की प्रशंसा की।हनुमान जयंती का यह भव्य आयोजन धार्मिक श्रद्धा और सामुदायिक सहभागिता का स्पष्ट परिचायक रहा।

मंदिर समिति और प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं ने समारोह को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आईपीएल सट्टेबाजी पर धर्माबाद में पुलिस की बड़ी कार्रवाई : मास्टर सचिन गिरफ्तार

धर्माबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आईपीलएल सीजन शुरू होते ही तेलंगाना पुलिस ने धर्माबाद में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बुकी मास्टर सचिन को गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई से बुकी सर्कल में हड़कंप मच गया है और डर का माहौल बन गया है। पुलिस के डर से उसके सुपर मास्टर और पंटर अपना होम ग्राउंड छोड़कर अंडरग्राउंड हो गए हैं।

मिली पक्की जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी को बेटिंग नेटवर्क की एक अहम कड़ी माना जा रहा है, और उम्मीद जताई जा रही है कि उससे पूछताछ में एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश हो सकता है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने अपना ध्यान मास्टरमाइंड, सुपर मास्टर और पंटर पर फोकस कर लिया है, और अगले फेज में बड़ी एक्टिविटी के संकेत मिल रहे हैं। इस घटना से यह साफ हो गया है कि तेलंगाना पुलिस ने इंटर-स्टेट लेवल पर चल रहे बेटिंग रैकेट के खिलाफ सीधी कार्रवाई करते हुए आक्रामक रुख अपनाया है।

इसलिए, इस कार्रवाई से यह पक्का संदेश दिया गया है कि अब सट्टेबाजों के लिए कोई उम्मीद नहीं है। तेलंगाना पुलिस ने अपनी इस बड़ी कार्रवाई से सट्टेबाजों के डर को दूर कर दिया है। धर्माबाद में की गई इस बड़ी कार्रवाई से सट्टेबाजों में डर का माहौल बन गया है। कार्रवाई करने वाली तेलंगाना पुलिस टीम की हर जगह तारीफ हो रही है।

युवाओं को आर्थिक और मानसिक रूप से रसातल में धकेल रहे इस गैर-कानूनी धंधे के खिलाफ उठाया गया यह कदम बहुत अहम माना जा रहा है, और उम्मीद है कि नागरिकों को ऐसी सख्त कार्रवाई लगातार जारी रखनी चाहिए। जैसे ही पुलिस ने मास्टर सचिन को गिरफ्तार किया, उसका सुपर मास्टर फरार हो गया और सड़क पर सट्टेबाज अंडरग्राउंड हो गए हैं। इस सट्टेबाज गैंग ने युवाओं को इस लत में फंसाकर कई लोगों को बर्बाद करने का पाप किया है। जनता की मांग है कि पुलिस सख्त जांच करे और इस रैकेट को जड़ से खत्म करे। निज़ामाबाद नॉर्थ सीआई श्रीनिवास ने बताया कि फरार आरोपी को जेल भेज दिया गया है और सट्टा लगाने वालों का नाम सचिन उत्तरवार है ।

मदनूर ग्राम सभा में सरकारी योजनाओं की जानकारी0 ग्रामीणों की कम उपस्थिति से कार्यक्रम प्रभावित

मदनूर, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में स्थानिक जनता को जागरूकता पैदा करने के लिए ग्राम पंचायत कार्यालय परिसर में ग्राम सरपंच ऊषा संतोष मिस्त्री के अध्यक्षता में गुरुवार के दिन ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंडल विशेष अधिकारी मोहन और मंडल विकास अधिकारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस सभा का एक ही उद्देश्य है कि जनता को तेलंगाना सरकार की प्रमुख कल्याणकारी योजन-ाओं के बारे में जानकारी दी जाएमहिला कृषक आश्वासन योजना, इंदिरम्मा आवास, महालक्ष्मी योजना के अंतर्गत महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, प्रति गैस सिलेंडर 500 रुपये सब्सिडी, गुणवत्ता वाली धान खरीदने पर 500 रुपये बोनस (किसान भरोसा), गृह ज्योति (200 यूनिट तक मुफ्त बिजली), श्री कल्याण लक्ष्मी/शादी मुबारक नई राशन कार्ड योजनाएँ आदि।ग्राम सभा में चर्चा के विषय: ग्राम विकास के पहलू, सरकारी योजनाओं पर लाभार्थियों की राय और लोगों के सुझाव रहे।सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कल्याणकारी योजनाएँ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुँचें। जनता का कल्याण ही सरकार का उद्देश्य है। इस लिए ग्राम सभा बुलाया गया, लेकिन ग्राम सभा में अधिकारियों को छोड़कर अधिक संख्या में ग्रामीण उपस्थित नहीं थे।

सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जनकल्याण को प्राथमिकता : कुमार दीपक

मंचेरियाल, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले में जनकल्याण और विकास को प्राथमिकता देते हुए सरकार विभिन्न योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है। यह बात जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कही। गुरुवार को राज्यभर में आयोजित ग्राम सभा कार्यक्रम के तहत जयपुर मंडल के टेकुमटला गांव स्थित किसान वेदिका में आयोजित ग्राम सभा में कलेक्टर ने कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ भाग लिया। इस दौरान 99 दिनों की कार्ययोजना से संबंधित मुख्यमंत्री का संदेश अधिकारियों द्वारा पढ़कर सुनाया गया।

कलेक्टर ने कहा कि सरकार पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है। जिले की 306 ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाएं तथा विभिन्न नगरपालिकाओं के वार्डों में वार्ड सभाओं का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि राशन कार्डधारकों को सस्ते दरों पर चावल उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसके लिए सरकार ने लगभग 13 हजार करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इस महीने तीन माह का राशन एक साथ देने की भी तैयारी है।महिलाओं के लिए महालक्ष्मी योजना के तहत मुफ्त बस यात्रा सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे अब तक करीब 10 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को बिना ब्याज के ऋण देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि किसानों के लिए 2 लाख रुपये तक का ऋण माफ किया गया है और 'राइतु भरोसा' योजना के तहत प्रति एकड़ 12 हजार रुपये सहायता दी जा रही है। वहीं 'गृहज्योति' योजना के तहत 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि राज्यभर में लगभग 2 लाख नए लाभार्थियों को पेंशन दी जा रही है, जिनमें जिले के 6 से 7 हजार लाभार्थी शामिल हैं। दिव्यांगों को प्रमाण पत्र के आधार पर पेंशन और मोटरसाइकिल प्रदान करने की प्रक्रिया जारी है। इंदिरम्मा आवास योजना के तहत हजारों मकानों का निर्माण जारी है, जिनमें कई मकान पूर्ण हो चुके हैं। सरकार द्वारा निर्माण के लिए मुफ्त रेत भी उपलब्ध कराई जा रही है। शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए सरकारी स्कूलों में नाश्ता योजना शुरू करने तथा मध्याह्न भोजन योजना को इंटरमीडिएट तक विस्तारित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।कलेक्टर ने कहा कि 99 दिनों की प्रगति योजना के तहत विकास कार्य, स्वच्छता और पेयजल आपूर्ति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल संकट से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। इस अवसर पर लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और विभिन्न समस्याओं को ग्राम सभा के समक्ष रखा।

पार्षद पुन्नमा चंद ने जनता से किया वादा पूरा किया

बोरवेल लगवाकर पीने के पानी की समस्या दूर

बेल्लमपल्ली, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेल्लमपल्ली शहर के मेन बाजार एरिया के डब्बू सेट लाइन में कई वर्षों से पानी की आपूर्ति न होने के कारण लोग परेशान थे। बारबार नगर पालिका कार्यालय के चक्कर लगाने के बावजूद पानी की आपूर्ति के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

नगर पालिका चुनाव के समय कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार मेडी पुन्नम चंद्रू ने बस्ती वासियों से पानी की आपूर्ति के लिए बोर-वेल बनवाने का वादा किया था।

चुनाव जीतने के बाद वे अपने पद ग्रहण के डेढ़ महीने के भीतर वादे को पूरा करते हुए बोरवेल लगवाया और बस्ती वासियों को पानी की आपूर्ति सुनिश्चित कर दी। इस मौके पर पार्षद पुन्नमा चंद ने कहा कि नेता केवल वोट लेने वाला नहीं होता, बल्कि लोगों की मुश्किलों के साथ खड़ा होना चाहिए।

चुनाव के दौरान वार्ड के लोगों की पानी की दिक्कत देखकर वे भावुक हुए और जीतने के बाद अपना वादा पूरा किया।

वार्ड के लोगों की बहुत पुरानी इच्छा पूरी हो रही थी और उनके चेहरों पर खुशी देखकर ऐसा लगा कि सेवा से बड़ा कोई काम नहीं है।

उन्होंने कहा, राजनीति सिर्फ़ बातें करने का नाम नहीं, बल्कि किए गए वादों को करके दिखाने का नाम है। इस कार्यक्रम के दौरान बस्ती वासियों ने पार्षद का आभार व्यक्त किया।

कोरुटला 6वें वार्ड में उत्साहपूर्ण रही वार्ड सभा

जगतियाल, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगतियाल जिले कोरुटला नगरपालिका के 6ींह वार्ड की काउंसलर सिरिशा शेखर ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य यह पक्का करना है कि वार्ड के हर योग्य व्यक्ति को सरकारी कल्याणकारी योजनाएं मिलें। शनिवार को जगतियाल जिले में कोरुटला नगरपालिका के 6ींह वार्ड में वार्ड सभा बड़ी धूमधाम से हुई। नगरपालिका कमिश्नर रविंदर इस प्रोग्राम में चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुए।

इस मौके पर वार्ड के लोगों ने अधिकारियों को अपनी समस्याएं बताईं। उन्होंने मुख्य रूप से अपने वार्ड की सफाई, लगातार कचरा कलेक्शन और मच्छरों से बचाव के लिए फॉगिंग की मांग की। उन्होंने अंदर की सीमेंट सड़कों की मरम्मत और स्ट्रीट लाइट लगाने की भी रिक्वेस्ट की। गर्मी के मौसम को देखते हुए, लोगों ने पीने के पानी की सप्लाई में कोई रुकावट न आने की रिक्वेस्ट की।बोलते हुए, काउंसलर सिरिशा शेखर ने भरोसा दिलाया कि इंदिराम्मा के राज्य में सभी गरीब लोगों के साथ न्याय होगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जो भी योग्य है उसे पेंशन दी जाएगी और गरीबों को इंदिराम्मा घर देने के लिए खास पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि वे वार्ड के विकास के लिए लगातार काम करते रहेंगे और लोगों से कहा कि वे अपनी समस्याएं कभी भी सीधे उनके ध्यान में लाएं।म्युनिसिपल कमिश्नर रविंदर ने कहा। उन्होंने स्टाफ को वार्ड मीटिंग में मिली शिकायतों को जल्द से जल्द हल करने का आदेश दिया। उन्होंने उन्हें सफाई के मुद्दे को नज़रअंदाज़ न करने की सलाह दी। इस प्रोग्राम में वार्ड ऑफिसर विनय, जी पी ओ सागर, कांग्रेस पार्टी के सीनियर नेता, वार्ड के लोग और महिलाओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

बांसवाड़ा में हनुमान जयंती पर धार्मिक आयोजनों की धूम

बांसवाड़ा, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य सरकार के कृषि सलाहकार एवं बांसवाड़ा चुनाव क्षेत्र के विधायक श्री पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी, तथा स्टेट एग्रोस के चेयरमैन श्री कसुला बलराजू, बांसवाड़ा चुनाव क्षेत्र के पोथंगल मंडल सेंटर में नव-निर्मित श्री अभयंजनेया स्वामी मंदिर में भगवान अंजनेया स्वामी की मूर्ति के भव्य उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विशेष पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

इसके उपरांत, हनुमान जयंती के अवसर पर श्री पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने बांसवाड़ा शहर के सेंटर स्थित बड़े हनुमान मंदिर में पहुंचकर अंजनेया स्वामी के दर्शन किए तथा विशेष पूजा-अर्चना में भाग लियाइसी क्रम में, इस माह की 1 से 3 अप्रैल तक बांसवाड़ा ग्रामीण मंडल के सोमेश्वर गांव में भगवान अंजनेया स्वामी, श्री विनायक, श्री शिवलिंगम, नंदी वाहन, ध्वज स्तंभ एवं शिखर की प्रतिमाओं की पुनः स्थापना का कार्यक्रम बड़े धूमधाम से आयोजित किया जा रहा है।

इस धार्मिक आयोजन में पोचाराम गारू तथा मंदिर के ट्रस्टी श्री पोचाराम सुरेंदर रेड्डी गारू ने भी भाग लेकर पूजा-अर्चना की। बांसवाड़ा शहरी, ग्रामीण मंडल एवं पोथंगल मंडल के जनप्रतिनिधियों, नेताओं एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इन सभी पूजा कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

येल्लैया टैंक सुंदरीकरण कार्य का निरीक्षण, गुणवत्ता पर विशेष जोर

3.14 करोड़ रुपये की लागत से हो रहा है विकास कार्य

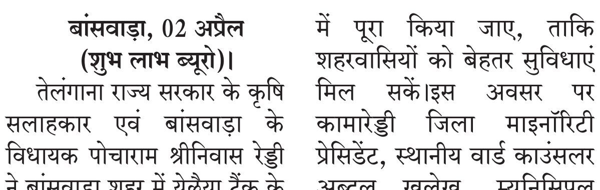

बांसवाड़ा, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य सरकार के कृषि सलाहकार एवं बांसवाड़ा के विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने बांसवाड़ा शहर में येल्लैया टैंक के किनारे 3.14 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे सुंदरीकरण कार्य का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य को उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूरा किया जाए, ताकि शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।इस अवसर पर कामारेड्डी जिला माइनॉरिटी प्रेसिडेंट, स्थानीय वार्ड काउंसलर अब्दुल खलेख, म्युनिसिपल कमिश्नर श्रीहरि राजू, पूर्व म्युनिसिपल चेयरमैन जंगम गंगाधर, पूर्व सोसाइटी चेयरमैन एरवाला कृष्ण रेड्डी, टाउन माइनॉरिटी सेक्रेटरी यंद. दाऊद सहित कई अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हनुमान जन्मोत्सव: मंदिरों में भक्तों का भारी जनसमूह

बेल्लमपल्ली, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व को लेकर सूर्योदय से पूर्व ही स्थानीय केमिकल हनुमान मंदिर पर भक्तों का तांता लग गया। प्रातः काल में हनुमान जी का अभिषेक के बाद हनुमान जी का श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर अधिक संख्या में भक्तजन उपस्थित होकर दर्शन किया और आरती प्रसाद स्वीकार किया।

दोपहर में भक्तों द्वारा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। मंदिर के पंडित हरीश शर्मा ने बताया कि केमिकल हनुमान मंदिर में अगर सच्ची भक्ति से कोई भी मन्नत मांगी हो, तो एक वर्ष के भीतर भगवान भक्त की मनोकामना जरूर पूर्ण करते हैं। उन्होंने कहा कि वे अभी तक कई भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होते देखा है। दिन-ब-दिन भक्तों की भीड़ जमती जा रही है।

3 अप्रैल से हिन्दी पंचांग का दूसरा महीना वैशाख शुरू

आज से 1 मई तक रहेगा वैशाख मास

वैशाख महीना 3 अप्रैल से 1 मई तक रहेगा। इन दिनों में भगवान विष्णु की विशेष पूजा करने की परंपरा है। इस हिंदी महीने के देवता भगवान विष्णु हैं, इसलिए पुराणों में कहा गया है कि वैशाख मास में भगवान विष्णु की पूजा करने से अनंत शुभ फल मिलता है। स्कंद पुराण में बताया गया है कि वैशाख महीने में स्नान-दान के साथ ही भगवान विष्णु की पूजा और व्रत-उपवास करने से जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप नष्ट हो जाते हैं। पद्म और विष्णु धर्मोत्तर पुराण में भी कहा गया है कि वैशाख महीने में की गई भगवान विष्णु की पूजा से कई गुना पुण्य फल मिलता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिन्दी पंचांग का दूसरा महीना वैशाख 3 अप्रैल से 1 मई तक रहेगा। इसके बाद ज्येष्ठ मास शुरू होगा। वैशाख में गर्मी काफी अधिक रहती है, इसलिए इस माह में पूजा-पाठ के साथ ही जूते-चप्पल, पानी और छाते का दान करने की परंपरा है। शिवलिंग पर ऐसी चीजें खासतौर पर चढ़ाएं जो शीतलता देती हैं, जैसे ठंडा पानी और चंदन।इस माह में पवित्र नदियों में स्नान करने की और तीर्थ दर्शन करने का महत्व काफी अधिक है। इन दिनों में गर्मी अधिक रहती है तो खान-पान में लापरवाही न करें। जीवन शैली में भी बदलाव करना चाहिए। सुबह जल्दी उठें और रात में जल्दी सो जाएं। खाने में ऐसी चीजें शामिल न करें, जिनसे पेट संबंधी बीमारी हो सकती है। इस माह में खरमास समाप्त हो जाता है और शादी, विवाह के मुहुर्त भी फिर से निकल जाते हैं।

हिंदी कैलेंडर में माह का नाम पूर्णिमा के दिन जिस नक्षत्र में चंद्रमा होता है। उस आधार पर किया जाता है। वैशाख माह का नाम विशाखा नक्षत्र के नाम से लिया गया है।वैशाख पूर्णिमा के दिन चंद्रमा विशाखा नक्षत्र में होते हैं, इसलिए इसका नाम वैशाख पड़ा।

वैशाख मास- वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख महीने की शुरुआत कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है। यह तिथि 2 अप्रैल को सुबह 7:41 बजे शुरू होगी और 3 अप्रैल को सुबह 8:42 बजे तक रहेगी। उदयातिथि के आधार पर वैशाख मास की शुरुआत शुक्रवार 3 अप्रैल से मानी जाएगी।

स्कंदपुराण के अनुसार

न माधवसमो मासो न कृतेन युगं समम्।
न च वेदसमं शास्त्रं न तीर्थं गंङ्गया समम्।।

स्कंद पुराण के इस श्लोक के अनुसार वैशाख के समान कोई और मास नहीं है। सत्ययुग के समान कोई युग नहीं है। वेद के समान को शास्त्र नहीं है और गंगा जी के समान कोई तीर्थ नहीं है।वैशाख मास शुक्रवार से शुरू होगा और शुक्रवार को ही खत्म होगा। मान्यता है कि इस माह में किए गए पूजा-पाठ से अक्षय पुण्य मिलता है और भगवान की कृपा से भक्त की सभी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। ये महीना वृक्षों में कल्पवृक्ष के समान और शिवजी, विष्णु को प्रसन्न करने वाला माना गया है।

पद्मपुराण, पातालखण्ड के अनुसार

यथोमा सर्वनारीणां तपतां भास्करो यथा । आरोग्यलाभो लाभानां द्विपदां ब्राह्मणो यथा।।

परोपकारः पुण्यानां विद्यानां निगमो यथा।मंत्राणां प्रणवो यद्वद्ध्यानानामात्मचिंतनम् ।।

सत्यं स्वधर्मवर्तित्वं तपसां च यथा वरम्।शौचानामर्थशौचं च दानानामभयं यथा ।।

गुणानां च यथा लोभक्षयो मुख्यो गुणः स्मृतः ।मासानां प्रवरो मासस्तथासौ माधवो मतः ।।

जैसे सम्पूर्ण स्त्रियों में पार्वती, तपने वालों में सूर्य, लाभों में आरोग्यलाभ, मनुष्यों में ब्राह्मण, पुण्यों में परोपकार, विद्याओं में वेद, मन्त्रों में प्रणव, ध्यानों में आत्मचिंतन, तपस्याओं में सत्य और स्वधर्म-पालन, शुद्धियों में आत्मशुद्धि, दानों में अभयदान तथा गुणों में लोभ का त्याग ही सबसे प्रधान माना गया है, उसी प्रकार सब मासों में वैशाख मास अत्यंत श्रेष्ठ है।

महाभारत अनुशासन पर्व अध्याय 106 के अनुसार निस्तरेदेकभक्तेन वैशाखं यो जितेन्द्रियः। नरो वा यदि वा नरी ज्ञातीनां श्रेष्ठतां व्रजेत्।। जो स्त्री अथवा पुरूष इन्द्रिय संयम पूर्वक एक समय भोजन करके वैशाख मास को पार करता है, वह सहजातीय बन्धु-बान्धवों में श्रेष्ठता को प्राप्त होता है।। दत्तं जप्तं हुतं स्नातं यद्भक्त्या मासि माधवे।तदक्षयं भवेद्भूप पुण्यं कोटिशताधिकम् ।। माधवमास में जो भक्तिपूर्वक दान,जप, हवन और स्नान आदि शुभकर्म किये जाते हैं, उनका पुण्य अक्षय तथा सौ करोड़ गुना अधिक होता है।प्रातःस्नानं च वैशाखे यज्ञदानमुपोषणम्।हविष्यं ब्रह्मचर्यं च महापातकनाशनम् ।। वैशाख मास में सवेरे का स्नान, यज्ञ, दान, उपवास, हविष्य-भक्षण तथा ब्रह्मचर्य का पालन - ये महान पातकों का नाश करने वाले हैं।

स्नान और जलदान का महत्व

स्कंद, पद्म, ब्रह्मवैवर्त पुराण और महाभारत में वैशाख महीने को बहुत खास बताया गया है। इन ग्रंथों में कहा गया है कि वैशाख मास में सूर्योदय से पहले स्नान करने, जलदान और तीर्थ में नहाने से हर तरह के दुख खत्म हो जाते हैं। वैशाख महीने में इन कामों को करने से कई गुना पुण्य फल मिलता है।

भगवान विष्णु की पूजा

सूर्योदय से पहले उठकर पानी में गंगाजल या किसी पवित्र नदी का जल मिलाकर नहाएं। इसके बाद सूर्य को अर्घ्य दें। भगवान विष्णु की पूजा करने का संकल्प लें। पूजा किसी ब्राह्मण से करवाएंगे तो ज्यादा अच्छा रहेगा।भगवान विष्णु को पंचामृत से स्नान कराएं। चरणामृत ग्रहण करें। पूजा में ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करना चाहिए। भगवान को फूल, धूप, नैवेद्य आदि सामग्री चढ़ाएं। दीपक जलाएं। विष्णु सहस्त्रनाम का जाप करें। व्रत की कथा सुनें। दूसरे दिन यानी द्वादशी पर ब्राह्मणों को भोजन कराएं और दान देकर आशीर्वाद प्राप्त करें।

वैशाख मास में करे शुभ काम

सुबह तुलसी को जल चढ़ाएं और शाम को तुलसी के पास दीपक जलाएं।भगवान विष्णु के साथ ही देवी महालक्ष्मी की पूजा भी करें।किसी मंदिर जाएं और ध्वज यानी झंडे या पानी से भरे मटके का दान करें।शिवजी के सामने दीपक जलाएं और श्रीराम नाम का जाप 108 बार करें।शिवलिंग पर जल चढ़ाएं, काले तिल चढ़ाएं।इस माह में हमें सूर्यादय से पहले उठ जाना चाहिए। स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाकर दिन की शुरुआत करें।वैशाख में तीर्थ दर्शन करें और नदियों में स्नान करें। अगर यात्रा नहीं कर पा रहे हैं तो घर पर पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं।ये गर्मी का समय है। इस महीने में पानी का दान करें। किसी सार्वजनिक स्थान पर प्याऊ लगाएं या किसी प्याऊ में मटके का दान करें। इस माह में जो व्यक्ति प्याउ लगवाता है, वह देवता, ऋषि और पितर सभी को तृप्त करता है। प्यासों के लिए पानी और धूप से बचने के लिए छाते का दान करें। जरूरतमंद लोगों को जूते-चप्पल का भी दान करें। आप चाहें तो किसी मंदिर में पंखों का दान भी कर सकते हैं।

करियर में तरक्की के लिए

वैशाख के महीने में तुलसीपत्र से श्रीहरी के माधव स्वरुप की पूजा करें और इसके साथ ही भगवान विष्णु के नाम गोविंद और केशव का ध्यान करें।

सुख-समृद्धि पाने के लिए

वैशाख के महीने में भगवान विष्णु के तुलसी के पत्ते के साथ शहद अर्पित करें और भगवान विष्णु के माधव स्वरुप के साथ भगवान अनंत और अच्युत स्वपूर का स्मरण करें। इससे घर में सुख-समृद्धि आती है।

संकटों से मुक्ति के लिए

अगर आप चाहते हैं कि आपके जीवन में कोई संकट ना आए तो वैशाख महीने में भगवान विष्णु को पंचामृत का भोग लगाएं और एक तुलसी का पत्ता उसमें डाल दें। इसके अलावा भगवान विष्णु के दामोदर और नारायण स्वरुप का स्मरण करें।

आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए

अगर आप चाहते हैं कि आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर हो तो इसके लिए आप बैशाख के महीने में भगवान विष्णु को आटे से बनी पंजीरी में तुलसी दल डालकर भोग लगाना चाहिए और भागवान विष्णु के माधव व नारायण स्वरुप का ध्यान करें।

दांपत्य जीवन खुशहाली के लिए

पति-पत्नी अपने दांपत्य जीवन को खुशहाल बनाने के लिए वैशाख के महीने में भगवान विष्णु को मिठाई का भोगा लगाएं और उनके माधव स्वरूप के साथ भगवान श्रीधर और पद्मानाभ स्वरूप का भी ध्यान करें।

व्यापार में बढ़ोतरी के लिए

अगर आप अपने व्यापार में बढ़ोतरी चाहते हैं तो वैशाख मास में भगवान विष्णु की तुलसीपत्र से पूजा करनी चाहिए। इससे आपका बिजनेस दिन-दुगनी, रात-चौगनी तरक्की करेगा। इसके अलावा विष्णु जी के माधव स्वरूप के साथ त्रिविकरम और हृषिकेष का ध्यान करना चाहिए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

सूर्य के मेष राशि में प्रवेश से समाप्त होगा खरमास कई राशियों के जीवन में आएंगे बड़े बदलाव

वैशाख कृष्ण पक्ष की द्वादशी तिथि, 14 अप्रैल 2026, मंगलवार के दिन प्रातः 11 बजकर 25 मिनट के पश्चात ग्रहों के अधिपति सूर्य देव अपने गोचर के अनुसार देवगुरु बृहस्पति की राशि मीन से निकलकर मंगल की राशि मेष में प्रवेश करेंगे। ज्योतिषीय दृष्टि से यह परिवर्तन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि मेष सूर्य की उच्च राशि है, जहां सूर्य अपनी पूर्ण शक्ति में स्थित होता है। इसी के साथ एक माह से चल रहा खरमास भी समाप्त हो जाएगा, जो धार्मिक और मांगलिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत है। खरमास के दौरान विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन जैसे शुभ कार्यों पर विराम लग जाता है, लेकिन सूर्य के मेष राशि में प्रवेश करते ही इन सभी कार्यों के लिए शुभ मुहूर्त पुनः प्रारंभ हो जाएंगे और वातावरण में उत्सव की ऊर्जा लौट आएगी।

मेष-मेष राशि के जातकों के लिए यह समय प्रभावशाली परिवर्तन लेकर आएगा। सरकारी कार्यों में लाभ की स्थिति मजबूत होगी और व्यक्तित्व में तेज तथा आत्मविश्वास का संचार होगा। पारिवारिक जीवन में विशेष रूप से पिता का सहयोग मिलेगा, जिससे मनोबल बढ़ेगा। अध्ययन के क्षेत्र में प्रगति के संकेत हैं और नई शिक्षा या उपाधि प्राप्त करने के लिए समय अनुकूल रहेगा। हालांकि वैवाहिक जीवन और प्रेम संबंधों में कुछ बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं, जिससे मानसिक तनाव बढ़ सकता है।

वृषभ - वृष राशि के लोगों के लिए यह गोचर मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। दूर की यात्राओं के योग बनेंगे, जो जीवन में नए अनुभव लेकर आएंगे। घर, वाहन और संपत्ति से जुड़े मामलों में वृद्धि और लाभ के संकेत मिल रहे हैं। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी और प्रतिस्पर्धात्मक क्षेत्रों में सफलता मिलने की संभावना प्रबल है। हालांकि खर्चों में वृद्धि विशेषकर सुख-सुविधाओं और वाहन पर हो सकती है, जिससे संतुलन बनाए रखना आवश्यक होगा।

मिथुन-मिथुन राशि के जातकों के लिए यह समय आर्थिक रूप से मजबूती लेकर आएगा। साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी, जिससे कार्यक्षेत्र में सफलता के नए द्वार खुलेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी और प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित होंगे। भाई-बहनों और मित्रों का सहयोग मिलेगा, जिससे कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक संपत्ति से लाभ के संकेत हैं और संतान पक्ष से शुभ समाचार प्राप्त हो सकते हैं।

कर्क-कर्क राशि के लिए यह गोचर करियर और पारिवारिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लेकर आएगा। सरकारी क्षेत्र में कार्यरत लोगों को विशेष लाभ मिल सकता है और परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन संभव है। धन से जुड़े मामलों में प्रगति होगी और व्यवसाय या नौकरी में उन्नति के संकेत हैं। पिता का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे मानसिक संतुलन बना रहेगा। हालांकि स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, विशेष रूप से हृदय और छाती से संबंधित समस्याएं परेशानी दे सकती हैं।

सिंह-सिंह राशि के जातकों के लिए यह समय आत्मबल और मानसिक शक्ति में वृद्धि करने वाला रहेगा। व्यक्तित्व में आकर्षण बढ़ेगा और वाणी के प्रभाव से कार्यों में सफलता मिलेगी। भाग्य का साथ मिलने से कई रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। सामाजिक दायरा बढ़ेगा और लोगों के बीच सम्मान मिलेगा। हालांकि वैवाहिक जीवन में कुछ तनाव या मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं, जिन्हें समझदारी से संभालने की आवश्यकता होगी।

कन्या-कन्या राशि के लोगों के लिए यह समय सावधानी और संयम की मांग करता है। आंखों, दांत और पेट से जुड़ी समस्याएं परेशान कर सकती हैं, जिससे मानसिक तनाव बढ़ सकता है। पारिवारिक जिम्मेदारियों और खर्चों में वृद्धि होगी, जिससे आर्थिक दबाव महसूस हो सकता है। हालांकि शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी और न्यायालय से जुड़े मामलों में सफलता मिल सकती है। धन में वृद्धि के संकेत हैं, लेकिन क्रोध और वाणी पर नियंत्रण बनाए रखना आवश्यक होगा।

तुला-तुला राशि के जातकों के लिए यह गोचर साझेदारी और व्यापार के क्षेत्र में लाभ लेकर आएगा। आय में वृद्धि होगी और कार्यक्षेत्र में नए अवसर प्राप्त होंगे। व्यक्तित्व में निखार आएगा और सरकारी कार्यों में सफलता की संभावना बनेगी। मानसिक रूप से सक्रियता बढ़ेगी, लेकिन दांपत्य जीवन में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। प्रेम संबंधों में उतार-चढ़ाव के साथ-साथ कुछ सकारात्मक परिणाम भी सामने आ सकते हैं।

अंततः सूर्य का मेष राशि में प्रवेश केवल खगोलीय घटना नहीं, बल्कि जीवन के विभिन्न पहलुओं में परिवर्तन का संकेत है। यह समय जहां एक ओर नई ऊर्जा और अवसर लेकर आता है, वहीं दूसरी ओर संतुलन और संयम बनाए रखने की भी सीख देता है।

कृष्ण प्रतिपदा पर अभिजीत और विजय मुहूर्त,जानें शुभ-अशुभ समय

सनातन धर्म में पंचांग के पांच अंग तिथि, नक्षत्र, योग, करण और वार का विशेष महत्व होता है। इनके आधार पर ही दिन की शुरुआत व शुभ-अशुभ समय का निर्धारण किया जाता है। 3 अप्रैल शुक्रवार से वैशाख मास प्रारंभ हो रहा है। इस दिन कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि है। शुक्रवार को कई महत्वपूर्ण योग और मुहूर्त बन रहे हैं। साथ ही अशुभ समय का ध्यान रखना आवश्यक है। 3 अप्रैल को सूर्योदय 6 बजकर 9 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 40 मिनट पर होगा। चंद्रोदय शाम 8 बजकर 4 मिनट पर होगा। अमृत काल में कोई भी शुभ कार्य करना फलदायी रहेगा। वहीं राहुकाल में यात्रा या नया काम शुरू करने से बचना चाहिए। शुक्रवार माता लक्ष्मी की आराधना को समर्पित है। इस दिन शुक्र ग्रह की शांति के लिए भी पूजा-पाठ व सफेद चीजें दान करने का विधान है।

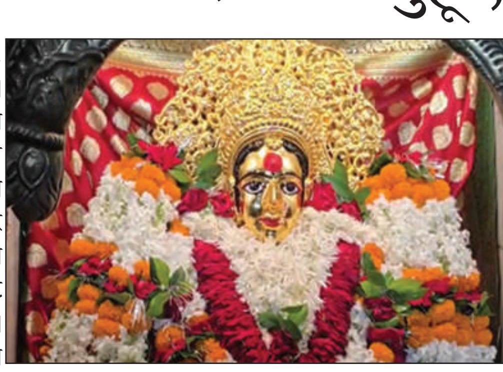

तिथि कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि यह सुबह 8 बजकर 42 मिनट तक रहेगी। इसके बाद द्वितीया लग जाएगी, हालांकि उदयातिथि (सूर्योदय के समय जो तिथि हो) के अनुसार, पूरे दिन प्रतिपदा का मान होगा। नक्षत्र चित्रा शुक्रवार की शाम 7 बजकर 25 मिनट तक रहेगा। इसके बाद स्वाती लग जाएगा। योग व्याघात दोपहर 2 बजकर 9 मिनट तक और करण कौलव सुबह 8 बजकर 42 मिनट तक रहेगा।

शुभ मुहूर्त की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 37 मिनट से 5 बजकर 23 मिनट तक, अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजे से 12 बजकर 50 मिनट तक रहेगा। विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 30 मिनट से 3 बजकर 20 मिनट तक, गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 39 मिनट से 7 बजकर 2 मिनट तक व अमृत काल दोपहर 12 बजकर 32 मिनट से 2 बजकर 15 मिनट तक रहेगा।

अशुभ समय की बात करें तो शुक्रवार को राहुकाल सुबह 10 बजकर 51 मिनट से दोपहर 12 बजकर 25 मिनट तक, यमगंड दोपहर 3 बजकर 32 मिनट से 5 बजकर 6 मिनट तक, गुलिक काल सुबह 7 बजकर 43 मिनट से 9 बजकर 17 मिनट तक व दुर्मुहूर्त सुबह 8 बजकर 39 मिनट से 9 बजकर 29 मिनट तक और दोपहर 12 बजकर 50 मिनट से 1 बजकर 40 मिनट तक रहेगा।

मां अम्बे की कृपा से जीवन की हर बाधा होगी दूर, बस सही तरीके से करें इन मंत्रों का जाप

मां अम्बे की भक्ति में एक अलग ही शक्ति मानी जाती है। कहा जाता है कि अगर सच्चे मन, श्रद्धा और विश्वास के साथ उनका नाम लिया जाए, तो जीवन की बड़ी से बड़ी बाधा भी दूर हो सकती है। लेकिन, सिर्फ मंत्र बोल देने से ही सब कुछ नहीं होता, उसे सही तरीके से और नियम के साथ करना भी उतना ही जरूरी है। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि मंत्र क्या होता है। मंत्र सिर्फ शब्दों का समूह नहीं है, बल्कि एक ऊर्जा है। जब आप इसे ध्यान और एकाग्रता के साथ बोलते हैं, तो यह आपके मन और आसपास के वातावरण पर सकारात्मक असर डालता है। मां अम्बे के मंत्र खास तौर पर शक्ति, साहस और सुरक्षा देने वाले माने जाते हैं। अगर आप जीवन में बार-बार रुकावटों का सामना कर रहे हैं, काम बनते-बनते बिगड़ जाते हैं या मन में डर और चिंता बनी रहती है, तो मां दुर्गा के मंत्रों का जाप आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। जैसे 'ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे', 'सर्वाबाधा विनिर्मुक्तो, धन धान्य सुतान्वितः। मनुष्यो मत्प्रसादेन भविष्यति न संशयः।।' और 'रोगानशेषानपहंसि तुष्टा रुष्टा तु कामान् सकलानभीष्टान्। त्वामाश्रितानां न विपन्नराणां त्वामाश्रिता ह्याश्रयतां प्रयान्ति।।' को बहुत शक्तिशाली मंत्र माना जाता है। इन मंत्रों को नवरात्रि ही नहीं, बल्कि रोज भी जपा जा सकता है। इसी तरह 'ऊं दुं दुर्गायै नमः' एक सरल और प्रभावी मंत्र है, जिसे कोई भी आसानी से जप सकता है। यह मंत्र नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है।

मंत्र जाप करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। सबसे पहले, जप शुरू करने से पहले एक छोटा सा संकल्प लें। अपने मन में या जल लेकर यह बोलें कि आप किस इच्छा या उद्देश्य से जाप कर रहे हैं। इससे आपका ध्यान केंद्रित रहता है।

दूसरी बात, नियमितता बहुत जरूरी है। कोशिश करें कि रोज एक ही समय पर जप करें, खासकर सुबह का समय यानी ब्रह्म मुहूर्त (सुबह 4 से 6 बजे) सबसे अच्छा माना जाता है। अगर यह संभव न हो, तो कोई भी शांत समय चुन सकते हैं।

तीसरी बात, संख्या का ध्यान रखें। कम से कम 108 बार (एक माला) मंत्र का जाप करना चाहिए। अगर आप ज्यादा करना चाहें, तो सवा लाख जाप का अनुष्ठान भी किया जाता है, जिसे बहुत प्रभावशाली माना गया है। जप के दौरान शुद्धता भी जरूरी है। साफ-सुथरे स्थान पर बैठें, सात्विक भोजन करें और मन में किसी के प्रति बुरा भाव न रखें। कोशिश करें कि जप के समय आपका ध्यान पूरी तरह मां अम्बे पर ही रहे। यह याद रखें कि मंत्र जाप कोई जादू नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। इसमें समय, धैर्य और विश्वास की जरूरत होती है। अगर आप सही तरीके से और पूरी श्रद्धा के साथ मां अम्बे के मंत्रों का जाप करते हैं, तो धीरे-धीरे आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव जरूर दिखाई देंगे और बाधाएं खुद-ब-खुद दूर होने लगेंगी।

नवपद ओलीजी

इतिहास भी जानने योग्य है। ज्ञान, विनय, विवेक के विलक्षण परम गीतार्थ महोपाध्याय श्रीविनय विजय महाराज द्वारा संघ के आग्रह पर वर्ष 1738 में रांदेर चातुर्मास में 'श्रीरास' की रचना प्रारंभ की गयी थी, परंतु 750 गाथा की रचना के बाद वो पुण्य पुरुष स्वर्ग सिधार गये और शेष रास पूज्य महोपाध्याय श्रीयशो विजयजी महाराज द्वारा पूर्ण किया गया। 'श्री पाल मयणा रास' में पूजा, आराधना एवं भक्ति की दृष्टि से 'श्री सिद्धचक्र यंत्र' का भी अत्याधिक महत्व है। गुरू देव श्री मुनि सुंदरसूरी महाराज ने आगम ग्रंथों का मंथन करके 'श्री सिद्धचक्र यंत्र' तैयार कर मयणासुंदरी को उसकी संपूर्ण विधि बताते हुए कहा कि बहुमान जैन न धर्म शासन में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व के समान ही नवपद शाश्वत ओली जी भी एक आध्यात्मिक पर्व है। यह पर्व वर्ष में दो बार (चैत्र व आसोज) त्याग, तप एवं आराधना के साथ मनाया जाता है। नौ दिवसीय ओली पर्व का प्रारंभ भगवान महावीर स्वामी की आज्ञा से गणधर गौतम स्वामी ने मगध सम्राट महाराजा श्रेणिक व उनके मंत्रीश्वर अभय कुमार को मंगलकारी दर्शन देकर किया। जिस प्रकार जैन धर्म में जीव-अजीव, पुण्य-पाप, आश्रव, संवर, निर्जरा, बन्ध और मोक्ष आदि नव तत्वों का समावेश मुख्य रूप से है, उसी प्रकार ओली जी पर्व में अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु साध्वी, दर्शन, ज्ञान-चरित्र एवं तप की आराधना करने का विधान है। गणधर गौतम स्वामी ने अपनी देशना में महाराज श्रीपाल कुमार, मालवा देश उज्जैनी नगरी के प्रजापालक राजा, मिध्यात्ववासित पत्नी सौभाग्य सुंदरी और मयणा सुंदरी के चरित्र कथन को विस्तार से सुनाया था। मुख्य रूप से यह कथा कर्म, पुरुषार्थ और धर्म आरधना, तप एवं त्याग पर आधारित है। इसमें पुण्यानुबंधी पुण्य के प्रभाव से सर्वत्र विजय होती है। अतः उसके महत्व को दर्शाया गया है।

प्राचीन समय से शाश्वत पर्व में जिस सूत्र का वाचन किया जाता है, उसका नाम है- 'श्रीपाल मयणा रास।' इसके लेखन का भाव के साथ की गई इसकी आराधना चमत्कारों का सर्जन करती है। आचार्य भगवंतों का कहना है कि आरधकों को इन पर्वो की कम से कम नौ बार आराधना करने का विधान है। प्रतिदिन आयंबल तप, जाप, नवकारवम्बी, काऊन्संग स्वस्तिक, प्रदक्षिणा खमासणा आदि साधु-साध्वी भगवंतों की निश्रा में करने का विधान है। आराधक को प्रतिदिन उभय काल प्रतिक्रमण, प्रतिलेखन, देव-वंदन, प्रभु-दर्शन, वंदन-पूजन, सिद्धयक्र, वासक्षेप पूजा, नौ अलग-अलग जिनालयों में चैत्य- वंदन, जिन वाणी श्रवण, निंदा-विकथादि का संपूर्ण त्याग, संभव हो तो नौ दिन पौषध, अंतिम दिन नवपद की विस्तार से पूजा-पाठ, रात्रि जागरण आदि का अवश्य पालन करना चाहिए। हर पद का वर्ण अलग-अलग है। हो सके तो उसके अनुकूल आयंबिल आहार ग्रहण करें, ऐसी जिन आशा है।

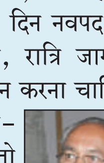

– जैन जसराज देवड़ा 'धोका'

संजीव कपूर ने खास अंदाज में कपिल शर्मा को दी बधाई, बोले

आपने पूरी दुनिया में खुशियां बिखेरी हैं

जब भी कॉमेडी की बात होती है, तो सभी की जुबां पर सबसे पहले कपिल शर्मा का नाम आता है। उन्होंने अपनी हाजिरजवाबी और आम आदमी की जिंदगी से जुड़े मजेदार जोक्स के जरिए लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। गुरुवार को कॉमेडियन अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर मशहूर शेफ संजीव कपूर और अभिनेत्री कृति सेनन ने जन्मदिन की बधाई दी। संजीव कपूर ने इंस्टाग्राम पर कमीडियन के साथ एक तस्वीर पोस्ट की। इसमें कपिल शर्मा अपने टॉक शो के सेट पर संजीव कपूर के साथ बैठे नजर आ रहे हैं। तस्वीर में दोनों हंसते दिखाई दिए। संजीव ने अपनी पोस्ट में कमीडियन की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी पूरी मेहनत और दिल से लोगों की जिंदगी में हंसी और खुशियां बिखेरी हैं। संजीव लिखते हैं, कपिल शर्मा, आपको जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं।

उन्होंने आगे लिखा, जिंदगी का असली मजा तब आता है, जब उसमें हंसी और खुशियां दोनों हों और आपने ये दोनों पूरे दिल से पूरी दुनिया को दी है। मैं सच में आशा करता हूं कि आने वाले साल आपको और भी ढेरों मौके दें, ताकि आप हंसी और प्यार सभी तक फैलाते रहें।

एक्ट्रेस कृति सेनन ने भी कपिल शर्मा को बधाई दी। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कपिल शर्मा के साथ सेल्फी शेयर करते हुए लिखा, हैप्पी बर्थडे कपिल। आपके आसपास रहना हमेशा खुशी देता है, आपका आने वाला साल सबसे अच्छा हो।

कपिल शर्मा भारत के सबसे प्रसिद्ध स्टैंड-अप कमीडियन, टीवी होस्ट और अभिनेता हैं, जिन्होंने 'द कपिल शर्मा शो' और 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' से घर-घर में पहचान बनाई है। अमृतसर से ताल्लुक रखने वाले कपिल, शुरू में पीसीओ बूथ पर काम करते थे। हालांकि, आज के समय में वे देश के सबसे महंगे और मशहूर कमीडियन में से एक हैं।

2007 में 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज' जीतने के बाद कपिल को पहचान मिली। इससे पहले वे स्थानीय शो में काम करते थे। उन्होंने कॉमेडी सर्कस में जीत हासिल की और 9 रियलिटी शो के विजेता भी रहे। इसके अलावा, कपिल ने 'किस किसको प्यार करूं' (2015), 'फिरंगी' (2017), और 'जिगाटो' (2023) जैसी फिल्मों में काम किया है।

सीखने से शुरू हुआ सफर अब जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया : अमिताभ बच्चन

हिंदी सिनेमा के मेगास्टार अमिताभ बच्चन अपने ब्लॉग पर काफी सक्रिय रहते हैं और इसके माध्यम से अपने मन के भाव फैंस तक पहुंचाते रहते हैं। गुरुवार को उन्होंने ब्लॉग के मतलब और उसके विकास के बारे में बात की। अमिताभ ने बताया कि ब्लॉग की शुरुआत सीखने की प्रक्रिया से हुई थी, धीरे-धीरे यह उनकी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन गया। इसमें निरंतरता है, जो जीवन की अनिश्चितताओं के बीच भी बनी रहती है। उन्होंने अपने ब्लॉग में लिखा, हर उस चीज के लिए हमेशा एक सही समय और जगह होती है, जिसके करने, मानने और पूरा करने की जरूरत होती है। उन्होंने अपने ब्लॉग को सिर्फ एक प्लेटफॉर्म नहीं बल्कि एक खास जगह बताया। अभिनेता ने कहा कि यह उन्हें दुनिया भर के लोगों से जोड़ती है। उन्होंने लिखा, ब्लॉग हम सबको जोड़ता है। कभी-कभी यह हमें दूर ले जाता है, तो कभी हमेशा उपस्थित रहने की कोशिश करता है।बच्चन ने आगे लिखा, लेकिन यह हमेशा आने और अपनी हाजिरी लगाने की कोशिश करता है। तो जो चीज सीखने के तौर पर शुरू हुई थी, वह अब एक सीखी हुई चीज बन गई है।

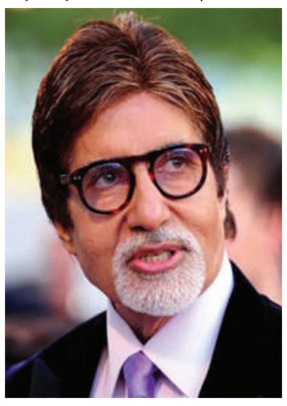

अमिताभ बच्चन 80 से अधिक उम्र में भी काफी सक्रिय और संवेदनशील दिखते हैं। उनका ब्लॉग उनके व्यक्तित्व का आईना है, जहां वे बिना किसी फिल्टर के अपने विचार सभी के सामने रखते हैं।अमिताभ बच्चन का ब्लॉग उनके प्रशंसकों (जिन्हें वह एक्सटेंडड फैमिली कहते हैं) से जुड़ने का एक प्रमुख माध्यम है। अमिताभ बच्चन ने 2008 में टम्बलर ब्लॉग की शुरुआत की थी और 2025 में ब्लॉगिंग के 17 साल पूरे किए। वह अक्सर पोस्ट करते हैं। ब्लॉग में वह अपने जीवन, संघर्ष और हरिवंश राय बच्चन की कविताओं से प्रेरित होकर मानवीय अनुभवों के बारे में लिखते हैं। अभिनेता का मानना है कि ब्लॉग उन्हें सीधे अपने प्रशंसकों से जुड़ने का मौका देता है, बिना किसी दूसरे माध्यम के। यह उनके विचारों, भावनाओं और उनके जीवन के दर्शन को करीब से जानने का एक जरिया है।

'धुरंधर-2' की सक्सेस के बाद राकेश बेदी के हाथ दो बड़े प्रोजेक्ट

वरुण धवन के साथ शेयर करेंगे स्क्रीन

धुरंधर-2 की सक्सेस के बाद फिल्म में राजनेता 'जमील जमाली' का किरदार निभाने वाले राकेश बेदी ने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेता एक समारोह में शामिल होने के लिए महाकाल की नगरी उज्जैन पहुंचे। अभिनेता ने इस दौरान अपने किरदार को लेकर की गई तैयारी पर बात की और यह भी साफ किया कि 'धुरंधर-3' नहीं आने वाली है। धुरंधर-2 की सक्सेस पर बात करते हुए अभिनेता राकेश बेदी ने कहा, फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट रही है और कमाई भी अच्छी कर रही है, लेकिन फिल्म का कॉन्सेप्ट और निर्देशन आदित्य धर का है। हमने तो कलाकार के तौर पर काम किया, जो काम हमें करने के लिए कहा गया, लेकिन असल मेहनत आदित्य धर की है।

फिल्म धुरंधर-2 में 'जमील जमाली' के किरदार के लिए अभिनेता ने बहुत मेहनत की। उन्होंने बताया कि हर किरदार के लिए मेहनत करनी पड़ती है। जैसे हम विराट कोहली को छक्का मारते देखते हैं तो देखने में कितना आसान लगता है, लेकिन असल में ऐसा होता नहीं है। ऐसे ही हर किरदार को निभाने से पहले बहुत कुछ करना होता है। वहीं फिल्म में रणवीर सिंह को असली धुरंधर बताते हुए अभिनेता ने कहा, जिस तरीके से किरदार की मांग थी, सभी किरदारों ने वैसा ही रोल प्ले किया। मेरा किरदार रणवीर सिंह को बचाने का था क्योंकि अगर कोई स्पाई दूसरे देश में जा रहा है, तो कोई तो सपोर्ट करने वाला और बचाने वाला होना चाहिए।

अपने शुरुआती करियर पर बात करते हुए राकेश बेदी ने कहा, मेरे पिताजी चाहते थे कि मैं आईआईटी करूं, और मैं एंट्रेंस एग्जाम भी देने पहुंचा था, लेकिन मुझे 35 सवालों में से सिर्फ सवाल नंबर 7 का उत्तर पता था। फिर लगा कि मैं यहां के लिए नहीं बना हूं, और मेरे पिता ने भी किसी तरह का जोर नहीं डाला। यही कारण है कि मैं आईआईटी को छोड़कर अभिनेता बना। मैं अपने बच्चों के साथ भी यही करता हूं, उन्हें जो करना है, वही करने की आजादी देता हूं। कॉमेडी से धुरंधर-2 में 'जमील जमाली' के निगेटिव को निभाने के सवाल पर अभिनेता ने कहा, आदित्य धर को लगा कि मैं यह किरदार कर सकता हूं, तो मुझे चुना गया। मैं वैसा विलेन नहीं बना, जैसी छवि भारतीय सिनेमा में रही है, टेढ़ी आंखें वाले, एक्शन करते हुए, लेकिन मुझे चालाक और 'मेरा बच्चा है तू' वाला विलेन बनाया गया।

अपने आगामी प्रोजेक्ट्स पर बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि वो दो नए प्रोजेक्ट्स में दिखने वाले हैं। अभिनेता वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' और प्राइम वीडियो पर आने वाली सीरीज 'राख' में दिखने वाले हैं। दोनों की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है और जल्द ही रिलीज की अनाउंसमेंट की जाएगी।

धुरंधर-2 की सक्सेस देख बढ़ाई गई भूत बंगला की रिलीज डेट, 16 अप्रैल को होगा पेड प्रिव्यू

अक्षय कुमार की फिल्म 'धुरंधर-2' 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब तक फिल्म 1400 करोड़ से ज्यादा की कमाई वर्ल्डवाइड कर चुकी है। फिल्म की रफ्तार आज भी बॉक्स ऑफिस पर बहुत तेज है और यही वजह है कि अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' की रिलीज डेट को 10 अप्रैल से आगे बढ़ा दिया है। मेकर्स ने स्वीकार किया है कि फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव 'धुरंधर-2' की वजह से किया गया है। एकता कपूर ने फिल्म की रिलीज को लेकर सोशल मीडिया पर जानकारी दी है। पोस्टर शेयर कर एकता कपूर ने लिखा, हमारे वितरकों और प्रदर्शकों के साथ सामूहिक चर्चा के बाद, हमने भूत बंगला की नई रिलीज तिथि 16 अप्रैल तय की है, जिसका पहला शो रात को 9 बजे से शुरू होगा। उन्होंने आगे लिखा, 'धुरंधर: द रिवेंज' का शानदार प्रदर्शन हमारे फिल्म उद्योग के लिए उत्साहजनक खबर है और प्रदर्शकों का मानना है कि इस बदलाव से दोनों फिल्मों को वह स्थान, ध्यान और लोकप्रियता मिलेगी जिसकी वे हकदार हैं। गौर करने वाली बात यह भी है कि भूत बंगला के मेकर्स ने न सिर्फ फिल्म की तारीख बदली है, बदली रिलीज का फॉर्मेट भी 'धुरंधर: द रिवेंज' से कॉपी किया है।

'धुरंधर: द रिवेंज' ने रिलीज से पहले फिल्म का प्रेड-प्रीव्यू रखा था और बंपर कमाई की थी। अब मेकर्स ने इसी नक्शे कदम पर चलते हुए 16 अप्रैल को रात 9 बजे फिल्म का प्रेड-प्रीव्यू रखा है। अब यह कहना गलत नहीं होगा कि सिर्फ सिनेमा में नए आयाम गढ़ने के साथ 'धुरंधर: द रिवेंज' ने रिलीज के फॉर्मेट को भी बदलकर रख दिया है।

मोनालिसा के आरोपों पर रजत दलाल का पलटवार, बोले

उनका गुस्सा उनकी समस्या मुझ पर कोई असर नहीं

रियलिटी शो द 50 के खत्म होने के बाद भी कंटेस्टेंट्स के बीच का विवाद अब भी चर्चा का विषय बन गया है। इस बार चर्चा में हैं रजत दलाल और मोनालिसा, जिनके बीच का टकराव लगातार खबरों में बना हुआ है। दरअसल, मोनालिसा ने हाल ही में कई इंटरव्यू में रजत दलाल पर आरोप लगाया था कि उन्होंने गेम के दौरान उनके पति विक्रांत सिंह राजपूत की बुराई की। मोनालिसा ने कहा, ''रजत में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह सामने आकर विक्रांत से बात कर सकें।'' उनके इन बयान के बाद यह मामला और ज्यादा तूल पकड़ने लगा और फैंस के बीच भी इस पर चर्चा शुरू हो गई। अब इस पूरे मामले पर रजत दलाल ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मोनालिसा का गुस्सा उनका अपना है और इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

रियलिटी शो 'द 50' की बात करें तो यह एक ऐसा शो था, जिसमें अलग-अलग क्षेत्रों से आए 50 कंटेस्टेंट्स ने हिस्सा लिया था। इस शो के दौरान कई कंटेस्टेंट्स के बीच दोस्ती और टकराव दोनों देखने को मिले, जो दर्शकों के लिए काफी दिलचस्प रहे।

इस शो के विजेता शिव ठाकरे बने, जिन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी को पीछे छोड़ दिया। वहीं, शो में निक्की तंबोली, रिद्धि डोगरा, प्रिंस नरूला, युविका चौधरी, दिव्या अग्रवाल, अर्चना, करण पटेल, और उर्वशी ढोलकिया जैसे कई चर्चित चेहरे भी नजर आए थे।

रजत दलाल की निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने हाल ही में अपनी शादी की खबर से सभी को चौंका दिया। उन्होंने कुछ दिन पहले ही शादी की थी। दूसरी ओर, मोनालिसा और विक्रांत सिंह राजपूत की जोड़ी लंबे समय से चर्चा में रही है। दोनों ने साल 2017 में रियलिटी शो 'बिग बॉस' के दौरान ही शादी की थी, जिसे पूरे देश ने टीवी पर देखा था। यह शादी उस समय काफी चर्चा में रही थी और आज भी दोनों की जोड़ी को फैंस काफी पसंद करते हैं।

रेड लिप ट्रेंड को अपनाती बोल्ड एंड टाइमलेस बॉलीवुड दिवाज़

मुंबई क्लासिक रेड लिप्स में एक अलग ही ताकत होती है क्योंकि ये बोल्ड, कॉन्फिडेंट और किसी भी लुक को तुरंत खास बना देते हैं। यही वजह है कि ग्लैमरस गाउन से लेकर पावर सूट तक, बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस यह साबित कर रही हैं कि रेड लिपस्टिक सिर्फ मेकअप नहीं, बल्कि एक स्टेटमेंट है। तो आइए जानते हैं कैसे आपकी पसंदीदा दिवाज़ इस टाइमलेस ट्रेंड को नए अंदाज़ में पेश कर रही हैं:

दीपिका पादुकोण : द अल्टीमेट रेड लिप क्वीन

जब रेड लिपस्टिक ट्रेंड की बात आती है, तो दीपिका पादुकोण का नाम सबसे पहले आता है। इंटरनेशनल रेड कार्पेट से लेकर फिल्म प्रमोशन्स तक, उनका बोल्ड रेड पाउट हमेशा लोगों का ध्यान खींचता है। विंग्ड आईलाइनर या ड्रामेटिक आई मेकअप के साथ उनका रेड लिप लुक कॉन्फिडेंस और एलिगेंस से भरा होता है।

तमन्ना भाटिया: मॉडर्न ट्विस्ट के साथ ग्लैम

तमन्ना भाटिया क्लासिक रेड लिप्स को एक फ्रेश और यंग टच देती हैं। चाहे वो वेस्टर्न गाउन पहनें या ट्रेडिशनल साड़ी, उनके क्रिमसन शेड्स उनकी स्किन टोन को और भी निखारते हैं। सॉफ्ट ग्लैम मेकअप, जैसे ड्यूई स्किन और हल्का आई मेकअप के साथ उनके रेड लिप्स और भी उभरकर आते हैं।

आलिया भट्ट: सिंपल लेकिन स्ट्राइकिंग

आलिया भट्ट का रेड लिप लुक बैलेंस का बेहतरीन उदाहरण है। वह अक्सर सॉफ्ट रेड टोन चुनती हैं, जो उनके नेचुरल फीचर्स को निखारते हैं। फ्लश्ड चीक्स और मिनिमल आई मेकअप के साथ आलिया दिखाती हैं कि रेड लिप्स बोल्ड होने के साथ-साथ सटल भी हो सकते हैं।

कृति खरबंदा: प्लेफुल एंड प्रिटी

कृति खरबंदा रेड लिप ट्रेंड में एक फ्रेश और प्लेफुल वाइब लाती हैं। उनके ब्राइट चेरी-रेड शेड्स उनके लुक को तुरंत एनर्जी देते हैं। सॉफ्ट कर्ल्स, ड्यूई मेकअप और हल्के ब्लश के साथ उनका स्टाइल डे और नाइट दोनों के लिए परफेक्ट है।

कियारा आडवाणी: मॉडर्न-डे ग्लैम

क्वीन कियारा आडवाणी का ब्यूटी स्टाइल हमेशा पॉलिश्ड और परफेक्ट होता है। उनके रेड लिप्स, क्लासिक और मॉडर्न का खूबसूरत मेल हैं। ल्यूमिनस स्किन और हल्के ड्रामेटिक आई मेकअप के साथ उनका रेड पाउट, उनकी खूबसूरती में हर बार एक्स्ट्रा ग्लैमर जोड़ देता है।

कृति सैनन: एफर्टलेस एलिगेंस

कृति सेनन अपने रेड लिप लुक्स में सादगी और क्लास बनाए रखती हैं। उनके वेल्वेटी रेड शेड्स उनकी ग्लोइंग स्किन के साथ परफेक्ट लगते हैं। सॉफ्ट आई मेकअप और रेडिएंट बेस के साथ उनका पूरा लुक बेहद बैलेंस्ड और अट्रैक्टिव नजर आता है।

तृप्ति डिमरी: राइजिंग स्टाइल स्टार

तृप्ति डिमरी तेजी से एक स्टाइल आइकन बनती जा रही हैं। उनके रेड लिप्स अक्सर डीपर और मूडी टोन में होते हैं, जो उनके फीचर्स को और उभारते हैं। स्लीक बन या सॉफ्ट वेव्स के साथ उनका लुक मॉडर्न और थोड़ा हटके होता है।

क्यों रेड लिप्स कभी आउट ऑफ स्टाइल नहीं होते:

रेड लिप्स की खासियत उनकी वर्सेटिलिटी है और ये बोल्ड, रोमांटिक, एलिगेंट, किसी भी तरह से स्टाइल किए जा सकते हैं। चाहे कैजुअल आउटफिट हो या हाई-फैशन लुक, रेड लिप्स हमेशा कॉन्फिडेंस और चार्म जोड़ते हैं। बॉलीवुड की ये दिवाज़ एक बात साफ करती हैं कि जब भी कंफ्यूजन हो, बस रेड चुनिए!

पीएम गतिशक्ति के माध्यम से विकास परियोजनाओं की हो सकेगी रीयल टाइम मॉनिटरिंग : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित ग्राम-विकसित वार्ड अभियान के अंतर्गत स्थानीय लोगों से सुझाव लेते हुए वर्ष 2030, 2035 एवं 2047 तक की आवश्यकताओं के अनुरूप गांव एवं शहरों के विकास का मास्टर प्लान एवं रोडमैप तैयार किया जा रहा है। मैपिंग इस अभियान का अत्यंत महत्वपूर्ण स्तभ है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान की डिजिटल मैपिंग के लिए भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान (बीआईएसएजी-एन) से सहयोग प्राप्त करते हुए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर बीआईएसएजी (एन) द्वारा विभिन्न विभागीय परियोजनाओं में डिजिटल मैपिंग को बढ़ावा देने के संबंध में बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकसित ग्राम-विकसित वार्ड

अभियान में इस तकनीक से गांवों और शहरों की वास्तविक जरूरतों को समझकर योजना तैयार करने में मदद मिलेगी। साथ ही, क्षेत्र विशेष की मूलभूत आवश्यकताओं को समझते हुए प्लानिंग बनाने में यह सहायक होगा। उन्होंने अधिकारियों को अभियान के तहत डिजिटल मैपिंग का अधिक से अधिक उपयोग करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि 19 मार्च से 15 मई तक संचालित इस अभियान के अंतर्गत 14 हजार से अधिक ग्राम पंचायत एवं 10 हजार से अधिक शहरी वार्ड शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआईएसएजी (एन) द्वारा पीएम गतिशक्ति के तहत विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एकीकृत किया जा रहा है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से सभी विभागों की परियोजनाओं को एकीकृत करके कार्यों की रीयल टाइम मॉनिटरिंग संभव है, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी, सिस्टम में पारदर्शिता बढ़ेगी एवं संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव हो सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्लेटफॉर्म का प्रयोग करते हुए परियोजनाओं में विकास से लेकर क्रियान्वयन तक हर स्तर पर इसका उपयोग किया जाए।

बैठक में बीआईएसएजी (एन) के महानिदेशक टीपी सिंह ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बताया कि बीआईएसएजी (एन) द्वारा जीआईएस आधारित तकनीक का उपयोग करते हुए डेटा इंटीग्रेशन तथा बुनियादी ढ़ाचे से जुड़ी योजनाओं की सटीक लोकेशन सहित विभिन्न विकास कार्यों की मैपिंग का कार्य किया जाता है। इसके माध्यम से देशभर में सड़क, रेल, ऊर्जा, जल और शहरी विकास से जुड़ी परियोजन-ाओं से एक ही प्लेटफॉर्म पर देखने के साथ ही समन्वित भी किया जा रहा है।

इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भरतपुर की हंसिका गुर्जर बनीं भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री

भरतपुर, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी ने राजस्थान में अपने सांगठनिक ढांचे को मजबूती देते हुए नई नियुक्तियों की घोषणा की है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देश और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए भरतपुर की हंसिका गुर्जर को 'प्रदेश मंत्री' मनोनीत किया है। अनुभवी नेतृत्व को मिली कमान हंसिका गुर्जर भरतपुर की राजनीति में एक जाना-पहचाना नाम हैं। उनकी इस नियुक्ति के पीछे उनका लंबा सांगठनिक अनुभव और सक्रियता रही है:

पूर्व जिला अध्यक्ष : वे पूर्व में भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष के रूप में सफल पारी खेल चुकी हैं। वे भरतपुर नगर निगम में 'निर्विरोध पार्षद' निर्वाचित होकर अपनी लोकप्रियता साबित कर चुकी हैं।

प्रदेश मंत्री मनोनीत होने के बाद हंसिका गुर्जर ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने कहा : पार्टी ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, मैं उस पर पूरी निष्ठा से खरी उतरूँगी। मेरा मुख्य लक्ष्य भाजपा की विचारधारा और रीति-नीतियों को आमजन तक पहुँचाना है। साथ ही, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए मैं और मेरी टीम पूरी मजबूती से कार्य करेंगे।

हंसिका गुर्जर की प्रदेश स्तर पर नियुक्ति से भरतपुर भाजपा में खुशी का माहौल है। पार्टी पदाधिकारियों का मानना है कि उनके अनुभव से आगामी समय में महिला मोर्चा और अधिक सशक्त होगा। सोशल मीडिया और व्यक्तिगत रूप से उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

राष्ट्रीय आयुष मिशन में राजस्थान अग्रणी,योग दिवस आयोजन में प्रदेश देश में प्रथम : उपमुख्यमंत्री बैरवा

जयपुर, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने गुरुवार को बैठक लेकर आयुष विभाग (आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी) की योजनाओं और प्रगति की समीक्षा की। सचिवालय में हुई बैठक में विभाग की योजनाओं, राष्ट्रीय आयुष मिशन, बजट घोषणाओं और संकल्प पत्र के क्रियान्वयन तथा आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने विभाग की उपलब्धियों की सराहना करते हुए बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस- 2025 में राजस्थान ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर 85 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने योग संगम पोर्टल पर पंजीकरण कर योग किया। इसके साथ ही 'प्रकृति परीक्षण अभियान' में भी राज्य ने देश में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। बजट घो-षणाओं की समीक्षा के दौरान बताया गया कि अजमेर में आयुर्वेद, योग एवं

प्राकृतिक चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना को कैबिनेट से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के अंतर्गत 1 अप्रैल, 2025 से आयुष के 20 पैकेज जोड़े गए हैं। इसके तहत अब तक 84 आयुर्वेद चिकित्सालयों को पैनल में शामिल किए गया हैं। उपमुख्यमंत्री ने पर्यटन स्थलों पर पीपीपी मोड पर आयुष वेलनेस केंद्र स्थापित कर प्रदेश को आयुष वेलनेस हब के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। 'डिजिटल आयुष मिशन' के तहत ई-औषधि पोर्टल सहित सभी सेवाओं का पूर्ण डिजिटलीकरण सुनिश्चित किया जाए। उपमुख्यमंत्री ने सभी स्वीकृत एवं लंबित कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि राजस्थान आयुष सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बना रहे। विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार ने बताया कि प्रदेश में आयुष चिकित्सा सेवाओं के प्रति आमजन का रुझान लगातार बढ़ रहा है। राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत राज्य ने वित्तीय प्रबंधन में भी बेहतर प्रदर्शन किया है।

राव नरेंद्र सिंह को सीडी कांड में बड़ी राहत

हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगाई रोक

नारनौल, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह को कथित सीडी कांड मामले में बड़ी राहत मिली है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने नारनौल की ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्यवाही पर फिलहाल रोक (स्टे) लगा दी है। यह मामला गुरुवार को नारनौल की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हर्षाली चौधरी की अदालत में सूचीबद्ध था, लेकिन हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब इस पर आगे की सुनवाई फिलहाल टल गई है। जानकारी के अनुसार, एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) गुरुग्राम की ओर से इस मामले में चार्जशीट दाखिल की गई थी, जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने का आदेश दिया।यह

पूरा मामला पलवल की 30 एकड़ जमीन के सीएलयू (चेंज ऑफ लैंड यूज़) के बदले कथित रूप से पैसों की मांग से जुड़े स्टिंग ऑपरेशन से संबंधित है।बताया जा रहा है कि वर्ष 2013 में धर्मेंद्र नामक व्यक्ति ने इस मामले में स्टिंग ऑपरेशन किया था। इसके बाद वर्ष 2016 में इस संबंध में एफआईआर दर्ज की गई थी। इनेलो नेता रामपाल माजरा ने इस मामले की शिकायत लोकायुक्त को भी दी थी। हाल ही में इनेलो ने चंडीगढ़ में इस मामले से जुड़ी सीडी जारी कर पत्रकार वार्ता भी की थी।राव नरेंद्र सिंह के वकील ओपी यादव ने बताया कि चार्जशीट को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने नारनौल की ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्यवाही पर फिलहाल रोक लगा दी है।

हरियाणा में स्वास्थ्य संस्थानों में पानी के टैंकों की तत्काल सफाई के दिए आदेश : डॉ. सुमिता मिश्रा

चंडीगढ़, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने राज्य भर के सरकारी मेडिकल संस्थानों, विश्वविद्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों में पानी के सभी टैंकों की तत्काल जाँच और सफ़ाई के लिए सख़्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने सुरक्षित पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने में किसी भी तरह की लापरवाही के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस (बिल्कुल भी

बर्दाश्त न करने) की नीति पर बल दिया है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि समय-समय पर संज्ञान में आया है कि कई संस्थानों में पानी के टैंकों की नियमित रूप से सफ़ाई नहीं की जा रही है, जिससे स्वास्थ्य का गंभीर ख़तरा पैदा हो रहा है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि मरीज़ों, कर्मचारियों और आगंतुकों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पानी उपलब्ध करवाना बेहद ज़रूरी है और इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने सभी संस्थानों को निर्देश दिए गये है कि वे ज़मीन के ऊपर और ज़मीन के नीचे बने, दोनों तरह के पानी के टैंकों की तत्काल और पूरी तरह से जाँच करें। इस जाँच में टैंकों की मौजूदा स्थिति का आकलन किया जाना चाहिए, जिसमें किसी भी तरह के प्रदूषण, रिसाव या ढाँचे को हुए नुक़सान के संकेतो की पहचान करना भी शामिल है, ताकि संभावित ख़तरों को रोका जा सके।

संसद में कुमारी सैलजा ने उठाई किसानों-आढ़तियों की समस्याएं

सिरसा, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

सिरसा की सांसद, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने आज संसद में शून्यकाल के दौरान हरियाणा की अनाज मंडियों में किसानों एवं आढ़ती वर्ग द्वारा झेली जा रही समस्याओं को गंभीरता से उठाया। उन्होंने कहा कि किसान देश के अन्नदाता हैं और उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। सांसद सैलजा ने सदन को अवगत कराया कि राज्य में हाल ही में लागू किया गया नया गेट पास सिस्टम किसानों और आढ़ती भाइयों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। कई मंडियों में पोर्टल के बार-बार क्रैश होने से किसानों को अपनी उपज लेकर घंटों, यहां तक कि कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि सरसों की खरीद के लिए स्थापित गुणवत्ता परीक्षण लैब अनेक स्थानों पर सुचारू रूप से कार्य नहीं कर रही हैं, जिससे खरीद प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। इसके अतिरिक्त, गेट पास प्राप्त करने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली के पंजीकरण नंबर सहित फोटो अपलोड करना तथा बायोमेट्रिक/ अंगूठा सत्यापन की अनिवार्यता छोटे और सीमांत किसानों के लिए अतिरिक्त बोझ बन रही है। सांसद ने कहा कि गेट पास की समय-सीमा भी किसानों की व्यावहारिक परिस्थितियों के अनुरूप नहीं है। साथ ही, मंडियों के अधिसूचित क्षेत्रों को सीमित किए जाने से किसानों को भंडारण और समय पर बिक्री में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आढ़ती वर्ग की समस्याओं की ओर भी ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि वर्तमान महंगाई और बढ़ती लागत के बावजूद आढ़त दरों में अपेक्षित वृद्धि नहीं की गई है, जिससे उनका आर्थिक संतुलन बिगड़ रहा है और इसका सीधा प्रभाव किसानों पर पड़ रहा है।

भाजपा ही ऐसी सरकार दे सकती है जो किसानों, आढ़तियों और व्यापारियों का भला कर सके : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से पंजाब की आढ़ती एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर आवास पर बुधवार देर शाम मुलाकात की है। इस दौरान पंजाब के आढ़तियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि पंजाब में लगभग 40 हजार आढ़ती, करीब सवा लाख मुनीम तथा 6-7 लाख श्रमिक इस व्यवस्था से जुड़े हुए हैं। वर्तमान में आढ़तियों के समक्ष आ रही दिक्कतों के चलते पंजाब में आढ़तियों की हड़ताल चल रही है, जिससे व्यापारिक गतिविधियों के साथ-साथ लाखों परिवारों की आजीविका प्रभावित हो रही है। सरकार से वार्ता हुई, लेकिन कोई हल नहीं हुआ। फसल खरीद के इस सीजन में आढ़ती वर्ग के साथ साथ लेबर तबका और किसान भी परेशान हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस विषय पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वह स्वयं कई बार पंजाब का दौरा कर चुके हैं और वहां हर वर्ग चाहे किसान हो, व्यापारी हो या श्रमिक परेशान नजर आता है। समस्याओं के हल की तरफ वहां की आप

पार्टी की सरकार कुछ नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियों ने पंजाब की आर्थिक स्थिति को कमजोर कर दिया है और प्रदेश को कंगाल बनाने का काम किया है। उन्होंने पंजाब सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अभी भी समय है, पंजाब को वहां की जनता संभाल लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ही वहां ऐसी सरकार दे सकती है जो किसानों, आढ़तियों और व्यापारियों का भला कर सके।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा का उदाहरण देते हुए कहा कि राज्य में किसानों की सभी फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की जा रही है, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। साथ ही आढ़तियों के कमीशन को भी समय-समय पर बढ़ाया गया है, ताकि उनकी आय और सम्मान दोनों सुरक्षित रहें।

मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा में गेहूं पर आढ़तियों को 55 रुपए प्रति क्विंटल का कमीशन दिया है जो कि पंजाब से 9 रुपए अधिक है । आढ़ती एसोसिएशन की ओर से कहा गया कि वे लंबे समय से समस्याओं से जूझ रहे हैं और उन्हें एक ऐसी सरकार की आवश्यकता है जो उनकी बात सुने और ठोस समाधान दे। उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी मांगें रखते हुए सकारात्मक पहल की अपेक्षा जताई।

आज का राशिफल

मेष - चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। दिन के पहले भाग में ख़ुद को थोड़ा अलसाहट भरा महसूस कर सकते हैं, लेकिन अगर आप घर से बाहर निकलने की हिम्मत जुटाएँ तो काफ़ी काम किया जा सकता है।

वृषभ - इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मिथुन - क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी। मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा। अपने घर से बाहर निकलते समय अपने जरुरी सामान को एक बार जरुर देख लें।

कर्क - ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज ख़ास दिन है,आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जो बात सच्ची होती हैं उन्हें कहने में आपके शब्द भी कम जाया होते हैं ।

सिंह - म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आपके मानसिक तनाव को कम करने में दवा की तरह असरदार साबित होगी। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है। इससे बचाव न करने की स्थिति में इसके दूरगामी परिणाम अच्छे नहीं होंगे। अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए बिलकुल उपयुक्त दिन है।

कन्या - टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आपको आज ही अपने प्रिय को दिल की बात बताने की ज़रूरत है, क्योंकि कल बहुत देर हो जाएगी। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा। आप अपने वैवाहिक जीवन की सारी ख़राब यादें भूल जाएंगे और आज का भरपूर लुत्फ़ लेंगे। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

तुला - र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज आप अपने प्रिय से अपने जज़्बात का इज़हार करने में मुश्किल महसूस करेंगे। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृश्चिक - तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। किसी ऐसे के साथ परस्पर संवाद की कमी जिसका आपको बहुत ख़याल है, आपको तनाव दे सकती है। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। अपने जी-वनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। बिना किसी का साथ पाये भी आजके दिन का आप भरपूर आनंद उठा पाएंगे।

धनु - ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। शाम को दोस्तों के साथ घूमें-फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत ज़रूरी है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियों में जाएगा। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

मकर - भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपको समझना चाहिए कि यह केवल समय की बर्बादी है और इससे कुछ हासिल नहीं होता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। रोमांस के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन नहीं है,समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। मुमकिन है कि आपका जीवनस-ाथी आज आपके लिए पर्याप्त समय न निकाल पाए। आज का दिन किसी भी धार्मिक स्थल के लिए समर्पित करना अपनी मानसिक शांति बनाए रखने का सर्वश्रेष्ठ साधन हो सकता है।

कुम्भ - गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके तनाव और परेशानी की एक बड़ी वजह बचपन की मासूमियत को जीने की चाह है, इसलिए खुलकर जिएँ। जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। घर के माहौल की वजह से आप उदास हो सकते हैं। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफा ला सकते हैं।

मीन - दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

एक आध्यात्मिक व्यक्ति आशीर्वाद की वर्षा करेगा और मन की शांति लेकर आएगा। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। जीवन में सरलता तभी रहती है जब आपका व्यवहार सरल रहता है। आपको भी अपने व्यवहार में सरलता लाने की जरुरत है।

आज का पंचांग

दिनांक : 03 अप्रैल 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा प्रातः 08:45 तक
नक्षत्र : चित्रा रात्रि 07:25 तक
योग : व्याघात दोपहर 02:07 तक
करण : कौलव प्रातः 08:45 तक
चन्द्रराशि : कन्या प्रातः 06:29 तक
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:20 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : वैशाख स्नान आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिंदी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

'लाल आतंकवाद' से मुक्ति!

भारत लगभग नक्सल-मुक्त हो गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में यह दावानुमा घोषणा की। नक्सल-मुक्त स्थिति के लिए 31 मार्च, 2026 आखिरी तारीख तय की गई थी, लेकिन संसद में नक्सलवाद पर बहस हुई, जिसके जवाब में गृहमंत्री ने घोषणा की और नक्सलवाद के विस्तार की स्थितियों और कारकों का भी खुलासा किया। गृहमंत्री ने उल्लास और उत्साह में यह भी घोषणा की कि देश में 'लाल कॉरिडोर' का खात्मा कर दिया गया है। जो 2-4 नक्सली नेता फरार हैं, वे या तो आत्मसमर्पण कर देंगे अथवा उन्हें ढेर कर दिया जाएगा। विपक्ष इन्हें भी अन्यायपूर्ण हत्याएं करार दे रहा है। आश्चर्य है... ! बहरहाल अब 'नक्सलवाद' शब्द इतिहास में दर्ज होकर रह जाएगा। देश से 'वामपंथी, माओवादी आतंकवाद' के खात्मे में करीब 59 लंबे साल लग गए। सरकार ने 706 माह का वक्त माना है। जो आंदोलन वामपंथी नेता चारु मजूमदार और कानू सान्याल के नेतृत्व में 1967 में पश्चिम बंगाल से शुरू किया गया था, वह वैचारिक कम और हथियारबंद, हिंसक अधिक था। बेशक आंदोलन को किसान, मजदूर, भूमिहीन, आदिवासी की लड़ाई का आवरण दिया गया। आर्थिक असमानता, शोषण, अन्याय, पूंजीवाद, भूमि का असमान वितरण या भूमिहीनता, सर्वहारा, बुर्जुआ आदि शब्दों को नारों के तौर पर इस्तेमाल किया गया, लेकिन 2026 तक भी वे नारे खोखले, आडंबर साबित हुए, क्योंकि असमान स्थितियां आज भी देश में हैं। नक्सली देश की संसदीय व्यवस्था के खिलाफ थे और देश में 'सशस्त्र क्रांति' लाने के पक्षधर थे। जो आंदोलन या उग्रवाद देश के करीब 150 जिलों तक फैला था और जिसे 'रेड कॉरिडोर' नामकरण दिया गया था, वाकई वे इलाके रक्त-रंजित थे। नक्सलियों ने समानता और न्याय की अपनी सोच गढ़ते हुए 7532 मासूम, बेगुनाह लोगों को मारा। करीब 5000 सुरक्षा-जांबाजों को 'शहीद' किया। देश के करीब 17 फीसदी हिस्से पर जिनका 'रेड कॉरिडोर' था, देश की 12 करोड़ से अधिक आबादी 'लाल उग्रवाद' से प्रभावित और दमित थी, वह कैसा सामाजिक आंदोलन था? जिन्होंने करीब 20,000 युवाओं की हत्या की। क्यों की... ? करीब 92 फीसदी अत्याधुनिक हथियार पुलिस और सुरक्षा बलों से छीन लिए, यह समानता और गरीबी-उन्मूलन का कैसा आंदोलन था? 'लाल आतंकवाद' के खिलाफ लड़ाई और उसे खत्म करने की मुहिम पर सरकार को 2000 करोड़ रुपए सालाना खर्च करने पड़ रहे थे। देश को नक्सल-मुक्त करने के अभियानों, संघर्षों, मुठभेड़ों के दौरान 706 नक्सली मार दिए गए, 2208 को गिरफ्तार कर जेलों में भेज दिया गया और 4839 ने आत्मसमर्पण किया। ये तमाम खुलासे गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में किए हैं और सुरक्षा बलों, पुलिस के जवानों को 'सैल्यूट' किया है। मुक्ति-अभियान के बावजूद एक तबका ऐसा है, जिसने जेएनयू में जश्न मनाया था, जब नक्सलियों ने हमला कर सीआरपीएफ के 76 जवानों को एक साथ 'शहीद' किया था। यही तबका 'अरबन नक्सल' है, जिसमें बौद्धिक, डॉक्टर, पत्रकार, सांसद, सम्मानित लेखक आदि शामिल हैं। वे आज भी नक्सलियों के पैरोकार हैं और उनके पक्ष में आलेख लिखते रहे हैं। एक हिंसक आंदोलन की पैरोकारी भी 'अपराध' है। नक्सलवाद की स्थापना और सक्रियता के बाद, एक ही साल में, 3620 हिंसक घटनाएं की गई थीं। 2002 में 'राजधानी एक्सप्रेस' रेलगाड़ी पर हमला बोल कर 130 बेगुनाह यात्रियों को मार दिया गया था। बहरहाल, बेशक 'लाल आतंकवाद' का लगभग खात्मा हो जाए, लेकिन आपराधिक, हत्यारी मानसिकता के अवशेष जिंदा रहते हैं। उन्हें भी कुचलना चाहिए।

नक्सल-मुक्त स्थिति के लिए 31 मार्च, 2026 आखिरी तारीख तय की गई थी, लेकिन संसद में नक्सलवाद पर बहस हुई, जिसके जवाब में गृहमंत्री ने घोषणा की और नक्सलवाद के विस्तार की स्थितियों और कारकों का भी खुलासा किया। गृहमंत्री ने उल्लास और उत्साह में यह भी घोषणा की कि देश में 'लाल कॉरिडोर' का खात्मा कर दिया गया है। जो 2-4 नक्सली नेता फरार हैं, वे या तो आत्मसमर्पण कर देंगे अथवा उन्हें ढेर कर दिया जाएगा। विपक्ष इन्हें भी अन्यायपूर्ण हत्याएं करार दे रहा है। आश्चर्य है... ! बहरहाल अब 'नक्सलवाद' शब्द इतिहास में दर्ज होकर रह जाएगा। देश से 'वामपंथी, माओवादी आतंकवाद' के खात्मे में करीब 59 लंबे साल लग गए। सरकार ने 706 माह का वक्त माना है। जो आंदोलन वामपंथी नेता चारु मजूमदार और कानू सान्याल के नेतृत्व में 1967 में पश्चिम बंगाल से शुरू किया गया था, वह वैचारिक कम और हथियारबंद, हिंसक अधिक था। बेशक आंदोलन को किसान, मजदूर, भूमिहीन, आदिवासी की लड़ाई का आवरण दिया गया। आर्थिक असमानता, शोषण, अन्याय, पूंजीवाद, भूमि का असमान वितरण या भूमिहीनता, सर्वहारा, बुर्जुआ आदि शब्दों को नारों के तौर पर इस्तेमाल किया गया, लेकिन 2026 तक भी वे नारे खोखले, आडंबर साबित हुए, क्योंकि असमान स्थितियां आज भी देश में हैं।

माओवादी संगठन विकास कार्यों में बाधा डालते रहे

माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है।

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेज़ी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं 'फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों' की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की।

नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया।

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है।

निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। 'सुरक्षा और विकास' के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है।

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है।

आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असाध्य नहीं है। निश्चिततौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र, विकास और सुशासन की जीत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत अपने आंतरिक संघर्षों को शांतिपूर्ण और निर्णायक ढंग से सुलझाने में सक्षम है। अब समय है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए और देश के हर कोने में शांति, समृद्धि और संतुलन का वातावरण स्थापित किया जाए। जब हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करेगा, तभी सच्चे अर्थों में एक आदर्श शासन व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा।

देश दुनिया से

भौतिक-प्राकृतिक अस्थिरता में शांति का उपाय

किस किस पर ध्यान दूं? मेरे एवं देश-दुनिया के अधिसंख्य सज्जनों के प्राकृतिक स्वास्थ्य को खराब करते विषैले, कृत्रिम व रसायनमिश्रित खाद्यान्न पर अथवा इसके उत्पादन से लेकर वितरण तक में लगे शासकीय तथा अशासकीय तंत्र पर? प्रकृति को ध्वस्ताधूत कर चुके विज्ञान, आधुनिकता एवं प्रगति की विभीषिकाओं पर? संसार का त्याग कर संन्यास मार्ग पर प्रशस्त होने को आतुर सज्जन के लिए अनुपलब्ध प्राकृतिक परिवेश पर? विद्यमान अति विकृत आसमान, धरती, वायु, जल तथा अग्नि पर? इतना कुछ अस्थिर, अव्यवस्थित व ध्वस्त होने के बाद परास्त पड़े समाज पर? विनाश के कगार पर पहुंचे परिवारों पर? सादगी से जीने को लालायित प्राकृतिक-आधुनिक बर्बादी के पाटों के बीच फंसे सज्जनों पर? रचनात्मक कार्यों को करते जाने की गहन पिपासा होने के बाद भी देशी-विदेशी तंत्र द्वारा आरोपित अर्थव्यवस्था में अपनी जेब, नौकरी, रोजगार व जीविका बचाने पर? अपनी रचनात्मकता के बीमार होने तथा उसके धीरे-धीरे मृत्यु की ओर बढने पर? ना चाहते हुए भी स्वयं को आधुनिकता के विषैले-कसैले दलदल में फंसते जाते हुए देखने की विवशताओं पर? धर्म पर? आस्था पर? आस्तिकता पर? नास्तिकता पर? ईश्वर पर? शैतान पर? आखिर मैं अपना ध्यान कहां व किस पर लगाऊं कि मुझे खुशी के साथ जीने का एहसास हो ! संभवतः कुछ भी नहीं बचा है, जो दृढ़ संवेदनशील मनुष्य को आनंद के साथ जीते रहने के लिए प्रेरित, आत्मप्रेरित करे। कोई कितना ही सकारात्मक, संवेदनशील, आस्तिक या सहनशील हो, लेकिन जब वह अपने चारों ओर फैले आसमान, धरती, समुद्र, पर्वतों-पठारों, वन-वनस्पतियों, हवा, पानी, सूर्य-चंद्रमा, तारकों, अन्य सजीव-निर्जीव प्राकृतिक तत्त्वों, शासन, शासकों, व्यवस्थाओं, समाज, परिवार, अधिसंख्य मनुष्यों को दुर्गुणों के कठोर जहर में डूबा हुआ देखता है, तो फिर उसके जीने का क्या आसरा होगा! शायद कुछ भी नहीं। इसीलिए पढ़ा, सुना व देखा गया कि कई लोग जो शासकीय, सामाजिक व पारिवारिक दायित्वों के साथ जी रहे थे, अकस्मात आत्महत्या कर लेते हैं। खत्म होने के बहाने के रूप में भले ही उन्होंने आत्महत्या की हो, किंतु देश-दुनिया के पागलपन में जीते हुए भी वे मरे के समान ही हो चुके होंगे। अतः उन्होंने आत्महत्या कर ली हो अथवा आत्महत्या करने से पहले वे जीते जी बुरी तरह मर रहे हों, दोनों स्थितियों में कोई विशेष अंतर तो नहीं है। तो उनकी आत्महत्या के लिए उन्हें दोषी बताएं अथवा जीते जी उन्हें मौत से भी अधिक कठोर ढंग से मारते रहे देश-दुनिया के विज्ञान, शासन, समाज व परिवार तंत्र को दोष दें। और उन्हें दोषी ठहराने अथवा न ठहराने के लिए मनुष्य है ही कहां धरती पर अब। सब तो मशीनी रोबोट बने हुए हैं। ऐसे रोबोटों पर किसी के जीने, मौत के कष्टों के साथ जीने अथवा अपने आप मरने या आत्महत्या करने के बाद मरने से क्या फर्क पड़ता है। दुनिया सदैव से ऐसे ही रही होगी। इसका अंदाजा लगाना अब कठिन नहीं है। संभवतः दुनिया में ज्यादातर मनुष्य हमेशा से ही दुष्ट रहे होंगे। उन्हीं की अनावश्यक महत्त्वाकांक्षाओं की प्रतिक्रिया में दुनिया को प्राकृतिक, शासकीय, सामाजिक तथा वैज्ञानिक अभिशापों का दंश झेलना पड़ा है। वर्तमान में तो यह दंश विषदंश बना हुआ है। कभी यह प्रकृति की कठोरतम विकृतियों के स्वरूप में सम्मुख है तो कभी देशों के मध्य भयंकर युद्धों के रूप में। इस बार वर्ष 2026 की बसंत ऋतु, भारतीय हिंदू नववर्ष, नवरात्रियां, रामनवमी, सभी उत्सव मौसम की अद्वितीय उठापटक के अधीन रहे। पहली व दूसरी नवरात्रियां तेज वर्षा, अंधड़-तूफान व तुषारापात की चपेट में थीं। तीसरी-चौथी नवरात्रियों के समय लघु अवधि तक जलवायु संतुलित थी। फिर रामनवमी तक और उसके बाद भी मौसम रूठे हुए शैतान बच्चे की तरह हरकतें करता रहा। कलियुग के एक बड़े लक्षण के बारे में पढ़ा था कहीं, कि इस युग में अनावश्यक तेज हवाएं चलेंगी। पिछले कई वर्षों से ऐसे हो भी रहा है। इस बार भी, वर्ष की सर्वाधिक अनुकूल, सुंदर तथा शांत-संतुलित रहने वाली बसंत ऋतु में चारों दिशाओं से न केवल तेज हवाएं चलीं, तूफान-अंधड़ आए, बारिश-बर्फबारी हुई अपितु ठंड-गर्म की मार भी पड़ी। यदि मनुष्य बसंत ऋतु में भी प्रकृति के इस विकृत तांडव पर ध्यान नहीं लगा पा रहा है और आधुनिकता की अंधी-लूली-लंगड़ी-कोढ़ी-रोगी दौड़ के साथ ही मशीनी लगाव रख रहा है, तो ऐसे अधिकतर मनुष्यों से भरी ये दुनिया चाहे युद्धों के विस्फोट में खत्म हो अथवा प्रकृति के प्रलय में बहे, क्या फर्क पड़ता है। दोनों ही तरह से अखिल धरती के विनाश की भूमिका तैयार है। बस केवल समय की बात है। जिस समय पूरी बर्बादी होगी और उसे देखने, भोगने, सुनने, जानने, लिखने के लिए कोई भी इनसान नहीं होगा, वह समय निरंतर समीप आ रहा है। भारत के संदर्भ में एक सामाजिक सिद्धांत आत्मनिर्भर होने के लिए सदैव ही उद्घोषित होता रहा है। वह है स्वराज का सिद्धांत। आज पश्चिमी एशिया में युद्ध की परिस्थितियों में स्वराज की धारणा एक प्रश्न उठाती है कि ईंधन, विद्युत तथा ऊर्जा के लिए आत्मनिर्भर होकर प्रगति करने की अपेक्षा, देश ने ऐसे मुसलिम देशों के तेल-गैस के स्रोतों पर अपनी प्रगति व आधुनिकता की व्यवस्था क्यों टिकाई, जो आतंकवाद सहित, येन-केन-प्रकारेण अनेक कारणों से हिंसा, आतंक व लड़ाई को सदियों से एक व्यर्थ जरूरत बनाए हुए हैं। भारत सहित दुनिया के किसी भी देश के लिए, केवल इस आवश्यकता आधारित सत्य को आत्मसात करते हुए, कि ईरान का समुद्री क्षेत्र तेल व गैस की आपूर्ति का अग्रणी क्षेत्र है, युद्ध में उलझे हुए ईरान को केवल पीड़ित समझना ही न्यायोचित नहीं हो सकता। हां, ये अवश्य ही दुःखद है कि इजरायल-अमेरिका के हमलों में वहां अनेक निर्दोष लोग असमय मारे गए हैं, किंतु दूसरी ओर एक अन्य कटु व तीक्ष्ण सत्य भी खड़ा है कि ईरान ने उन आतंकवादियों का वर्षों से पालन-पोषण व संरक्षण क्यों किया है, जो फिलीस्तीन के माध्यम से इजरायल के निर्दोष लोगों व बच्चों की लोमहर्षक हत्या के दोषी हैं। इस विषय के अतिरिक्त मन के अंदर, घर के अंदर, परिवार-समाज में, देश-दुनिया में अनेक विषय हैं, जो सुख का पर्याय बनने की तुलना में दुःख व पीड़ा का ही कारण बनते रहे हैं और निरंतर बन रहे हैं। उन पर ध्यान लगाऊं? अथवा अपनी मरणासन्न इच्छाशक्ति, स्मृतिशक्ति, मानवीयशक्तियों की धीरे-धीरे हो रही मृत्यु पर केंद्रित रहूं? एक एकल व्यक्ति के लिए तो प्रथम आवश्यकता, बल्कि अनिवार्य आवश्यकता अपनी काया, मन व आत्मा को स्वस्थ बनाने की होनी चाहिए। यदि उसकी एकमात्र काया, मन व आत्मा स्वस्थ नहीं होंगे तो फिर परिवार, गली-मोहल्ले, समाज, राज्य, देश व दुनिया में कुछ भी होता रहे, उस पर चिंतन-मनन करते हुए कोई विचार करने की शक्ति ही उसमें नहीं रहेगी। अतः निष्कर्ष ये है कि सज्जनता, संवेदनशीलता, प्राकृतिक कर्मनिष्ठा में विश्वास करने वाले हरेक व्यक्ति को निजी काया, मन व आत्मा के स्वास्थ्य का विकास करना चाहिए। इसी पर उसे अपना ध्यान लगाना चाहिए।

कुछ अलग

भक्त, उतने ही भक्ति के रूप

मानस में भक्त के चार प्रकार बताए गए हैं- ज्ञानी, जिज्ञासु, अर्थार्थी एवं आर्त। चार प्रकार के भक्तों की बात कह देना बहुत सरल है। भक्ति में वास्तविकता-अवास्तविकता का प्रश्न पहले नहीं उठाया जाता। जब तैरना सीख जाएंगे, तभी नदी में उतरेंगे, ऐसा नहीं कहा जा सकता।इसका तो श्रीगणेश ही व्यक्ति की अपनी मान्यता से होता है। संसार सत्य है या असत्य? विषय को चाहना उचित है या अनुचित? प्रारंभिक स्थिति में इन विवादों की कोई आवश्यकता नहीं। यहां तो सीधा आमंत्रण है। तुम संकट से त्राण पाना चाहते हो! ये सब प्रभु से ही संभव है। ब्रह्म-सुख पाना चाहते हो, तो आओ, प्रारंभ कर दो प्रभु के चरणों में भक्ति। अर्थ और अभिलाषाओं की पूर्ति चाहते हो! रहस्य जानना चाहते हो! सब सर्वदा प्रभु द्वारा साध्य होगा।भय और लोभ की सहज वृत्ति से भक्ति का श्रीगणेश होता है। भगवान की जिज्ञासा भक्ति का मध्यभाग है। भगवान का सुख पाना, उसमें एक हो जाना, भक्ति की चरम परिणति है। भय से संत्रस्त आर्त हैं। लोभ से प्रेरित अर्थार्थी हैं। जानने की इच्छा वाला जिज्ञासु है। जान पाने वाला ज्ञानी है। मानस में-'ग्यानी प्रभुहि बिसेषि पिआरा' कहकर गोस्वामीजी ने पुष्ट कर दिया है। मानस में भक्तों की ओर देखें, तो साधारण से लेकर असाधारण चरित्र वाले अनेक पात्र हमारे सामने आते हैं। दशरथ, गीध, वाल्मीकि, शबरी, कोल, भील, वानर, निशाचर आदि सब वहां (भक्ति में) एक पंक्ति में खड़े हुए दिखाई देंगे। ऐसी उदारता, जो कि अन्यत्र असंभव है। पात्रों में स्वभाव, आचार, विचार, आकांक्षा आदि किसी में भी साम्य नहीं है। बस, एकता का एक केंद्र है-'राम से संबंध।'

आप का नज़रिया

हरी दूब पर रेगिस्तान

प्रदेश की आर्थिक पढ़ाई में अब दस्तूर बदला है, यकीन के पैमानों में सारा कबूल बदला है। पूरा बजट सत्र यह तो साबित करता है कि गलतियां अब ज्यादा देर बर्दाश्त नहीं होंगी और यह भी कि सरकारों का काम अर्थ नीतियों की प्रभावशाली नुमाइश भी है। सुशासन के लिए अभी सफर बाकी है, क्योंकि हरी दूब पर उधार का रेगिस्तान बढ़ रहा है। जो चिंता सत्ता पक्ष की ओर से है, कमोबेश वही भाव विपक्ष के इतिहास में है, फर्क यह कि सियासत सिर्फ लकीरों का पीछा करती है। इसी दौरान अगर हौए खड़े हुए, तो राहत की दरगाहों पर खड़े होने का प्रयास भी दर्ज है। सरकार अगर संसाधन बढ़ाने के लिए एंट्री टैक्स में कुछ वृद्धि के नुक्ते जोड़ देती है, तो यह हिमाचल-पंजाब हो जाता है। हिमाचल को हिमाचल-पंजाब सीमा पर खड़े होकर अपने हितों का समाधान शायद ही मिलेगा, क्योंकि अतीत की व्यवस्था ने अपने हक की दलील कमजोर कर दी है। वर्तमान सरकार में असफलता ढूंढने के सियासी कारण भाजपा का विशेषाधिकार व उसका चमत्कार हो सकता है, लेकिन यहां हर बार चंचलो जब भी आर्थिक कपड़े धोएगी, कुंजु की याद सताएगी। यह कुंजु कौन है। यह कुंजु विशाल हिमाचल के पक्ष में पंजाब के पर्वतीय इलाकों को गले लगाता, पंजाब पुनर्गठन के अधिकारों को तरसता और आत्मनिर्भर राज्य के राग अलापता बूढ़ा हो गया है। जो पंछी इस समय सुक्खू सरकार के पेड़ों पर बैठे हैं, वे सभी इसी तरह हर दौर के खेत चुगते रहे हैं। इन्हें बस दाने चाहिएं, इसलिए कैग की रिपोर्ट हर बार की तरह, इस बार भी चिंता की लकीरों को गहरा और लंबा खींच रही है। हालत यह है कि पिछले वित्तीय वर्ष के बारह महीनों से गुजरने के लिए सरकार को तेरह बार उधार की किश्तें उठानी पड़ गईं। असल में धन चाहे उधार का हो या खैरात का, उसे व्यय करने का अनुशासन सर्वोपरि है। कमोबेश आज तक की सरकारों ने धन की मद में अवांछित खर्च चुना। उद्देश्यों के बजाय, लोकप्रियता के आधार पर व्यय करते हुए राजनीतिक गोटियां फिट कीं, नतीजतन रिसते घावों में मवाद फैल गया। कैग की रिपोर्ट ने आपदा राहत कोष के इस्तेमाल को छड़ी दिखाई है, तो गौर करना होगा कि हमारे सारे चुंबक दोषी हैं। सन 2019-20 में एसडीआरएफ के 258.30 करोड़ का दुरुपयोग हमसे 61.07 करोड़ छीन कर ले जाता है। 2020-22 के मंजूरशुदा एनडीआरएफ की कुल राशि 254.73 करोड़ आती ही नहीं, क्योंकि यहां खर्च का ब्यौरा अंगभीर रहा। कैग सरकार की कमाई में छेद देखता है। उसे दिखाई दिया कि सेस लगा कर बटोरे गए 209 करोड़ की आमदनी को पारदर्शिता के सीधे दरवाजे से इस्तेमाल करने का तरीका ही ईजाद नहीं किया। कैग पिछले पांच साल के अवैध खनन के चालीस हजार मामलों की मिट्टी खोद कर बताता है कि हमारा राजपाठ, व्यवस्था तंत्र और सामाजिक चेतना कितनी छितराई हुई है। हम जिस हिमाचल को शेखियों, सत्ता-विपक्ष की अठखेलियों और नागरिकों की पहेलियों को खोलने की कोशिश करते हैं, वह कहीं अपने ढर्रे का शहंशाह बना उधार की किश्तों में फंस चुका है। करीब 70-75 लाख की आबादी का यह प्रदेश एक लाख करोड़ से भी ऊपर के ऋण में कितनी सांस ले पाएगा, यह सोचना होगा। ऐसे में वार्षिक बजट में कितने हीरे-कितने कांटे नसीब में होंगे, यह कैग की रिपोर्ट का आशय है। बेशक बजट प्रस्तुति ने पिछले साल के मुकाबले जितने बाजू पीछे हटाए थे, वे वापस उसी जमीं पर कितना हल जोतेंगे, यह अंदाजा लगाते-लगाते हम अगले विधानसभा चुनाव के करीब पहुंच जाएंगे। पारित होने से पहले बजट में जमा हुए 3902.67 करोड़ की धनराशि के लिए खुशामद की जिरह मापी जाएगी, क्योंकि केंद्र ने 'प्राइड ऑफ हिल्स स्पैशल असिस्टेंस टू स्टेट्स कैपिटल इन्वेस्टमेंट के तहत 3920 करोड़ मुहैया कराए हैं। नौ पर्वतीय राज्यों के लिए 25000 करोड़ के फंड के तहत मिली धनराशि का कोड व विकासात्मक उद्देश्य तय है, इसलिए इसके व्यय से पर्वतीय क्षेत्रों की अहमियत का कुछ रिसाव रुकेगा। बावजूद इसके यह पहाड़ी राज्यों की भागीदारी व उनके जल, जंगल, पर्यावरण व जलवायु संतुलन के प्रति बरते गए आर्थिक संयम की प्रतिपूर्ति नहीं हैं।

सुशासन के लिए अभी सफर बाकी है, क्योंकि हरी दूब पर उधार का रेगिस्तान बढ़ रहा है। जो चिंता सत्ता पक्ष की ओर से है, कमोबेश वही भाव विपक्ष के इतिहास में है, फर्क यह कि सियासत सिर्फ लकीरों का पीछा करती है। इसी दौरान अगर हौए खड़े हुए, तो राहत की दरगाहों पर खड़े होने का प्रयास भी दर्ज है। सरकार अगर संसाधन बढ़ाने के लिए एंट्री टैक्स में कुछ वृद्धि के नुक्ते जोड़ देती है, तो यह हिमाचल-पंजाब हो जाता है। हिमाचल को हिमाचल-पंजाब सीमा पर खड़े होकर अपने हितों का समाधान शायद ही मिलेगा, क्योंकि अतीत की व्यवस्था ने अपने हक की दलील कमजोर कर दी है। वर्तमान सरकार में असफलता ढूंढने के सियासी कारण भाजपा का विशेषाधिकार व उसका चमत्कार हो सकता है, लेकिन यहां हर बार चंचलो जब भी आर्थिक कपड़े धोएगी, कुंजु की याद सताएगी। यह कुंजु कौन है। यह कुंजु विशाल हिमाचल के पक्ष में पंजाब के पर्वतीय इलाकों को गले लगाता, पंजाब पुनर्गठन के अधिकारों को तरसता और आत्मनिर्भर राज्य के राग अलापता बूढ़ा हो गया है। जो पंछी इस समय सुक्खू सरकार के पेड़ों पर बैठे हैं, वे सभी इसी तरह हर दौर के खेत चुगते रहे हैं। इन्हें बस दाने चाहिएं, इसलिए कैग की रिपोर्ट हर बार की तरह, इस बार भी चिंता की लकीरों को गहरा और लंबा खींच रही है।

दृष्टि कोण

फोर्टिफाइड चावल से जुड़े स्वास्थ्य के जोखिम

सरकार को अपने उस आदेश को वापस लेना पड़ा, जिसके तहत विभिन्न सार्वजनिक वितरण तंत्र के माध्यम से 'फोर्टिफाइड' चावल के वितरण को अनिवार्य किया गया था। दरअसल, इस बात के कोई प्रमाण नहीं थे कि इस तरह तैयार चावल रक्त-अल्पता यानी एनीमिया से लड़ने में कारगर है। वहीं आईआईटी खड़गपुर की एक रिपोर्ट में इनके भंडारण को मानव स्वास्थ्य के लिए घातक बताया गया था। भारत में केंद्रीय पूल में चावल का कुल भंडार लगभग 679.32 लाख टन तक पहुंच गया है, जो निर्धारित बफर मानदंड, लगभग 76.1 लाख टन से 9 गुना अधिक है। इसके बावजूद सार्वजनिक वितरण प्रणाली में 'फोर्टिफाइड' यानी संवर्धित चावल के वितरण को अनिवार्य कर दिया जाना कई सवाल खड़े कर रहा था। देश की सभी सार्वजनिक वितरण दुकानों और आंगनवाड़ी आदि में कोई 350 लाख मीट्रिक टन फोर्टिफाइड चावल के वितरण की व्यवस्था की गई थी। कहा तो यह गया कि चावल के दानों में कृत्रिम रूप से लौह तत्व और विटामिन मिलाकर देश की एक बड़ी आबादी को 'छिपी हुई भूख' से मुक्त किया जा सकता है। किंतु, इस महत्वाकांक्षी योजना के पीछे छिपे स्वास्थ्य जोखिम और निर्माण प्रक्रिया की अनिश्चितता अब गंभीर विमर्श का विषय बन गई है। पायलट प्रोजेक्ट की आड़ में सारे देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में यह चावल डालने से बड़ी आबादी पर संकट के बादल भी मंडरा रहे हैं। सबसे पहले टूटे हुए चावलों को पीसकर आटा बनाया जाता है। इस आटे में आयरन (लोहा), फोलिक एसिड और विटामिन बी12 का एक निर्धारित मिश्रण मिलाया जाता है। इसमें जिंक, विटामिन ए, बी1, बी2, बी3 और बी6 भी मिलाए जाते हैं। मिश्रण में पानी मिलाकर इसे एक 'एक्सट्रूडर' मशीन में डालते हैं, जो इसे ठीक चावल के दाने जैसा आकार देती है। इन्हें फोर्टिफाइड राइस कर्नेल कहा जाता है। इन कृत्रिम दानों को सामान्य चावल के साथ 1:100 के अनुपात में मिलाया जाता है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान

संस्थान के विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे चावल सभी के लिए एक समान लाभकारी नहीं हैं। खासकर थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया जैसे आनुवंशिक रोगों से पीड़ितों के लिए। ऐसे मरीजों के शरीर में पहले ही आयरन अधिक होता है और आयरन युक्त चावल खाने से उनके अंग खराब होने का खतरा बढ़ सकता है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, इन रोगों से पीड़ित व्यक्तियों के शरीर में आयरन का संचय प्राकृतिक रूप से अधिक होता है। उन्हें बार-बार रक्त चढ़ाना पड़ता है, जिससे उनके शरीर के अंगों पर पहले से ही अतिरिक्त लोहे का दबाव रहता है। यदि ऐसे मरीजों को नियमित लौह-संवर्धित चावल खिलाया जाता है, तो उनके शरीर में 'आयरन ओवरलोड' की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। यह अतिरिक्त लोहा उनके लीवर, हृदय और गुर्दों को धीरे-धीरे नष्ट कर सकता है। विडंबना यह कि जिन क्षेत्रों में इन बीमारियों का प्रकोप सबसे अधिक है, वहीं सरकारी राशन भोजन का एकमात्र साधन है। पैकेटों पर लिखी बारीक चेतावनी ग्रामीण व निरक्षर आबादी तक पहुंचने में विफल रही, जिससे अनजाने में एक बड़ा वर्ग स्वास्थ्य संकट की ओर धकेला जा रहा है। शोध बताते हैं कि जब हम सिंथेटिक आयरन यानी कृत्रिम लोहे का अधिक सेवन करते हैं, तो वह पूरे अवशोषित नहीं हो पाता। बचा हुआ लोहा आंतों में ई-कोलाई, आदि हानिकर बैक्टीरिया की वृद्धि में सहायक होता है, जिससे लाभकारी बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। इससे दीर्घकाल में पाचन के गंभीर विकार पैदा हो सकते हैं। शरीर में लोहे की अधिकता 'फ्री रेडिकल्स' पैदा करती है, जिससे कोशिकाओं में 'ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस' बढ़ता है। यह स्थिति समयपूर्व बुढ़ापे, मधुमेह और हृदय रोगों के खतरे बढ़ा सकती है। संवर्धित चावल के निर्माण की तकनीक, जिसे 'एक्सट्रूज़न' कहा जाता है, सैद्धांतिक रूप से तो सटीक लगती है, लेकिन इसके क्रियान्वयन में भारी खामियां हैं। अनेक चावल मिलों में पोषक तत्वों के मिश्रण (प्रीमिक्स) की मात्रा का सही संतुलन नहीं रखा जा रहा है। इसके अतिरिक्त, निर्माण में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल और रसायनों की शुद्धता पर भी कोई कड़ा नियंत्रण नहीं है। यही कारण है कि पकाते समय इस चावल का स्वाद और गंध बदल जाती है, जिससे आम जनता के मन में इसके 'प्लास्टिक चावल' होने का भ्रम पैदा होता है।

बोर्ड ने तुषारा को एनओसी देने से इनकार करते हुए कहा कि वह तय फिटनेस मानकों पर खरे नहीं उतरे।

आरसीबी पेसर नुवान तुषारा कोर्ट पहुंचे: आईपीएल खेलने पर श्रीलंका बोर्ड ने मना किया था

कोलंबो, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज नुवान तुषारा ने कोर्ट में याचिका दायर की है। उन्होंने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड पर नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) नहीं देने का आरोप लगाते हुए खेलने की अनुमति मांगी है।

एनओसी जारी करने की मांग

श्रीलंका के तेज गेंदबाज नुवान तुषारा ने कोलंबो जिला अदालत में याचिका दाखिल की है। उन्होंने श्रीलंका क्रिकेट से आईपीएल 2026 में खेलने के लिए एनओसी जारी करने की मांग की है। इस मामले की शुरूआती सुनवाई हो चुकी है और अगली तारीख 9 अप्रैल तय की गई है।

फिटनेस में खरे नहीं उतरे- बोर्ड

बोर्ड ने तुषारा को एनओसी देने से इनकार करते हुए कहा कि वह तय फिटनेस मानकों पर खरे नहीं उतरे। हालांकि तुषारा का कहना है कि वे पहले 2024 और 2025 सीजन में इसी फिटनेस के साथ खेल चुके हैं और तब उन्हें एनओसी मिल चुका था।

कॉन्ट्रैक्ट खत्म, इंटरनेशनल क्रिकेट से दूरी

तुषारा ने कोर्ट में बताया कि उनका बोर्ड के साथ कॉन्ट्रैक्ट 31 मार्च 2026 को खत्म हो गया है। उन्होंने पहले ही इसे आगे नहीं बढ़ाने और इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर रहने की जानकारी दे दी थी। उनका कहना है कि जब उन्हें राष्ट्रीय टीम में नहीं चुना जाना था, तब फिटनेस के आधार पर एनओसी रोकना गलत है।

करियर और कमाई पर असर पड़ेगा

तुषारा ने कहा कि अगर उन्हें एनओसी नहीं मिली तो आईपीएल टीम उन्हें बदल सकती है। इससे उनके करियर और कमाई दोनों पर असर पड़ेगा। उन्होंने कोर्ट से अंतरिम और स्थायी आदेश की मांग की है ताकि उन्हें आईपीएल समेत विदेशी लीग में खेलने की अनुमति मिल सके।

सौरव गांगुली की बायोपिक: 'दादा' का रोल निभा रहे राजकुमार राव ने इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर कर दी जानकारी

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। एक्टर राजकुमार राव ने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली की बायोपिक की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका टाइटल 'दादा' रखा गया है। इसकी जानकारी देते हुए बुधवार को राजकुमार ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ''और यह शुरू होता है... एकमात्र दादा।''

बता दें कि बायोपिक को लव रंजन प्रोड्यूस और विक्रमादित्य मोटवाने डायरेक्ट कर रहे हैं। इससे पहले सौरव गांगुली ने बताया था कि फिल्म में उनका रोल राजकुमार राव निभाएंगे, हालांकि डेट्स की समस्या के कारण फिल्म को रिलीज होने में एक साल से अधिक समय लग

सकता है। राजकुमार राव जल्द ही एक और बायोपिक 'निकम' में नजर आएंगे, जो वकील उज्ज्वल निकम की जिंदगी पर आधारित है। इसके अलावा वे 'रफ्तार' में दिखाई देंगे, जिसमें कीर्ति सुरेश भी हैं। यह फिल्म 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सौरव गांगुली ने भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे (ओडीआई) मैच खेले। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 18,575 रन बनाए, जिसमें वनडे में 11,363 और टेस्ट में 7,212 रन शामिल हैं। गांगुली वनडे क्रिकेट के इतिहास में 11,000 से अधिक रन बनाने वाले दुनिया के चुनिंदा बल्लेबाजों में से एक हैं। कप्तान के तौर पर उन्होंने भारत को 21 टेस्ट जीत दिलाई और 2003 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंचाया। गांगुली ने 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था।

इसके बाद गांगुली 2015-2019 तक क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) के अध्यक्ष भी रहे और 22 सितंबर 2025 से दोबारा इस पद पर हैं। गांगुली 23 अक्टूबर 2019 को बीसीसीआई के 39वें अध्यक्ष बने थे और 18 अक्टूबर 2022 तक इस पद पर रहे।

पहला कालम

न्यूजीलैंड का विमेंस वनडे में सबसे बड़ा रनचेज: केर ने 179 रन बनाए; साउथ अफ्रीका को 2 विकेट से हराया

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड ने विमेंस वनडे का सबसे बड़ा रनचेज कर लिया। टीम ने दूसरे वनडे में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 विकेट से जीत हासिल की। अमेलिया केर की नाबाद 179 रन की पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने 348 रन का लक्ष्य 49.4 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल किया और सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। वेलिंग्टन में बुधवार को न्यूजीलैंड ने भारत का रिकॉर्ड तोड़ दिया। विमेंस वर्ल्ड कप 2025 के सेमीफाइनल में इंडियन विमेंस ने ऑस्ट्रेलिया के

खिलाफ 5 विकेट खोकर 341 रन का टारगेट हासिल किया था। मिडिल ओवर्स में टीम का स्कोर 130/4 हो गया था और मैच साउथ अफ्रीका की पकड़ में दिख रहा था। तभी केर को इसाबेला गेज का साथ मिला, जिन्होंने 48 गेंद में 68 रन बनाकर मैच का रुख बदल दिया। दोनों के बीच 120 रन की तेज साझेदारी हुई, जिसने न्यूजीलैंड को मुकाबले में वापस ला दिया। अमेलिया केर ने 139 गेंद में नाबाद 179 रन बनाए, जिसमें 23 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। उन्होंने पहले पारी को संभाला और फिर तेजी से रन बनाते हुए टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। आखिर में केर ने ही चौका लगाकर मैच खत्म किया और टीम को यादगार जीत दिलाई। इससे पहले साउथ अफ्रीका ने 50 ओवर में 346/6 रन बनाए थे। लौरा वोलवार्ट और एनेके बोश ने दूसरे विकेट के लिए 132 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अंत में क्लो ट्रायन ने 25 गेंद में नाबाद 52 रन बनाकर स्कोर 347 तक पहुंचाया।

टी-20 बैटर्स रैंकिंग में भारत के 4 बल्लेबाज टॉप-10 में: ऑलराउंडर में हार्दिक टॉप-2

नई दिल्ली। आईसीसी टी-20 बैटर्स रैंकिंग में भारत के 4 बल्लेबाज टॉप-10 में हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 200 रन बनाने वाले साउथ अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइजन 64 स्थान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर्स रैंकिंग में हार्दिक पंड्या नंबर-2 पर बने हुए हैं। टी-20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में अभिषेक शर्मा 875 रेटिंग के साथ पहले नंबर पर हैं।

दूसरे नंबर पर भी भारत के ईशान किशन हैं। टॉप-10 में भारत के कुल 4 बल्लेबाज शामिल हैं। इसमें तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव भी जगह बनाने में सफल रहे हैं। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान तीसरे नंबर पर हैं, जबकि इंग्लैंड के फिल सॉल्ट चौथे स्थान पर हैं। ऑलराउंडर रैंकिंग में जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा 328 रेटिंग के साथ पहले नंबर पर हैं। भारत के हार्दिक पंड्या 299 रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के सैम अयूब तीसरे और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी चौथे नंबर पर हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में अफगानिस्तान के राशिद खान 753 रेटिंग के साथ पहले नंबर पर हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती दूसरे और पाकिस्तान के अबरार अहमद तीसरे स्थान पर हैं।टॉप-10 में भारत के जसप्रीत बुमराह भी शामिल हैं।

जडेजा ने अपनी पुरानी टीम सीएसके का लोगो चूमा: बोले- टीम से अलग होना आसान नहीं था

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स की जीत के बाद ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने अपनी पुरानी टीम चेन्नई के लोगो को चूमा। उनका यह इमोशनल जेस्चर वायरल हो गया। गुवाहाटी में खेले मुकाबले में राजस्थान ने चेन्नई को 8 विकेट से हराया। मैच के बाद जडेजा ने लेफ्ट आर्म पेसर खलील अहमद से मुलाकात की और उनकी जर्सी पर बने चेन्नई

के लोगो को चूमा। उन्होंने माना कि टीम से अलग होना आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि 12-13 साल एक ही फ्रेंचाइजी के साथ बिताने के बाद बदलाव भावुक करने वाला था, लेकिन इसे करियर का हिस्सा मानकर स्वीकार किया। जडेजा अब उसी टीम में लौटे हैं, जहां से उनका आईपीएल करियर शुरू हुआ था। 17 साल बाद राजस्थान में वापसी कर रहे जडेजा ने हल्के अंदाज में कहा कि अब गुलाबी रंग अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा कि वह पॉजिटिव सोच के साथ टीम में आए हैं, जहां सीखने के साथ अपना अनुभव भी साझा करना चाहते हैं। जडेजा ने मैच में दो अहम विकेट लिए। उन्होंने शिवम दुबे और सरफराज खान को आउट किया। शिवम दुबे को आउट करने के बाद उनका गन सेलिब्रेशन वायरल हुआ। राजस्थान ने चेन्नई को 127 रन पर रोककर 12.1 ओवर में 2 विकेट खोकर जीत हासिल की।

सनराइजर्स हैदराबाद ने केकेआर को हराकर खाता खोला

कोलकाता, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद का खाता खुल गया है। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स को लगातार दूसरे मैच में हार मिली। ईडेन गार्डन्स के मैदान पर सीजन के छठे मैच में हैदराबाद ने केकेआर को 65 रनों से हराया। पहले बैटिंग करते हुए सनराइजर्स की टीम ने 8 विकेट पर 226 रन बनाए। केकेआर की पारी 16 ओवर में 161 रनों पर सिमट गई। हैदराबाद को पहले मैच में आरसीबी और केकेआर को मुंबई इंडियंस से हार मिली थी।

सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने अपना रूप दिखाया

टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने दमदार शुरुआत दी। पहले विकेट के लिए अभिषेक और हेड ने सिर्फ 5.4 ओवर में 82 रन जोड़े। अभिषेक ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 21 गेंदों में 48 रनों की शानदार पारी खेली। अपनी इस पारी में अभिषेक ने 4 चौके और चार छक्के लगाए। वहीं, हेड ने 21 गेंदों में 6 चौके और 3 छक्कों की मदद से 46 रन बनाए।

टीम के कप्तान ईशान किशन का बल्ला खामोश रहा और वह 9 गेंदों में 14 रन ही बना सके। अनिकेत वर्मा महज एक रन बनाकर अनुकूल रॉय का शिकार बने। हालांकि, हेनरिक क्लासन और नीतीश कुमार रेड्डी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 82 रन जोड़े। नीतीश ने 24 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 39 रन बनाए। वहीं, क्लासन ने 35 गेंदों में 52 रन बनाए। अंतिम ओवरों में हर्ष दुबे ने 3 गेंदों में नाबाद 9 रन बनाए। केकेआर की तरफ से ब्लेसिंग मुजरबानी ने सबसे ज्यादा 4 विकेट चटकाए।

41 रन पर केकेआर के आखिरी 7 विकेट गिरे

केकेआर के फिन एलन ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। पहले ही ओवर में उन्होंने डेविड पेन को दो छक्के और तीन चौके मार दिए। हालांकि दूसरे ओवर में हर्ष दुबे ने उन्हें आउट कर दिया। कप्तान अजिंक्य रहाणे कुछ खास नहीं कर पाए और 10 गेंदों पर 8 रन बना पाए। कैमरून ग्रीन 2 रन बनाकर रन आउट हुए। चौथे विकेट के लिए रिंकू सिंह और अंगकृष रघुवंशी ने 30 गेंद पर 46 रन जोड़े। अंगकृष ने फिफ्टी लगाई लेकिन वह भी रन आउट हो गए। यहीं से केकेआर के बल्लेबाज एक के बाद एक आउट होने लगे।

41 रन बनाने में केकेआर के आखिरी 7 विकेट गिरे। रिंकू सिंह ने 35 रनों का योगदान दिया। हैदराबाद के लिए जयदेव उनादकट ने तीन जबकि ईशान मलिंगा और नीतीश कुमार रेड्डी ने 2-2 विकेट झटके।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड पर गंभीर आरोप: डिसेबिलिटी प्रीमियर लीग के मैचों में दिव्यांग खिलाड़ी तो पानी पिला रहे

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) पर आरोप है कि वह अपनी शीर्ष घरेलू प्रतियोगिता 'डिसेबिलिटी प्रीमियर लीग' में ऐसे खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति दे रहा है, जो तय मानकों के अनुसार दिव्यांग नहीं हैं। इस वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का सपना देखने वाले असली दिव्यांग क्रिकेटरों का रास्ता बंद हो रहा है।

जय चरण और एलेक्स जर्विस जैसे इंग्लैंड के पूर्व इंटरनेशनल खिलाड़ियों के माता-पिता ने यह मुद्दा उठाया है। उनका कहना है कि लीग में उनके बेटों की जगह ऐसे खिलाड़ियों ने ले ली है, जो ईसीबी की लर्निंग डिसेबिलिटी (एलडी) यानी 'सीखने की अक्षमता' के मेडिकल मानदंड को पूरा ही नहीं करते हैं। एक अभिभावक का अनुमान है कि हालिया ड्राफ्ट में चुने गए 64 में से 12 खिलाड़ी बिना किसी दिव्यांगता के हैं।

नियमों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस श्रेणी में खेलने के लिए खिलाड़ी का आईक्यू 75 या उससे कम होना चाहिए। लेकिन आरोप है कि ईसीबी ने लीग में ऐसे कई खिलाड़ियों को शामिल कर लिया है, जो इस सख्त पैमाने पर खरे नहीं उतरते। इनमें से कई तो मुख्यधारा का पेशेवर क्रिकेट खेलते हैं। उदाहरण के तौर पर इंग्लैंड की गेंदबाज एम्म अर्लोट, जिन्हें 2023 में ऑटिज्म और एडीएचडी डायग्नोज हुआ था, वो सामान्य क्रिकेट खेलती हैं।

इस गड़बड़ी का सीधा असर होनहार खिलाड़ियों पर पड़ रहा है। लीग इतिहास में सर्वश्रेष्ठ बॉलिंग एवरेज और स्ट्राइक रेट वाले जय चरण और एक दशक से खेल रहे एलेक्स जर्विस को सिर्फ 'ड्रिंक्स कैरियर' (पानी पिलाने वाले) की भूमिका तक सीमित कर दिया गया। हताश होकर जय ने टूर्नामेंट ही छोड़ दिया। यॉर्कशायर डिसेबिलिटी टीम के मैनेजर ओवेन जर्विस का कहना है कि गलत तरीके से एलडी श्रेणी में रखे गए नए खिलाड़ी ही सारी बैटिंग और बॉलिंग कर रहे हैं। असली खिलाड़ियों को सिर्फ फील्डिंग करने के लिए छोड़ दिया गया है, जिससे उनका मनोबल टूट रहा है। ईसीबी के डिसेबिलिटी क्रिकेट मैनेजर रिचर्ड हिल ने भी एक ईमेल में माना था कि 'हाई-फंक्शनिंग' (बेहतर क्षमता वाले) खिलाड़ियों के लीग में आने से चुनौतियां बढ़ रही हैं। हालांकि, ईसीबी के एक प्रवक्ता ने आधिकारिक बयान में कहा है कि लीग में सिर्फ 60 जगहें हैं, जिसके लिए कड़ा मुकाबला होता है। बोर्ड ने माना है कि पात्रता नियमों को लेकर बहस चल रही है और वे 2027 के सीजन तक इन पैमानों की समीक्षा करेंगे।

चेस कैंडिडेट्स टूनार्मेंट- प्रज्ञानानंदा ने चौथा राउंड ड्रॉ खेला: विमेंस कैटगरी में दिव्या हारीं, पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे 8वें नंबर पर पहुंचीं

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। साइप्रस के पाफोस में चल रहे एफआईडीई कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने चौथे राउंड में जर्मनी के मथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ खेला। चौथे राउंड में दो मुकाबले ड्रॉ रहे और दो के रिजल्ट निकले।

विमेंस में वैशाली रमेशबाबू ने रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के खिलाफ ड्रॉ खेला। वहीं, दिव्या देशमुख को चीन की झू जिनेर के खिलाफ हार मिली।

चौथे राउंड के बाद ओपन कैटेगरी में उज्बेक के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव 3.5 पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना दूसरे, अनीश गिरी तीसरे और आर प्रज्ञानानंदा चौथे नंबर पर हैं। विमेंस कैटेगरी में चौथे राउंड के बाद भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली छठे और दिव्या सबसे नीचे 8वें नंबर पर हैं।

गुकेश ने जीता था पिछला कैंडिडेट्स टूनार्मेंट

पिछली बार भारत के डी गुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दी थी। तब गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे। 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था।

टूनार्मेंट का महत्व

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट हर दो साल में होता है और इसका विजेता वर्ल्ड चैंपियन को चुनौती देता है। ओपन कैटेगरी के विजेता का मुकाबला भारत के डी गुकेश से, जबकि विमेंस कैटेगरी की विजेता चीन की जू वेनजुन से होगा।

आदिवासी पृष्ठभूमि से भारतीय टीम तक | किरण का सफर आसान नहीं रहा, हालांकि शुरूआत में उन्हें स्कूल और परिवार से पूरा समर्थन मिला।

प्रेरणादायक रही है किरण पिस्दा के संघर्ष और सफलता की कहानी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की उभरती फुटबॉलर किरण पिस्दा ने अपने संघर्ष, मेहनत और मजबूत मानसिकता के दम पर राष्ट्रीय स्तर तक पहचान बनाई है। हाल ही में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के सेमीफाइनल में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट के दौरान गोलकीपिंग कर उन्होंने अपने अनुभव और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया।

24 वर्षीय किरण अपने करियर के शिखर पर मानी जा रही हैं। वह भारत के लिए खेल चुकी हैं और यूरोप में क्रोएशियन महिला लीग के क्लब डिनामो जाग्रेब के लिए भी खेल चुकी हैं। उनकी सबसे बड़ी खासियत उनकी बहुमुखी प्रतिभा है, जिसके चलते वह मैदान पर किसी भी पोजीशन में खेलने में सक्षम हैं। किरण का सफर आसान नहीं रहा, हालांकि शुरूआत में उन्हें स्कूल और परिवार से पूरा समर्थन मिला। उनके भाई गिरीश, जो खुद राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं, उनके लिए प्रेरणा बने।

किरण ने बताया, ''स्कूल में मुझे काफी सपोर्ट मिला। वहीं से मुझे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका मिला और हर चयन के साथ मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया।'' इसके बाद वह शारीरिक शिक्षा की पढ़ाई के लिए रायपुर आईं। छत्तीसगढ़ महिला लीग के दौरान उनके प्रदर्शन ने चयनकताओं का ध्यान खींचा और उन्हें राष्ट्रीय कैंप में बुलावा मिला। हालांकि उस समय वह चयन के लिए तैयार नहीं थीं।

उन्होंने साई मीडिया के हवाले से कहा, ''उस समय मेरी फिटनेस और मानसिकता सीनियर खिलाड़ियों के स्तर की नहीं थी, इसलिए चयन नहीं हो पाया। लेकिन मैंने वहां से बहुत कुछ सीखा।'' इसके बाद किरण ने खुद पर कड़ी मेहनत की। फिटनेस सुधारी, मैचों का विश्लेषण किया और अपनी

पोजीशन की समझ को बेहतर बनाया। सबसे बड़ा बदलाव उनकी सोच में आया।

उन्होंने कहा, ''मैंने खुद से कहा कि चाहे कुछ भी हो, मैं नकारात्मक नहीं सोचूंगी, क्योंकि इसका सीधा असर प्रदर्शन पर पड़ता है।'' इस बदलाव में उनके कोच योगेश कुमार जांगड़ा का अहम योगदान रहा। किरण कहती हैं, ''जब भी मैं खुद को कमजोर महसूस करती हूं, तो उनसे बात करती हूं। वह हमेशा मुझे सकारात्मक रहने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।'' घरेलू स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के बाद उन्हें केरल ब्लास्टर्स जैसे क्लबों से खेलने का मौका मिला। उन्होंने अपने खेल में निरंतर सुधार किया और अपनी बहुमुखी प्रतिभा को अपनी ताकत बनाया।

किरण ने कहा, ''मैंने स्ट्राइकर के तौर पर शुरूआत की, फिर मिडफील्ड में खेली और अब राष्ट्रीय टीम में फुल-बैक की भूमिका निभा रही हूं। एक खिलाड़ी को हर पोजीशन के लिए तैयार रहना चाहिए।''

किरण 2022 के सैफ चैंपियनशिप में भारतीय टीम का हिस्सा रह चुकी हैं और कई बार देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। हालांकि बड़े टूर्नामेंट्स में चयन न होना भी उनके करियर का हिस्सा रहा है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित एएफसी महिला एशियन कप के लिए चयन न होना उनके लिए निराशाजनक रहा।

उन्होंने कहा, ''बड़े टूर्नामेंट में चयन न होना दुख देता है, लेकिन अब मैं इसे मोटिवेशन के रूप में लेती हूं और और ज्यादा मेहनत करती हूं।'' किरण ने दबाव को संभालना भी सीख लिया है। उनका मानना है कि उच्च स्तर पर खेलने के लिए मानसिक मजबूती जरूरी है।

उन्होंने कहा, ''जब आप ऊंचे स्तर पर खेलते हैं, तो दबाव हमेशा रहता है। उसे संभालना सीखना जरूरी है।'' आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाली किरण मानती हैं कि दूरदराज के क्षेत्रों में प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन अवसरों की कमी होती है। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स जैसे मंच इस अंतर को कम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''ट्राइबल क्षेत्रों में बहुत प्रतिभा है, लेकिन उन्हें मौके नहीं मिलते। यह प्रतियोगिता उन्हें मंच देती है और आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी।''

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

श्रेया सरन ने भारत का पहला फोर्टिफाइड प्रोटीन प्लस मल्टीग्रेन आटा मीनार लॉन्च किया

हैदराबाद, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। मशहूर फिल्म अभिनेत्री श्रेया सरन ने भारत का पहला फोर्टिफाइड प्रोटीन प्लस मल्टीग्रेन आटा मीनार लॉन्च किया है। इसका मुख्य उद्देश्य देश में व्याप्त कुपोषण और पोषक तत्वों की कमी को दूर करना है।

इस अवसर पर शेफ संजय थुम्मा, अवनीश कुमार (चेयरमैन, रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया), आदित्य बंसल (निदेशक, साई रोलर फ्लोर मिल्स) और डॉ. वी. सेसीकरन (पूर्व निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन) सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उच्च प्रोटीन: सामान्य गेहूं के आटे की तुलना में इसमें 50% अधिक प्रोटीन है। केवल तीन रोटियां एक वयस्क की दैनिक प्रोटीन आवश्यकता का लगभग एक-तिहाई हिस्सा पूरा कर सकती हैं।

मिश्रण: इसमें प्रीमियम शरबती गेहूं के साथ सोया, मक्का और चना शामिल है।

फोर्टिफिकेशन: इसे आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी12, जिंक और विटामिन अ जैसे आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों से समृद्ध किया गया है।श्रेया सरन ने माइंडफुल ईटिंग (सोच-समझकर खान-पान) पर जोर देते हुए कहा कि बदलते खान-पान की वजह से शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो गई है, जिसे फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों के माध्यम से सुधारा जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान गेहूं के आटे के फोर्टिफिकेशन पर एक तकनीकी कार्यशाला और पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें विशेषज्ञों ने एनीमिया और कुपोषण से लड़ने के लिए इसे एक प्रभावी समाधान बताया।

न्यूज़ ब्रीफ

स्टॉक मार्केट में हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स की प्रीमियम एंट्री

नई दिल्ली। डिजिटल इमेजिंग सॉल्यूशन के काम में लगी कंपनी हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों ने गुरुवार को स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 120 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। गुरुवार को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 4.16 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 125 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 131.15 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। हालांकि, बाद में मुनाफा वसूली होने पर इसके भाव में थोड़ी गिरावट भी आई। दिन भर का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 129.50 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह से पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 9.50 रुपये यानी 7.92 प्रतिशत का फायदा हो गया। हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का 21.67 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 193.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 81.95 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 362.12 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 185.11 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

भारत के पास 8.5 मिलियन टन से ज्यादा दुर्लभ खनिज भंडार : डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली । भारत के पास करीब 8.52 मिलियन टन रेयर अर्थ (दुर्लभ खनिज) ऑक्साइड संसाधन हैं, लेकिन इसके बावजूद देश रेयर अर्थ मैग्नेट और इससे जुड़े उत्पादों के लिए आयात पर निर्भर है। इसकी वजह कम गुणवत्ता वाले भंडार, सख्त नियम और सीमित प्रोसेसिंग इंडस्ट्री है। गुरुवार को संसद में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. राजेंद्र सिंह ने यह जानकारी दी।

राज्यसभा में लिखित जवाब में केंद्रीय राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडीईआर) ने आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, झारखंड, गुजरात और महाराष्ट्र में फैले मोनाजाइट भंडारों में करीब 7.23 मिलियन टन रेयर अर्थ ऑक्साइड के बराबर संसाधन की पहचान की है।

इसके अलावा गुजरात और राजस्थान के हार्ड रॉक इलाकों में करीब 1.29 मिलियन टन अतिरिक्त दुर्लभ खनिज संसाधन भी पाए गए हैं।

इतने बड़े भंडार होने के बावजूद भारत की आयात पर निर्भरता बनी हुई है।

एयरटेल 65 करोड़ ग्राहकों के साथ बनी दुनिया की दूसरी बड़ी टेलीकॉम कंपनी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने वैश्विक स्तर पर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। भारती एयरटेल 65 करोड़ ग्राहकों के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी बन गई है। कंपनी ने गुरुवार को ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस (जीएसएमए) के आंकड़ों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि 'जीएसएमए इंटेलिजेंस' के मुताबिक मोबाइल ग्राहक आधार के लिहाज से भारती एयरटेल वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर है। कंपनी भारत तथा अफ्रीका में सेवाएं देती है। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि यह संख्या 31 मार्च तक उपलब्ध आंकड़ों पर आधारित हैं। एयरटेल ने कहा कि भारत में उसके 36.8 करोड़ से अधिक मोबाइल ग्राहक हैं, जबकि अफ्रीका के 14 देशों में 17.9 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। कंपनी के अनुसार अपने क्षेत्रीय बाजारों से आगे बढ़ते हुए एयरटेल 'यूटेलसैट वनवेब' और 'स्पेसएक्स' के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से डिजिटल खाई को पाटने का प्रयास कर रही है। भारती एयरटेल के कार्यकारी उपाध्यक्ष गोपाल विट्ठल ने कहा कि हम नवाचार, विश्वसनीयता एवं सेवाओं के अनुभव के स्तर को और ऊंचा करने का प्रयास करेंगे, ताकि हर ग्राहक के साथ संपर्क भरोसा जीतने तथा मूल्य प्रदान करने का अवसर बने।

अमेरिका व्यापार वार्ता में तरजीही बाजार पहुंचना चाहता है भारत : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत, अमेरिका में अपने उत्पादों के लिए तरजीही बाजार पहुंच की उम्मीद कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ देश के संबंध बहुत म ाबूत हैं, जिसमें प्रौद्योगिकी, रक्षा, व्यापार और निवेश के क्षेत्रों में गहरी रणनीतिक साझेदारी शामिल है।

पीयूष गोयल ने यहां आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का अमेरिका के साथ व्यापार समझौता, उसके प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में सबसे अच्छा है। उन्होंने कहा कि भारत अपने उत्पादों के लिए अमेरिका में तरजीही बाजार पहुंच चाहता है। अमेरिका के साथ व्यापार को बढ़ावा देने के मामले में देश बहुत अच्छी स्थिति में है।

गोयल ने कहा, 'दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने के नाते भारत में निवेशकों के लिए अपार संभावनाएं हैं, जो भविष्य में भारत के अवसरों को और भी बड़ी संख्या में और ज़्यादा महत्व के साथ देखते रहेंगे।'

उन्होंने बताया कि 27 मार्च को कैमरून के याउंडे में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर के साथ एक बैठक की और भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की वार्ताओं में अगले कदमों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि दोनों विश्व व्यापार संगठन के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के दौरान मिले।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कैमरून में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) में भारत की भागीदारी और रचनात्मक जुड़ाव विषय पर यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में डब्ल्यूटीओ सुधारों पर गहन विचार-विमर्श में भारत की सक्रिय भूमिका को रेखांकित किया।

उन्होंने बताया कि डब्ल्यूटीओ-एमसी14 में अपने नागरिकों, विशेष रूप से किसानों और मछुआरों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की। इसके अलावा इस बात पर भी ज़ोर दिया कि भारत ने एक निष्पक्ष, पारदर्शी और नियमों पर आधारित बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली सुनिश्चित करने के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को किस प्रकार दोहराया है।

केंद्र सरकार ने 30 जून तक महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों को पूर्ण सीमा शुल्क से छूट दी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं के बीच एक बड़ा फैसला लेते हुए महत्वपूर्ण पेट्रोकेमिकल उत्पादों के आयात पर पूर्ण सीमा शुल्क से छूट दे दी है। यह छूट 30 जून तक लागू रहेगी, जिसका उद्देश्य घरेलू उद्योगों को सस्ती कच्ची सामग्री उपलब्ध कराना और अंतिम उत्पादों की कीमतें स्थिर रखना है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक केंद्र सरकार ने यह छूट आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित करने और अंतिम उत्पादों पर उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए दी है। इससे प्लास्टिक, पैकेजिंग, वस्त्र, दवा, रसायन, मोटर वाहन घटक तथा अन्य विनिर्माण क्षेत्रों जैसे पेट्रोरसायन 'फीडस्टॉक' और 'इंटरमीडिएट' पर निर्भर उद्योगों को लाभ मिलेगा। सरकार ने यह कदम एक अस्थायी एवं लक्षित राहत उपाय के रूप में उठाया गया है, ताकि घरेलू उद्योग के लिए आवश्यक पेट्रोरसायन आपूर्ति की उपलब्धता बनी रहे, 'डाउनस्ट्रीम' क्षेत्रों पर लागत का दबाव कम हो और देश में आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित की जा सके। इससे अंतिम उत्पादों के उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी। वित्त मंत्रालय के अनुसार इसके अलावा मेथनॉल, एनहाइड्रस अमोनिया, टॉलुइन, स्टाइरीन, डाइक्लोरोमिथेन (मेथिलीन क्लोराइड), विनाइल क्लोराइड मोनोमर, पॉली ब्यूटाडाइन, स्टाइरीन ब्यूटाडाइन और अनसैचुरेटेड पॉलिएस्टर रेजिन को सीमा शुल्क छूट दी गई है।

गोयल ने मीडिया को बताया कि हमने 'निवेश सुविधा विकास समझौता' (आईएफडी) जैसे बहुपक्षीय समझौतों का विरोध किया और डब्ल्यूटीओ-एमसी14 में उचित सुरक्षा उपायों तथा आम सहमति के बिना उन्हें डब्ल्यूटीओ के ढांचे में शामिल करने पर अपनी सहमति नहीं दी।

पीयूष गोयल ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में भारत ने डब्ल्यूटीओ-एमसी14 में सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग और विशेष सुरक्षा तंत्र के लिए एक स्थायी समाधान की आवश्यकता को दोहराया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसान हितों की रक्षा और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए के चार वर्ष पूरे, द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को मिली मजबूती

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (ईसीटीए) के चार वर्ष पूरे होने के साथ द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को नई मजबूती मिली है।

निर्यात में मजबूत वृद्धि के बीच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 24.1 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में फरवरी तक भारत का ऑस्ट्रेलिया के साथ कुल व्यापार 19.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। भारत और ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते के हस्ताक्षर को गुरुवार को 4 वर्ष पूरे हो गए हैं।

2 अप्रैल, 2022 को हस्ताक्षर किए जाने के बाद से इस समझौते ने व्यापार बढ़ाने, उद्योग संबंधों को सुदृढ़ करने और व्यवसाय, उद्यमिता व रोजगार के नए अवसर सृजित करने में अहम योगदान दिया है। पिछले चार वर्षों में इस समझौते ने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और मजबूती प्रदान की है, जिससे दोनों पक्षों को बेहतर बाजार पहुंच और व्यापार बाधाओं में कमी का लाभ मिला है। ऑस्ट्रेलिया को भारत से होने वाला निर्यात दोगुने से ज्यादा बढ़ गया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2020-21 में निर्यात 4 अरब अमेरिकी डॉलर था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 8.5 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कुल द्विपक्षीय व्यापार 24.1 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि भारत से ऑस्ट्रेलिया को होने वाले निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में 8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2025-26 (फरवरी तक) भारत का ऑस्ट्रेलिया के साथ कुल व्यापार 19.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।

मंत्रालय के मुताबिक यह समझौता द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरा है, जिससे दोनों देशों के व्यवसायों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, श्रमिकों और उपभोक्ताओं को ठोस लाभ प्राप्त हो रहे हैं। भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता के 4 साल पूरे होने के अवसर पर दोनों पक्षों ने व्यापार विस्तार, आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करने, निवेश साझेदारी को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हमने नाविक...

वह थी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा। विदेश सचिव ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों में भारत इकलौता ऐसा देश है, जिसने अपने जांबाज नाविकों को खोया है। उन्होंने कहा कि इस समस्या का हल और अधिक युद्ध नहीं है। अगर दुनिया को इस संकट से बाहर निकलना है, तो सभी पक्षों को तुरंत हथियारों को शांत कर बातचीत की मेज पर लौटना होगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, भारत का पक्ष स्पष्ट है। हम स्वतंत्र और खुले वाणिज्यिक परिवहन और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप समुद्री सुरक्षा के पक्षधर हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध नौवहन सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। जायसवाल ने बताया कि ब्रिटेन ने भारत समेत कई देशों को होर्मुज जलडमरूमध्य पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया था और मिसरी ने इसमें भाग लिया। उन्होंने कहा, हम ईरान और अन्य देशों के संपर्क में हैं ताकि एलपीजी और एलएनजी सहित अन्य उत्पादों को ले जाने वाले हमारे जहाजों के लिए निर्बाध और सुरक्षित पारगमन सुनिश्चित कर सकें। पिछले कुछ दिनों में हुई इन वार्ताओं के कारण भारतीय ध्वज वाले छह जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार करने में सक्षम हुए हैं। हम इस मामले पर संबंधित पक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं। सरकार पश्चिम एशिया संघर्ष से संबंधित सभी घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रही है।

वहीं, बैठक के बारे में ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा, होर्मुज से जहाजरानी सेवाओं को फिर से शुरू करना आसान नहीं होगा और इसके लिए समुद्री उद्योग साझेदारी के अलावा सैन्य शक्ति और राजनयिक गतिविधियों का एक संयुक्त मोर्चा आवश्यक होगा। स्टार्मर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस अपील को स्पष्ट नकार चुके हैं कि ब्रिटेन व यूरोप के अन्य देशों को होर्मुज खुलवाने के लिए सेना का इस्तेमाल करना चाहिए।

चीन की चैतावनी

इस बीच, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने चेतावनी दी कि होर्मुज जलडमरूमध्य से आवागमन का मुद्दा ईरान युद्ध का ही परिणाम है और जब तक लड़ाई जारी रहेगी, जलडमरूमध्य स्थिर नहीं रहेगा। वांग यी ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद से फोन पर बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं, जिसमें उन्होंने शीघ्र युद्धविराम का भी आह्वान किया।

टोल टैक्स...

दूसरा सैन्य जहाजों के लिए। इस प्रस्तावित योजना पर ईरान की संसद और सरकार विचार कर रही है।

इस बीच ओमान के साथ मिलकर ईरान इस मार्ग पर जहाजों की आवाजाही की निगरानी के लिए भी एक नया प्रोटोकॉल तैयार कर रहा है। इस खबर के सामने आने के बाद वैश्विक तेल बाजार में हलचल देखी गई है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के तेल परिवहन का एक प्रमुख रास्ता है। लेकिन 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध के बाद से यह मार्ग लगभग बंद हो गया था। यह जंग अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद शुरू हुआ था। इसके चलते वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हुई और कीमतों में भारी तेजी आई।

अमेरिका में पेट्रोल 4 डॉलर प्रति गैलन के पार

तेल की कीमतों में उछाल का असर दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ा। अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें एक महीने में 30 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 4 डॉलर प्रति गैलन के पार पहुंच गईं।

इसी दौरान डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्र के नाम संबोधन के बाद अमेरिकी शेयर बाजारों में गिरावट आई थी। उन्होंने संकेत दिया था कि ईरान के साथ युद्ध कई हफ्तों तक जारी रह सकता है। हालांकि, जैसे ही ईरान और ओमान के बीच नए प्रोटोकॉल की खबर सामने आई, अमेरिकी शेयर बाजारों में तेजी लौट आई।

तेल की कीमतों में भी कुछ नरमी देखने को मिली। बाजार को उम्मीद है कि इस नई व्यवस्था के जरिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को आंशिक रूप से खोला जा सकता है, जिससे तेल आपूर्ति सामान्य हो सके।

हालांकि ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस मार्ग पर ज्यादा निर्भर नहीं है, लेकिन पेट्रोल की बढ़ती कीमतों का असर आम लोगों पर साफ दिख रहा है। यह घटनाक्रम अब वैश्विक तेल बाजार और अंतरराष्ट्रीय राजनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बंगाल में ...

जिनमें तीन महिला अधिकारी भी शामिल थीं।

हालांकि, मौलाना शाहजहां अली ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें उनकी राजनीतिक संबद्धता के कारण झूठा फंसाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि घटना के समय वे मौके पर मौजूद नहीं थे और एक धार्मिक कार्यक्रम से लौटते वक्त उन्हें गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच जारी है और आगे और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं.

15 दिन...

दरअसल, सीएम ममता पश्चिम बंगाल की भवानीपुर और नंदीग्राम सीट से चुनाव लड़ रही हैं। बीजेपी ने उनके खिलाफ सुवेंदु अधिकारी को दोनों सीट से मैदान में उतारा है।

राघव चड्ढा ...

गौरतलब है कि शराब उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को हाल ही में बरी किए जाने पर चड्ढा चुप रहे थे।

इसी बीच, चड्ढा ने हाल ही में संसद में सवैतनिक पितृत्व अवकाश का मुद्दा उठाया और तर्क दिया कि देखभाल करना एक साझा जिम्मेदारी होनी चाहिए, और मांग की कि इसे भारत में एक कानूनी अधिकार बनाया जाए। उन्होंने कहा कि नवजात शिशु के पालन-पोषण और देखभाल की जिम्मेदारी काफी हद तक मां पर पड़ती है, जो अनुचित है, और पिता को अपने बच्चे के साथ रहने और अपनी आजीविका सुरक्षित करने के बीच चुनाव करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

रेवंत का...

पेंशन बढ़ाकर 4,000 रुपये करना, छात्रों के लिए 5 लाख रुपये का विद्या भरोसा कार्ड, किसानों और बटाईदारों के लिए 15,000 रुपये प्रति एकड़ वार्षिक सहायता और खेतिहर मजदूरों के लिए 12,000 रुपये की सहायता शामिल थी। सत्ता में आए दो साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी, ये वादे तेलंगाना में अभी तक पूरी तरह लागू नहीं हो पाए हैं।

हाल ही में, कांग्रेस एमएलसी विजयशांति ने भी विधान परिषद में तेलंगाना आंदोलन के सेनानियों से किए गए वादों को पूरा न करने पर अपनी ही सरकार पर सवाल उठाए थे।

मोदी और विजयन को बताया भाई

आलोचनाओं के बावजूद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि देश और केरल पर ''मोदी ब्रदर्स'' का शासन है। सबरीमाला स्वर्ण विवाद का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि गॉड्स ओन कंट्री कहे जाने वाले इस राज्य में मंदिर की संपत्ति भी सुरक्षित नहीं है।

रेवंत रेड्डी ने कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से पिनाराई विजयन और उनके मंत्रियों को तेलंगाना में योजनाओं के कार्यान्वयन के बारे में समझाऊंगा। उन्होंने विपक्षी दलों को जमीनी हकीकत देखने की चुनौती दी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 03 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

वामसी राम मोहन बुर्रा ने पावरग्रिड के सीएमडी का पदभार संभाला

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री वामसी राम मोहन बुर्रा ने पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड), विद्युत मंत्रालय के अधीन एक महारत्न सार्वजनिक उपक्रम, के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार ग्रहण किया है। इस पद पर पदोन्नति से पूर्व वह पावरग्रिड में निदेशक (परियोजना) के रूप में कार्यरत थे।

एक कुशल इंजीनियरिंग पेशेवर के रूप में, श्री वामसी इंजीनियरिंग में स्नातक हैं। उन्होंने प्लानिंग एवं प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा के साथ-साथ मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एमडीआई), गुरुग्राम से प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने हार्वर्ड मैनेज मेंटर (एचएमएम) प्रोग्राम तथा इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद में उन्नत प्रबंधन कार्यक्रमों के माध्यम से अपने नेतृत्व कौशल को

और सुदृढ़ किया है।

श्री वामसी वर्ष 1993 में पावरग्रिड में शामिल किए गए एग्जीक्यूटिव ट्रेनीज़ के प्रथम बैच से संबंधित हैं, जो संगठन के नेतृत्व विकास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। विद्युत पारेषण और टेलीकॉम सेक्टर में 33 वर्षों से अधिक के समृद्ध और विविध अनुभव के साथ, श्री वामसी ने पावरग्रिड में क्षेत्रीय और कॉर्पोरेट स्तर पर कई महत्वपूर्ण लीडरशिप, नीतिनिर्धारण और रणनीतिक भूमिकाएं निभाई हैं। उनकी पेशेवर विशेषज्ञता परियोजना, प्रोक्योरमेंट, कमर्शियल, रेगुलेटरी मामलों, परिसंपत्ति प्रबंधन और टेलीकॉम जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विस्तृत है।

वे पावरग्रिड के रेगुलेटरी सेल के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे हैं, जहां पावर सेक्टर के रेगुलेटरी फ्रेमवर्क की उनकी गहरी समझ ने संगठन की नियामक रणनीति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतिस्पर्धात्मक बोली प्रक्रिया में पावरग्रिड की एंट्री के प्रमुख रणनीतिकार के रूप में, उन्होंने बदलते विद्युत पारेषण बाजार में कंपनी को सफलतापूर्वक स्थापित करने में अहम योगदान दिया।

पावरग्रिड टेलीसर्विसेज लिमिटेड के सीईओ के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, श्री वामसी ने कंपनी के टेलीकॉम बिजनेस के विस्तार का नेतृत्व किया और पावरग्रिड के पहले डेटा सेंटर परियोजना की शुरुआत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो संगठन की डिजिटल यात्रा में एक अहम मील का पत्थर है। डिजिटलाइजेशन और मशीनीकरण के प्रबल समर्थक के रूप में, श्री वामसी ने प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग और क्रियान्वयन में परिवर्तनकारी सुधार लागू किए हैं, जिससे बड़े पैमाने की बुनियादी परियोजनाओं में दक्षता, पारदर्शिता और कार्य निष्पादन के परिणामों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

सेवा ही हनुमान भक्ति का सबसे पवित्र स्वरूप है : वेद प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का अत्यंत भव्य, श्रद्धापूर्ण एवं भावनात्मक आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरा वातावरण हनुमान भक्ति, सेवा और करुणा की भावना से सराबोर नजर आया।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान हनुमान जी की विधिवत पूजा-अर्चना और आरती के साथ हुई, जहां उपस्थित श्रद्धालुओं ने सच्चे मन से प्रभु से समाज के कल्याण और सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। इसके पश्चात जरूरतमंदों और असहाय लोगों को श्रद्धा और सम्मान के साथ अन्नदान किया गया।

हर एक व्यक्ति के चेहरे पर संतोष और कृतज्ञता की झलक इस सेवा कार्य की सार्थकता को दर्शा रही थी।इस अवसर पर अपने भाव व्यक्त करते हुए वेद प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि हनुमान जी केवल शक्ति और भक्ति के प्रतीक ही नहीं हैं, बल्कि वे सेवा, समर्पण और निस्वार्थ भाव के भी आदर्श हैं। उन्होंने कहा कि जब हम किसी भूखे को भोजन कराते हैं, किसी जरूरतमंद की मदद करते हैं, तभी सच्चे अर्थों में हनुमान जी की भक्ति करते हैं। यह अन्नदान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का एक छोटा सा प्रयास है, जो समाज में प्रेम, भाईचारे और संवेदनशीलता को बढ़ावा देता है।

उन्होंने आगे कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन करना नहीं, बल्कि उन आयोजनों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। इसी भावना के साथ ग्रुप निरंतर सेवा कार्यों में लगा हुआ है और भविष्य में भी ऐसे कार्यों को और अधिक व्यापक रूप में करता रहेगा।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदूजा सहित ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सेवा भाव से इस आयोजन को सफल बनाया और यह संकल्प लिया कि आगे भी इसी प्रकार समाज सेवा के कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 165वां नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर 5 अप्रैल को

कोत्तूर में सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक लगेगा शिविर

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड, कोत्तूर के सहयोग से 165वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर 5 अप्रैल को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक कोत्तूर स्थित पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड (अय्यप्पा स्वामी मंदिर के पास) में आयोजित किया जाएगा।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में मेडिकवर अस्पताल, हाईटेक सिटी द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप तथा सामान्य चिकित्सा की सेवाएं प्रदान की जाएंगी। नेत्रों की जांच एलसीएच साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा द्वारा की जाएगी तथा जांच के पश्चात पात्र मरीजों को निशुल्क चश्मों का वितरण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था भी की जाएगी।

जनरल फिजिशियन के रूप में डॉ. अखिल्स क्लिनिक (पुरणदास रणछोड़दास) के डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल खैरिया सुगंधी अपनी सेवाएं देंगे। फिजियोथेरेपी की सुविधा बजाज फिजियो की डॉ. मीता बजाज द्वारा तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत द्वारा की जाएगी।

इस अवसर पर श्री भगवान विकलांग सहायता समिति, हैदराबाद द्वारा निशुल्क जांच कर पात्र व्यक्तियों को एड्स एवं एप्लायंसेज जैसे कृत्रिम अंग, हैंड किट्स, कैलिपर्स आदि उपलब्ध कराए जाएंगे। शिविर में आवश्यक मरीजों के लिए निशुल्क डायलिसिस की सुविधा भी प्रदान की जाएगी।

शिविर में आने वाले रोगियों से अनुरोध है कि वे अपने पूर्व चिकित्सा रिकॉर्ड साथ लेकर आएं, ताकि उचित परामर्श दिया जा सके। पंजीकरण शिविर स्थल पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा, जबकि शिविर दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगा।

अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, रुकन्ना श्रीनिवास राव, बी. सुरेश एवं एन. रणजीत कुमार से संपर्क किया जा सकता है।

अनुराग कपिल ने एनएमडीसी में निदेशक (वित्त) के रूप में पद्भार ग्रहण किया

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस) के 1998 बैच के अधिकारी श्री अनुराग कपिल ने भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड में मंगलवार को निदेशक (वित्त) के रूप में पदभार ग्रहण किया ।

भारतीय रेलवे और सीपीएसयू में 26 वर्षों से अधिक के करियर के साथ , श्री कपिल वित्तीय प्रबंधन और सार्वजनिक क्षेत्र के अभिशासन में परिचालन विशेषज्ञता तथा रणनीतिक विजन का अनुभव रखते हैं। उन्होंने भारतीय रेलवे में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, एफए एंड सीएओ (ट्राफिक), एफए एंड सीएओ (वित्त एवं जनरल) तथा उप मुख्य सतर्कता अधिकारी सहित प्रमुख पदों पर कार्य किया है। उन्होंने कोयला मंत्रालय में निदेशक के रूप में भी कार्य किया तथा कार्य के दौरान मंत्रालय में महत्वपूर्ण नीति और क्षेत्रीय कार्यों का भी सुव्यवस्थित रूप से संचालन किया है।

एनएमडीसी में कार्यग्रहण से पूर्व, वे

रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक,वित्त (व्यय) के रूप में कार्यरत थे, जहां उन्होंने भारतीय रेलवे के लिए वित्तीय नीति मामलों, व्यय प्रबंधन, योजना, परियोजना निगरानी तथा उत्पादकता विश्लेषण का दायित्व भी निभाया था। उन्होंने रेलवे के सभी सीपीएसई में पूंजी पुनर्गठन, समझौता ज्ञापनों, विनिवेश प्रस्तावों और वित्तीय अनुमोदन से संबंधित पहल सहित पीएसयू अभिशासन को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अपने सेवा काल के दौरान , श्री कपिल ने वित्तीय निरीक्षण, नीति निर्माण एवं रणनीतिक योजना बनाने में मजबूत नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। उनके अनुभव में सरकारी लेखांकन, परियोजना मूल्यांकन, पीपीपी ढांचे, अनुबंध प्रबंधन एवं आर्विट्रेशन,बजटीय नियंत्रण, लागत-लाभ विश्लेषण तथा कार्यक्रम मूल्यांकन में विशेषज्ञता शामिल हैं। उन्होंने कोयला क्षेत्र में प्रमुख राष्ट्रीय नीतियों के निर्माण में योगदान दिया तथा प्रमुख विनिवेश पहलों और नियामक ढांचे की स्थापना से जुड़े रहे हैं।

उनके पास कॉनकॉर के निदेशक (वित्त) का अतिरिक्त दायित्व भी था, जहां उन्होंने वित्तीय प्रदर्शन को मजबूत किया एवं विविधीकरण, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स तथा सतत विकास में रणनीतिक पहल का नेतृत्व किया। उन्होंने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों और कार्यक्रमों में भारत का प्रतिनिधित्व किया , जिसमें खनन मिशन, स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी, विनिवेश रोड शो एवं नेट जीरो लक्ष्यों के साथ ऊर्जा सहयोग शामिल है।

श्री कपिल ने सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड, मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रेलवे एनर्जी मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड और कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड सहित कई सीपीएसई के बोर्ड में सरकार द्वारा नामित निदेशक के रूप में कार्य किया है। उन्होंने आईएसबी में कार्यक्रमों सहित वित्त, पीपीपी, रणनीतिक प्रबंधन तथा सतर्कता में व्यापक प्रशिक्षण प्राप्त किया हैं।

श्री कपिल हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र रहे हैं, उन्होंने रसायन विज्ञान (ऑनर्स) में डिग्री, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय से एमबीए (वित्त एवं विपणन) तथा मिनेसोटा विश्वविद्यालय, यूएसए से सार्वजनिक मामलों में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। उन्हें भारत सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवा के लिए 2009 में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

भारतीय रेलवे तथा बड़े सीपीएसई में वित्त में उनका व्यापक अनुभव राजकोषीय ज्ञान एवं मूल्य सृजन करते हुए एनएमडीसी के विकास को मजबूत करने में सहायक होगा।

राजस्थानी उत्सव फाउंडेशन के अध्यक्ष संदीप जायलवाल का शॉल माला से स्वागत करते हुए बजरंग सेना के सदस्य नंदू भाई, राहुल ओझा, भोपाल ओझा, अनिल जायलवाल व अन्य ।

महेश्वरम में श्री हनुमान जन्मोत्सव समारोह श्रद्धा व उत्साह के साथ सम्पन्न

अभिषेक, मंगल आरती और प्रसाद वितरण में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। महेश्वरम स्थित श्री अभयांजनेय स्वामी देवस्थानम, श्री कोदंडा रामालयम में हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर पवार परिवार द्वारा भव्य धार्मिक आयोजन किया गया। इस संबंध में जारी प्रेस विज्ञप्ति में भोलाराम पंवार ने बताया कि इस महापर्व में आसपास क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भक्तिभाव से प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह 5:00 बजे अभिषेक, 7:00 बजे मंगल आरती तथा दोपहर 12:00 बजे तक प्रसाद वितरण का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। प्रसाद में हलवा, पुलीगौरा, चावल एवं मीठी बूंदी का विशेष भोग लगाया गया। सभी भक्तों ने हनुमान जी के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया।यह आयोजन पवार परिवार द्वारा पूरी निष्ठा के साथ सम्पन्न किया गया, जिसमें भोलाराम पंवार, इंदिरा देवी पंवार, कमलेश पंवार, नीतू पंवार, दिव्या पंवार, राजूराम हाम्बड, निरमा देवी, दिनेश, जय राम पंवार, संतोष देवी सहित अनेक लोगों का विशेष योगदान रहा।

इस अवसर पर सीरवी समाज शमशाबाद बडेर के अध्यक्ष आसाराम गहलोत, बगदाराम परिहार, रमेश हाम्बड, पुखराज पंवार, जगदीश पंवार, महेश्वरम मित्र मंडल, कंदुकूर मित्र मंडल एवं अन्य भाई-बंधु भी उपस्थित रहे।

समाज की एकता, श्रद्धा और भक्ति को दर्शाने वाला यह आयोजन सभी के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। पवार परिवार की ओर से सभी श्रद्धालुओं का हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

पारसीगुट्टा बडेर में सीरवी महासभा तेलंगाना की आमसभा सम्पन्न

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीरवी महासभा तेलंगाना प्रांत की आमसभा का आयोजन पारसीगुटा वडेर प्रांगण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न वडेरों से पधारे पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

संस्था के अध्यक्ष ने सभी अतिथियों एवं पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की मजबूती आपसी सहयोग और सहभागिता से ही संभव है। आमसभा के दौरान समाज सुधार से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई और समाज में

एकता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। सचिव ने अपने संबोधन में कहा कि संगठित समाज ही प्रगति की दिशा में आगे बढ़ सकता है, इसलिए सभी को मिलकर समाजहित में कार्य करना चाहिए।इस अवसर पर अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष हरजीराम काग, महासचिव सोहनलाल हाम्बड़, कोषाध्यक्ष प्रभुराम, पारसीगुटा पूर्व अध्यक्ष जसाराम सोलंकी, पूर्व सचिव किशनसिंह राठौड़, शमशाबाद बडेर अध्यक्ष आशाराम गेहलोत, कोषाध्यक्ष राजुराम परिहार, शिक्षा समिति सचिव भीकाराम काग, हरिराम परिहारिया, कोरेमुला बडेर अध्यक्ष कालुराम काग, सह सचिव राजाराम गेहलोत, बालाजी नगर बडेर अध्यक्ष जयराम पंवार, पुनाराम बर्फा, मल्लापुर बडेर अध्यक्ष तुलसाराम सींदड़ा, आईजी सेवा संघ अध्यक्ष भगाराम मुलेवा, कोषाध्यक्ष बाबूलाल मुलेवा, भंवरलाल मुलेवा, मंगलाराम पंवार, संगारेड्डी बडेर अध्यक्ष प्रभुराम, लिकमाराम, चंद्राराम परिहारिया, मण्डिकोडा बडेर अध्यक्ष बाबूलाल भायल, भीकाराम परिहारिया, बाल संस्कार तुपरान संरक्षक देवाराम काग, अखिल भारतीय युवा परिषद उपाध्यक्ष केसाराम, पूनाराम सीरवी, सदस्य हीरालाल, नारायणलाल सहित अन्य उपस्थित रहे। अंत में अध्यक्ष हरजीराम काग एवं महासचिव सोहनलाल हाम्बड़ ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

महावीर जयंती पर महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद के सेवा एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नेत्र जांच शिविर, पर्यावरण अभियान और रक्तदान पंजीकरण का आयोजन

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव 2625 के पावन अवसर पर महावीर इंटरनेशनल – हैदराबाद द्वारा, श्री जैन सेवा संघ के सहयोग से समाज सेवा एवं जागरूकता के विविध कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया।

एमआई मीडिया पब्लिसिटी कन्वीनर शीतल बरलोटा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एक विशाल नेत्र जांच शिविर (मेगा आई कैंप) आयोजित किया गया, जिसमें 275 से अधिक लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराकर लाभ प्राप्त किया। जैन सेवा संघ द्वारा स्टॉल हेतु विशाल स्थान उपलब्ध कराया गया, जिसके लिए संस्था ने उनका आभार व्यक्त किया।

शिविर का उद्घाटन एवं प्रायोजन श्रीमती विजयाबाई एवं श्री पन्नालाल जी नाहटा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वीर मनोज, वीरा सुषमा, सना एवं माही नाहटा परिवार की गरिमामयी उपस्थिति रही। लायंस क्लब हैदराबाद एवं साधुराम आई हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं, जिनका शॉल एवं मालाओं से सम्मान किया गया।इस आयोजन की सफलता में चेयरमैन विनोद संचेती, रीजन 10 के सचिव शील कुमार जैन, उपाध्यक्ष अजय नाहटा, अरुण खिवसरा एवं राजेश नाहटा का विशेष योगदान रहा।इसी अवसर पर पर्यावरण संरक्षण हेतु एक जागरूकता स्टॉल का भी आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन अध्यक्ष वीर विनोद संचेती द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्लास्टिक के स्थान पर सूती कपड़े से बने बैनरों का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।कपड़े की थैली – मेरी सहेली अभियान, प्लास्टिक का बहिष्कार, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, ऊर्जा संरक्षण एवं तंबाकू निषेध जैसे विषयों पर जागरूकता फैलायी गई। इस अभियान में 300 से अधिक लोगों ने भाग लेकर शपथ ली और स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम के अंतर्गत रक्तदान जागरूकता एवं स्वयंसेवक पंजीकरण शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें 100 से अधिक लोगों ने रक्तवीर के रूप में पंजीकरण कराया।

इस कार्यक्रम की संयोजक वीरा अर्चना नाहटा (पर्यावरण जागरूकता) तथा वीर प्रितेश बोहरा (रक्तदान एवं पंजीकरण) रहे।संस्था के चेयरमैन वीर विनोद संचेती ने वाइस चेयरमैन अजय नाहटा, सेक्रेटरी कल्पना बरलोटा, कोषाध्यक्ष अनिल बोहरा, अरुण खिवसरा, राजेश नाहटा, प्रितेश बोहरा, साधना सिसोदिया, शीतल बरलोटा, चंदना नाहटा, अर्चना नाहटा, डॉ. आशा खिवसरा, दीपा आंचलिया, कोमल बोहरा, अनीता खिवसरा सहित सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

साथ ही सेक्रेटरी कल्पना बरलोटा ने सभी समर्पित सदस्यों एवं सहयोगियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से यह आयोजन अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक रहा।यह समग्र आयोजन समाज सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण बना, जिसने अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया।

हनुमान भक्ति और सेवा का अनुपम संगम: राजकुमारी अग्रवाल

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर नियमित अनुदान कार्यक्रम का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण आयोजन किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

इस शुभ अवसर पर हनुमान जी महाराज की विधिवत पूजा-अर्चना, वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। पूरे परिसर में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। जय श्री राम और हनुमान जी की जय के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा, जिससे उपस्थित सभी श्रद्धालु भावविभोर हो गए।

कार्यक्रम में राजकुमारी अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हनुमान जी महाराज सच्ची भक्ति, समर्पण और सेवा के सर्वोच्च प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हनुमान जी ने भगवान श्रीराम के प्रति अटूट निष्ठा और निस्वार्थ सेवा का परिचय दिया, वह हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। हमें भी अपने जीवन में सेवा, त्याग, ईमानदारी और मानवता के मूल्यों को अपनाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि हनुमान जी अपने भक्तों के हर संकट को दूर करते हैं और उन्हें शक्ति, साहस व सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं। इसलिए हमें उनके आदर्शों को अपनाते हुए समाज के जरूरतमंद और असहाय लोगों की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

राजकुमारी अग्रवाल ने यह भी कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम समाज में एकता, प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण हैं, जो लोगों को सेवा और सहयोग के लिए प्रोत्साहित करते हैं।इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, गोविंद राम पचारिया, अनिल अग्रवाल, रवि अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, महेश गोयल, शिव भगवान अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रशांत नगर में हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

भजन-कीर्तन, झांकियों और अन्नदान कार्यक्रम ने बांधा समां

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदू सेवा समाज, लंगर हाउस द्वारा श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर प्रशांत नगर में भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन एवं विशाल अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा के साथ हुई, जहां श्रद्धालुओं ने भगवान हनुमान की आराधना कर देश एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। भजन-कीर्तन के दौरान श्रद्धालुओं ने जयकारों से माहौल को गुंजायमान कर दिया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण छोटे-छोटे बच्चों द्वारा भगवान हनुमान की वेशभूषा धारण कर प्रस्तुत की गई झांकियां रहीं। बच्चों की इन मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया और लोगों ने उनकी सराहना की।

इसके साथ ही अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों को भोजन कराया गया। श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सेवा कार्य में भाग लिया और प्रसाद वितरण में सहयोग किया। अवसर पर समाज की अध्यक्ष शोभा पांडेय ने कहा कि हनुमान जन्मोत्सव केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान हनुमान हमें निस्वार्थ सेवा, शक्ति और भक्ति का संदेश देते हैं।उन्होंने आगे कहा कि समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिए, जिससे समाज में भाईचारा और सहयोग की भावना मजबूत होती है। अन्नदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है और हिंदू सेवा समाज इसी भावना के साथ सेवा कार्य करता रहेगा।कार्यक्रम के अंत में सभी ने भगवान हनुमान से समाज की खुशहाली और शांति की प्रार्थना की। इस अवसर पर लक्ष्मीनारायण, बीना देवी, शिवरानी, शालिनी, अलंकृता, आरती, पद्माक्षी, दीपिका सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बजरंग सेना तेलंगाना द्वारा भव्य हनुमान जन्मोत्सव समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर, बजरंग सेना तेलंगाना ने अपने अध्यक्ष एन. आर. लक्ष्मण राव के नेतृत्व में श्री हनुमान व्यायामशाला हनुमान मंदिर में एक भव्य धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस उत्सव के दौरान भव्य महा आरती और अर्चना का आयोजन किया गया, जिसमें सदस्यों और भक्तों ने पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ भाग लिया। उपस्थित लोगों ने भगवान हनुमान से शक्ति, साहस और समृद्धि का आशीर्वाद मांगा।

आरती के पश्चात सेवा की भावना को चरितार्थ करते हुए अन्नदानम (भोजन वितरण) कार्यक्रम आयोजित किया गया। भक्तों को प्रसाद के रूप में पुलीहोरा (इमली चावल), मीठे चावल, दही चावल, ओआरएस (ओआरएस) टेट्रा पैक और अन्य जलपान परोसे गए।इस अवसर पर प्रभु बिरादर, राघव, गुनेश, राहुल, कोंडा रेड्डी, सोनू रामेश्वर मिश्रा, वीरेंद्र अवस्थी सहित कई प्रमुख सदस्य, स्वयंसेवक और श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन एकता, भक्ति और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के संदेश के साथ हुआ।

वनस्थलीपुरम गणेश मंदिर में हनुमान जयंती पर पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हनुमान जयंती के अवसर पर वनस्थलीपुरम स्थित गणेश मंदिर में भगवान हनुमान की विधिवत पूजा-अर्चना की गई।इस अवसर पर कांग्रेस नेता एन.के. सिंह, अमरजीत सिंह, गणेश मंदिर समिति के सदस्य वी. सुरेश, आदित्य सिंह, निखिल, कपिल सहित अन्य श्रद्धालुओं ने हनुमान जी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और सभी ने भगवान हनुमान से सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की।

सनतनगर लोढ़ा में हनुमान जयंती पर सुंदरकांड का आयोजन

भक्तिमय माहौल में श्रद्धालुओं ने किया पाठ व प्रसादी वितरण

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सनतनगर लोढ़ा क्षेत्र में हनुमान जयंती के पावन अवसर पर सुंदरकांड का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में भाजपा नेता सपना गुप्ता, कंचन गुप्ता, मधु, रेखा, सुनीता, पूजा, स्वाती, मंजू, जनक, उषा, वासंती सहित अन्य श्रद्धालुओं ने भाग लेकर सुंदरकांड का पाठ किया और भक्ति भाव से वातावरण को सराबोर किया।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के बीच प्रसादी का वितरण किया गया। इस दौरान क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा और सभी ने भगवान हनुमान से सुख-समृद्धि की कामना की।

महावीर जयंती पर मेडिकल कैंप का आयोजन

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भगवान महावीर के 2526वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री जैन सेवा संघ के तत्वावधान में श्री सत्य नवयुवक मंडल, फिल खाना द्वारा नुमाइश मैदान में मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया।

मेडिकल कैंप का उद्घाटन मुख्य अतिथि भवरलाल देवड़ा धोका, भरत विक्रम चौधरी, हेमराज बाफना, प्रवीण भंडारी, आशीष भंसाली एवं रतनलाल कटारिया द्वारा किया गया।

इस शिविर में स्किन, दंत चिकित्सा, फिजिकल एवं न्यूरो सहित विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। सभी डॉक्टरों का सम्मान भी किया गया।

नानक प्रज्ञा महिला मंडल ने कार्यक्रम की अनुमोदना की। वहीं शोभायात्रा में जल सेवा के लाभार्थी के रूप में सीए भूपेन्द्र कुमार एवं शोभागमल जी भंडारी ने सहभागिता निभाई।

मंडल के अध्यक्ष कनकराज विनायकिया के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में उपाध्यक्ष राजेन्द्र खारीवाल, मंत्री राजेश कावड़, कोषाध्यक्ष अशोक विनायकिया, सह मंत्री राकेश पारख, सह कोषाध्यक्ष अमित बोहरा, प्रचार-प्रसार मंत्री सीए भूपेन्द्र भंडारी एवं विक्रम सिंघवी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इसके अलावा महावीर नाहर, सीए रणजीत भंसाली, भरत कोठारी, सुकराज तातेड, नरेंद्र धोका, प्रदीप बरमेचा, डॉ. दिलीप जैन, विकास श्रीमाल, रोहित विनायकिया, ऋषभ ललवानी, मनोहरलाल देवड़ा धोका, प्रवीण भंसाली, अभय जैन आदि भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

हनुमान जयंती पर चंपा दरवाजा मंदिर में जगत नारायण अग्रवाल ने की प्रार्थना

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने हाईकोर्ट के समीप चंपा दरवाजा हनुमान मंदिर में परिवार सहित श्रद्धा एवं भक्ति के साथ दर्शन व विधिवत पूजा-अर्चना की।

इस दौरान मंदिर परिसर जय श्री राम और जय हनुमान के जयकारों से गुंजायमान रहा। जगत नारायण अग्रवाल ने हनुमान जी को शक्ति, भक्ति, सेवा और समर्पण का प्रतीक बताते हुए सभी के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।उन्होंने देश में सद्भाव, एकता और सकारात्मकता के लिए भी प्रार्थना की। इस अवसर पर राजकुमारी अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, मोनू अग्रवाल, वंश अग्रवाल सहित परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

माथुर वैश्य इंटरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब ने मनाया हनुमान जन्मोत्सव

सुंदरकांड पाठ, भजन-कीर्तन और प्रतियोगिता का आयोजन

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। माथुर वैश्य इंटरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब द्वारा हनुमान जी का जन्मोत्सव दारुसलाम स्थित पूजा गुप्ता के निवास पर धूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुंदरकांड पाठ से की गई, जिसके पश्चात हनुमान चालीसा एवं भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भगवान हनुमान का स्मरण कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।इस अवसर पर रामायण पर आधारित प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें गुंजन गुप्ता को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।जन्मोत्सव कार्यक्रम में माइक्रो केन्द्रीय कैबिनेट सदस्य अरुणा गुप्ता, अध्यक्षा दिव्या गुप्ता, सचिव रश्मि गुप्ता, कोषाध्यक्षा कविता गुप्ता, पीआरओ बीना गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य प्राची गुप्ता, ज्योति गुप्ता, सोनिया, शैफाली, लक्ष्मी, अंजली, दमयंती, भारती, तनुजा, रीतू, शालिनी, उमा जी, चन्द्रकांता जी सहित अन्य गणमान्य भक्तजन उपस्थित रहे।

सभी ने मिलकर हनुमान जी का जन्मोत्सव श्रद्धा, उल्लास और भक्ति के साथ मनाया।

महावीर जयंती पर 500 परिंदों का वितरण, सेवा और जीवदया का संदेश

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय जैन दिवाकर मंच, नई दिल्ली तथा ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन के तत्वाधान में राष्ट्र संत कमल मुनि जी कमलेश की प्रेरणा से सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर स्वर्गीय मिट्ठू लाल जी पोखरणा के सुपुत्र महेंद्र जी, अशोक जी एवं अमित जी पोखरणा (भीलवाड़ा) द्वारा 500 परिंदों का वितरण किया गया, जिससे जीवदया एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय जैन दिवाकर मंच के राष्ट्रीय सहमंत्री व एचआरपीसी तहसील अध्यक्ष सरोज कावड़िया, वरिष्ठ पत्रकार एवं नवज्योति के संपादक राजकुमार राईवाल, आराध्या मानो शांति सेवा संस्था से सुरेश राईवाल, नितिन स्पिनर्स लिमिटेड के जॉइंट प्रेसिडेंट अनिल पोखरणा, रेखा पोखरणा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इसके अलावा ओसवाल जैन समाज के अध्यक्ष एवं नगर पालिका बेगूं के पार्षद राजुलेंद्र सुराणा, वेणी यश साधना संस्थान के अध्यक्ष सुनील पागरिया, जैन सोशल ग्रुप के सदस्य गौतम सुराणा, नेमीचंद कावड़िया, अशोक आंचलिया, बिनोद बोहरा, मुकेश पारख, राजू कोठारी, राजेश बाफना, कोमल आंचलिया, विजय कुमार पोखरणा, अशोक पगारिया, नवनीत पगारिया, बंटी डागी, एचआरपीसी सचिव प्रमिला सुराणा, सदस्य मंजू पितलियां, ललिता चोरड़िया, स्नेहलता, सोनू गांग, ममता आंचलिया तथा ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन सेल की जिला अध्यक्ष नीता राईवाल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज में सेवा, करुणा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

हनुमान जन्मोत्सव पर सेवा, श्रद्धा और समर्पण की मिसाल : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर विशेष अनुदान कार्यक्रम का भव्य, भावनात्मक एवं श्रद्धा-पूर्ण आयोजन किया गया। यह आयोजन केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवता, सेवा और भक्ति का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया, जहां हर चेहरे पर आस्था और हर हाथ में सेवा का भाव स्पष्ट दिखाई दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत हनुमान जी महाराज की विधिवत पूजा-अर्चना, दीप प्रज्ज्वलन एवं भव्य आरती के साथ हुई। जैसे ही जय श्री राम और जय बजरंगबली के जयघोष गूंजे, पूरा वातावरण भक्तिमय ऊर्जा से सराबोर हो गया। श्रद्धालुओं की आंखों में आस्था, मन में श्रद्धा और हृदय में सेवा का संकल्प स्पष्ट झलक रहा था। इसके पश्चात जरूरतमंदों के बीच अनुदान सामग्री एवं प्रसाद का वितरण किया गया, जिसने इस आयोजन को और भी सार्थक बना दिया।इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक राम प्रकाश अग्रवाल ने भावुक शब्दों में सभी को हनुमान जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हनुमान जी केवल शक्ति और वीरता के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वे निस्वार्थ सेवा, अटूट भक्ति और पूर्ण समर्पण की सर्वोच्च मिसाल हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची भक्ति वही है, जिसमें किसी भी प्रकार का स्वार्थ न हो, बल्कि दूसरों की सेवा और भलाई का भाव हो।

उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में जब समाज कई चुनौतियों से गुजर रहा है, तब हनुमान जी के आदर्श हमें एक नई दिशा देते हैं। यदि हम उनके दिखाए मार्ग पर चलें, तो न केवल अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि समाज में प्रेम, एकता और सहयोग की भावना को भी मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल आयोजन करना नहीं, बल्कि हर जरूरतमंद तक सहायता पहुंचाना और समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों में सेवा का अद्भुत उत्साह देखने को मिला। हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में योगदान देने के लिए तत्पर नजर आया, जिससे यह आयोजन एक सामूहिक सेवा यज्ञ का रूप लेता हुआ दिखाई दिया।

इस कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, जगन इलाकुर्ती, भगत राम गोयल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, सुरेश डालमिया, महेश अग्रवाल, निशा गुप्ता एवं मनीष गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सदा सर्वदा वंदनीय, रक्षक हनुमानजी कलियुग के जाग्रत देवता : डॉ. दिनेश गुरुजी

इंदौर, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। यहां राजवाडा स्थित राम भक्त हनुमान मंदिर में रुद्रावतार श्री हनुमानजी के जन्म उत्सव प्रसंग की शुभ बेला में चार दिवसीय श्रीराम भक्त हनुमानजी की भक्ति का भव्य आयोजन शनिवार को हजारों श्रद्धालुओं के चलित भंडारे प्रसाद के साथ सम्पन्न होगा। अलसुबह हनुमानजी के प्रातः नगर प्रभात की फेरी से शुरु हुए आयोजन की जानकारी देते हुए मंदिर के पुजारी जीतू गुरुजी ने बताया कि इंदौर के युवा, बच्चे, मातृशक्ति के साथ बड़ी संख्या में कई धार्मिक भक्तों ने शामिल होकर जय श्रीराम जय हनुमान का जयकारा लगाया। कार्यक्रम में उज्जैन स्थित बाबा श्रीमहाकालेश्वर भगवान मंदिर के विद्वान पुजारी डॉ दिनेश गुरुजी ने भी बतौर अतिथि शिरकत कर बालाजी महाराज के चरणों में शीश नवाकर उपस्थित श्रद्धालुओं भक्तों को आशीर्वाद भी दिया। इस दौरान महाकाल मंदिर के पुजारी ओम गुरुजी भी अनेक शिष्यों के साथ मौजूद रहे। आयोजन प्रमुख जीतू गुरुजी व मंदिर प्रबंधन टीम द्वारा पूज्य डॉ दिनेश गुरुजी का स्वागत सत्कार किया। इस मौके पर अपने संक्षिप्त उद्बोधन में दिनेश गुरुजी ने कहा कि देवाधिदेव महादेव के ग्यारहवें अवतार सदा सर्वदा वंदनीय रक्षक हनुमानजी महाराज कलियुग के जाग्रत देवता हैं। उनकी पूजा करने से अनेक अशुभ ग्रहों के दोष का प्रभाव कम हो जाता है। उन्होंने बताया वे मंगल के प्रतिकूल प्रभाव को भी दूर करते हैं। उनकी कृपा से जीवन में सुख, शांति, बल और साहस की वृद्धि होती है। दिवस विशेष पर्व की महत्ता पर भी उन्होंने प्रकाश डालते हुए बल, बुद्धि, भक्ति और संकट मोचन के प्रतीक बजरंग बली की विस्तार से व्याख्या की साथ ही यह भी कहा कि शास्त्र प्रमाण देते हैं, रामायण के अनुसार पवन पुत्र केसरी नंदन हनुमानजी की भक्ति से व्यक्ति के सभी भय व कष्ट तो निश्चित ही दूर होते हैं तथा जीवन में साहस व शक्ति आती है। आयोजन से जुड़े परम् गुरुभक्त मुकेश पंडितजी ने बताया कि गुरुवार प्रातः 5 बजे काकड़ा हनुमान महाआरती, भोग अर्पण के साथ विशिष्ट मनोहारी स्वर्ण श्रृंगार भी हुआ। उन्होंने बताया कि प्रसिद्ध भजन सम्राट भोपूजी की भजन संध्या शुक्रवार को एवं शनिवार को 108 महाभोग के साथ प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी करीब 40 हजार लोगों का चलित भंडारे के साथ चार दिवसीय आयोजन का समापन होगा।

दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना सम्पन्न

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में पुजारी चेतन आकाश गिरी के सानिध्य में भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी, सुरेश सोनी, सावर सोनी, अभिषेक सोनी, जय लक्ष्मी सोनी, राजवीर सोनी एवं धनलक्ष्मी सोनी ने भगवान हनुमान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।इस अवसर पर सभी श्रद्धालुओं ने मंदिर में विधि-विधान से पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं की अच्छी खासी उपस्थिति देखने को मिली।

हनुमान जयंती के अवसर पर चुड़ी बाजार स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना एवं अभिषेक किया गया। इस अवसर पर सागर महाराज, सुनील साहू, पी. गोपाल राव, पवन कुमार, प्रमोद अग्रवाल, बजरंग गोपे, कमल महाराज, डी. राजेंद्र एवं अन्य उपस्थित थे।

कोयला तस्करी मामले में ईडी का प्रशांत किशोर की आई-पैक के ठिकानों पर दिल्ली सहित कई जगहों पर छापेमारी

पटन, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पश्चिम बंगाल कोयला तस्करी मामले में गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जन सुराज पार्टी के सूत्रधार एवं कई राजनीतिक पार्टियों के सलाहकार रहे प्रशांत किशोर के दिल्ली सहित हैदराबाद और बेंगलुरु आई-पैक के ठिकानों पर छापेमारी किया जा रहा है।। इस कार्रवाई से चुनावी माहौल के बीच सियासी हलचल तेज हो गई है।

अभी पश्चिम बंगाल में चुनाव के सरगर्मी है। वहां विधानसभा चुनाव का प्रचार जारी है और आई पैक द्वारा ममता की पार्टी का चुनाव प्रबंधन देखने की बात कही जा रही हैं।इसी बीच यह छापेमारी होने की बात कही जा रही है।इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक बता इससे पहले 8 जनवरी को भी आई-पैक के कोलकाता कार्यालय पर ईडी ने छापा मारा था। उस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद कार्यालय पहुंच गई थीं और ईडी की कार्रवाई का विरोध किया था।इस मामले को लेकर 31 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी हुई थी। अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार से ईडी की याचिका की स्वीकार्यता पर आपत्ति जताने को लेकर सवाल उठाए थे। ईडी ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि 8 जनवरी की छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ने जांच में बाधा डाली थी। दरअसल आई- पैक की स्थापना चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने की है ।

जिनके टीम देश के कई राज्यों में राजनीतिक दलों के लिए चुनाव प्रबंधन कर चुकी है और वर्तमान में भी ममता बनर्जी की पार्टी के लिए काम करने की चर्चा है।वहीं प्रशांत किशोर ने हाल ही में बिहार में 'जन सुराज' के जरिए राजनीतिक किस्मत आजमाई थी, लेकिन उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली। ईडी की इस ताजा कार्रवाई को चुनावी समय में बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है, जिस पर राजनीतिक दलों की नजर बनी हुई है।पश्चिम बंगाल में इस समय विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार जोरों पर है।

23 एवं 29 अप्रैल को यहां मतदान होना निश्चित हुआ इसी बीच आई -पैक पर कार्रवाई को राजनीतिक रूप से भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि यह संस्था चुनावी रणनीति और प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभाती रही है।

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF HON'BLE XTH JUNIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT: HYDERABAD
O.S.NO. 713 OF 2026

Between:
Santosh Vijayvargiya and others ...Plaintiffs
AND
1. All Concerned
2. The Tahsildar, Himayatnagar, Hyderabad.Telangana-500029. ...Defendants

Please take notice that the petitioner has filed the above suit to declare the plaintiffs as the legal heirs of Late. Rajesh Vijayvargiya @ Rajesh Vijaya Wargiya vide O.S. No 713 of 2026 on 10-04-2026 on the file of Xth Junior civil judge, city civil court, Hyderabad, Any persons having objections may appear before the above-named court at 10.30 am on the said date either in person or through an advocate, failing which the matter will be heard ex-parte and orders will be passed on merits. Hence this notice

//BY THE ORDER OF THE COURT//

SD/-
Narayandas Jhawar
Advocate
Goshamahal,
Hyderabad, Telangana.
Cell: 9440009495, 9908336554

रसूलपुरा जैन मंदिर में चैत्र पूर्णिमा पर सिद्धचक्र नवपदजी की पूजा सम्पन्न

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ रसूलपुरा जैन मंदिर में प. पू. सुक्रतरत्ना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा-03 की मंगल छत्रछाया में चैत्र पूर्णिमा का पावन पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया।जैन रत्न रमेश पी. तातेड द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर सिद्धचक्र नवपदजी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा।इस आयोजन में निर्मल कोठारी, सुधीर कोठारी, निखिल कोठारी, केतन मेहता, विनोद ललवानी, जैन श्रावक भाई, रेखाबेन भोर्डतरिया, पुष्पाबेन तातेड, नीताबेन बाफना, रोहिणीबेन, देविकाबेन भंडारी, लीलाबेन परमार, पूनमबेन, रीनाबेन तातेड, भागवंतीबेन बाफना, उर्मिलाबेन गोलेछा, ललिताबेन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पंचमुखी हनुमान मंदिर में हनुमान जयंती समारोह आयोजित

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पंचमुखी हनुमान सेवा दल द्वारा श्री हनुमान जयंती के अवसर पर गुरुवार सुबह जियागुड़ा डिवीजन के ईमामपुरा स्थित श्री श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर में भव्य जयंती समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर हैदराबाद मेट्रो जलकार्य के उप महाप्रबंधक आई. श्रीनिवास राव, जलकार्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष जी. लक्ष्मीनारायण तथा नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर विशेष पूजा एवं महाआरती की। इसके साथ ही भोजन वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथियों ने कहा कि भगवान हनुमान की पूजा से सभी कष्ट दूर होते हैं तथा नियमित रूप से मंगलवार और शनिवार को उनकी आराधना करनी चाहिए।इस आयोजन में पंचमुखी हनुमान सेवा दल इमामपुरा के महासचिव जी. महेंद्र, नव भारत संगम के उपाध्यक्ष जी. विनय कुमार, कोषाध्यक्ष एम. महेश बाबू, आर. नरसिंग राव, एम. प्रेम कुमार, जलकार्य सीवरेज बोर्ड एसोसिएशन के नेता दुर्गा प्रसाद सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज गच्चीबावली महिला विंग ने हनुमान जन्मोत्सव भक्ति भाव से मनाया

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज गच्चीबावली महिला विंग शाखा द्वारा श्रीकृष्ण गौ सेवा मंडल, नारसिंगी गंडीपेट में हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम और भक्तिभाव के साथ मनाया गया।कार्यक्रम में अध्यक्ष गीता अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष आशा अग्रवाल के नेतृत्व में हॉल को आकर्षक रूप से सजाया गया। महिला पंडित सरस्वती के. द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना कराई गई तथा महाराजा अग्रसेन की पूजा भी की गई। इसके पश्चात सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा, भजन-कीर्तन एवं नृत्य कार्यक्रम आयोजित हुए।इस अवसर पर राम पटके वितरण, तिलक एवं मौली बांधने जैसे धार्मिक कार्य भी किए गए। पायल गर्ग द्वारा बनाई गई रंगोली आकर्षण का केंद्र रही।कार्यक्रम में गीता अग्रवाल, आशा अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, कीर्ति संघी, शालू गुप्ता, नेहा टिंबरेवाल, सुरुचि अग्रवाल, पायल गर्ग, प्रियंका अग्रवाल सहित अनेक महिलाओं एवं अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

अंत में सभी ने गौ सेवा मंडल के प्रसाद का लाभ लिया और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया।

CHANGE OF NAME

I, Army No. 15825861P Nk SANTOSH KUMAR MISHRA of AOC Records, C/o.56 APO, Secunderabad that my father name is changed from ANJANI KUMAR MISHRA to ANJANI MISHRA.

तेलंगाना में 'प्रजा पालन' के तहत ग्राम सभाओं का आयोजन, 99 दिवसीय एजेंडे पर जोर

मुख्यमंत्री ने जन-केंद्रित शासन और विकास को बताया प्राथमिकता

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में गुरुवार को 'प्रजा पालन-प्रगति प्रणालिका' के तहत राज्यभर में ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। यह 99 दिवसीय कार्य एजेंडा है, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर शासन और विकास की गति को तेज करना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने प्रदेश की जनता को संबोधित किया। उनके संदेश को राज्यभर के गांवों और मोहल्लों में आयोजित ग्राम सभाओं के दौरान अधिकारियों द्वारा पढ़कर सुनाया गया। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि जन-केंद्रित सरकार ने वित्तीय चुनौतियों का सामना करते हुए भी कल्याण और विकास को प्राथमिकता दी है और अपने कार्यकाल के दो वर्ष तीन महीने पूरे कर लिए हैं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार शासक के बजाय 'जनता के सेवक' के रूप में कार्य कर रही है और हर निर्णय जनकल्याण, सामाजिक जिम्मेदारी और राज्य के भविष्य को ध्यान में रखकर लिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उपचुनावों, पंचायत चुनावों और नगर निकाय चुनावों में मिली निरंतर जीत सरकार के प्रति जनता के विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि इस

जनादेश ने सरकार की जिम्मेदारी को और अधिक मजबूत किया है।उन्होंने बताया कि 99 दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी योजनाएं केवल कागजों तक सीमित न रहकर वास्तविक लाभ में परिवर्तित हों। छह मार्च से शुरू यह अभियान सभी विभागों के समन्वित प्रयास के साथ ग्राम स्तर से राज्य स्तर तक लागू किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्थानीय समस्याओं के समाधान, फाइलों के त्वरित निपटान, सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता बनाए रखने तथा प्रशासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, 500 रुपये में रियायती रसोई गैस सिलेंडर, 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, आरोग्यश्री स्वास्थ्य सेवाएं, राशन कार्ड, बारीक चावल की आपूर्ति, इंदिराम्मा आवास तथा महिला सशक्तीकरण की पहल का लाभ पात्र लोगों तक अवश्य पहुंचना चाहिए।मुख्यमंत्री ने 'तेलंगाना राइजिंग – 2047' के लक्ष्य को दोहराते हुए कहा कि राज्य को वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाने के लिए 'क्योर', 'प्योर' और 'रेयर' श्रेणियों में विकसित किया जा रहा है, जिससे सेवाओं, विनिर्माण और कृषि क्षेत्रों में नए मानक स्थापित हो सकें।

उन्होंने 99 दिवसीय कार्य योजना को 'गंभीर संकल्प' बताते हुए राज्य के चार करोड़ नागरिकों से एकजुट होकर तेलंगाना को देश और दुनिया के लिए एक आदर्श राज्य बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया।

तेलंगाना पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के 17 मामलों में कई राज्यों से 19 आरोपियों को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के साइबराबाद की साइबर अपराध पुलिस ने 25 से 31 मार्च के बीच कई राज्यों में छापेमारी की और 17 साइबर अपराध के मामलों का खुलासा कर 19 अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस की ओर से गुरुवार को जारी एक बयान के अनुसार, पकड़े गए मामलों में सबसे ज्यादा धोखाधड़ी ट्रेडिंग से जुड़ी थी। ट्रेडिंग धोखाधड़ी के 11 मामलों में 12 गिरफ्तारियां की गईं। इसके अलावा डिजिटल अरेस्ट के दो मामलों में तीन, पार्ट-टाइम जॉब धोखाधड़ी के दो मामलों में दो और नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी के दो मामलों में दो आरोपियों को पकड़ा गया है।

पुलिस को एक बड़ी सफलता यह भी मिली है कि उन्होंने 125 मामलों में अदालतों से 884 'रिफंड' आदेश प्राप्त किए हैं। इसके जरिए पीड़ितों को 4.35 करोड़ रुपये वापस दिलाने की प्रक्रिया आसान हुई है।

इस सप्ताह के दौरान एक बड़े मामले में पुलिस ने उस ट्रेडिंग धोखाधड़ी का भंडाफोड़ किया, जिसमें एक पीड़ित से व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए 2.93 करोड़ रुपये की ठगी की गई थी। जालसाजों ने निवेश सलाहकार बनकर और मुनाफे के फर्जी स्क्रीनशॉट दिखाकर पीड़ित को झांसे में लिया और भारी मुनाफे के नाम पर कई बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करवा लिए। इस मामले में तेलंगाना के रहने वाले दो आरोपियों शेखर और तिनेश कुमार प्रजापति को गिरफ्तार किया गया है। इन पर ठगी की रकम को इधर-उधर करने के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने का आरोप है।पुलिस ने जनता को चेतावनी दी है कि वे भारी मुनाफे का वादा करने वाले ऑनलाइन निवेश समूहों पर भरोसा न करें और निवेश करने से पहले प्लेटफॉर्म की अच्छी तरह जांच कर लें। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 या नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दें।

एसीबी की कार्रवाई: रिश्वत लेते तीन कर्मचारी रंगे हाथों गिरफ्तार

चैतन्यपुरी थाना के एएसआई 15 हजार रुपये लेते पकड़े गए

उस्मानिया विश्वविद्यालय के दो कर्मचारी भी एसीबी के शिकंजे में

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शहर में रिश्वत के अलग-अलग मामलों में चैतन्यपुरी थाना के एक सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) और उस्मानिया विश्वविद्यालय के दो कर्मचारियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह जानकारी गुरुवार को एसीबी ने दी।

पहले मामले में मलकाजगिरी आयुक्त कार्यालय के तहत चैतन्यपुरी थाना में तैनात एएसआई पूसाला बलैया को एसीबी के सिटी रेंज-प्रथम के अधिकारियों ने रंगे हाथों तब पकड़ा, जब वह एक शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये की रिश्वत ले रहा था। यह रकम एक आपराधिक मामले में धाराएं बदलने और लोक अदालत के माध्यम से समझौता कराने के लिए मांगी गई थी। रिश्वत की रकम उसके पास से बरामद कर ली गई और उसकी उंगलियों पर रासायनिक जांच के नतीजे भी पॉजिटिव आए।

एक अलग मामले में उस्मानिया विश्वविद्यालय के बिल भुगतान अनुभाग में जूनियर सहायक के पद पर तैनात के. रमेश को एसीबी के सिटी रेंज-द्वितीय ने 13,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। यह रकम उसने अपने लिए और उसी अनुभाग में वरिष्ठ सहायक के पद पर तैनात अरविंद की ओर से ली थी। यह रकम पेंशन से जुड़े लाभों की फाइल आगे बढ़ाने और सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले लाभों को मंजूरी दिलाने के एवज में ली गई थी।

रिश्वत की रकम बरामद कर ली गई है और रासायनिक जांच से इस मामले में उनकी संलिप्तता की पुष्टि भी हो गई है। एसीबी ने बताया कि आरोपी अधिकारियों ने बेईमानी से काम किया और अपने पद का दुरुपयोग करके अनुचित लाभ उठाया। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें न्यायिक हिरासत के लिए नामपल्ली स्थित एसपीई एवं एसीबी मामलों के प्रधान विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा।इन मामलों की जांच जारी है और सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ताओं की पहचान गुप्त रखी गई है।

आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) अधिनियम 2026 राज्य सभा में पारित, विधेयक पर लगी दोनों सदनों की मुहर

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्य सभा ने अमरावती को आंध्र प्रदेश राज्य की राजधानी शहर के रूप में मान्यता के स्पष्ट प्रावधान वाले आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) अधिनियम 2026 को आज संक्षिप्त चर्चा के बाद ध्वनिमत से मंजूरी दी।

इसके साथ ही इस विधेयक पर संसद के दोनों सदनों की मुहर लग गयी है। लोकसभा ने इसे बुधवार को ही पारित कर दिया था। राज्य सभा में इस विधेयक को गृह मंत्री अमित शाह की ओर से गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने चर्चा और पारित कराने के लिए प्रस्तुत किया और चर्चा में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापू राममोहन नायडू ने भी भाग लिया। चर्चा के अंत में नित्यानंद राय के संक्षिप्त वक्तव्य के बाद सदन ने विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी दी।

सभापति सीपी राधाकृष्णन ने पूरे सदन और देशवासियों की ओर से आंध्र प्रदेश के लोगों को

उनकी नयी राजधानी अमरावती के लिए शुभकामनाएं दीं और भगवान वेंकटेश से राज्य की प्रगति के लिए विशेष प्रार्थना की। चर्चा में भाग लेते हुए राममोहन नायडू ने इसे एक ऐतिहासिक अवसर तथा तेलुगू भाषी लोगों के लिए एक भावनात्मक क्षण बताते हुए कहा कि देश के सबसे सम्पन्न, विविधतापूर्ण तथा प्रतिभाशाली लोगों के धनी आंध्रप्रदेश को पहली बार अपनी राजधानी मिल रही है।

उन्होंने इस विधेयक को अमरावती के लिए 12 साल से संघर्षरत किसानों और महिलाओं की जीत बताया। श्री नायडू ने कहा कि इस विधेयक से राज्य की राजधानी के बारे में स्पष्टता लाने की लंबी प्रतीक्षा पूरी हुई है और इससे देश के राजनीतिक नेतृत्व और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति आस्था पुन: सुदृढ हुई है।

केंद्रीय मंत्री ने वाईएसआर कांग्रेस का नाम लिए बिना उसके नेतृत्व में 2019 में बनी पिछली सरकार के दौर में राजधानी अमरावती की अवधारणा को नष्ट करने के प्रयासों की कटु आलोचना की । उन्होंने पूर्व मुख्य मंत्री जगन मोहन रेड्डी का नाम लिए बिना कहा कि 2019 में बनी सरकार के बाद उसके नेता ने राज्य में तीन राजधानियों के बनाने का प्रस्ताव कर न केवल अमरावती की योजना को नष्ट किया बल्कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों को एक दूसरे के खिलाफ उकसाने की अंग्रेजों वाली -फूट डालो, राज करो की नीति अपनायी। उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव में आंध प्रदेश में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की प्रचंड बहुमत के साथ जीत ने विभाजन की उस राजनीति को न केवल नकार दिया बल्कि यह दर्शाया कि राज्य के सभी अंचल राजधानी के रूप में अमरावती के साथ हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सितंबर 2024 में राज्य विधान सभा में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया था कि पुनगर्ठित आंध प्रदेश राज्य की नयी राजधानी कृष्णानदी के तट पर होगी और यह दुनिया के सबसे भव्य राजधानी नगरों में से एक होगी। इसका नाम सातवाहन नरेशों की राजधानी अमरावती के नाम पर रखा जाएगा।

श्री नायडू ने कहा कि अमरावती के लिए आस पास के 29 हजार किसानों ने 34000 एकड़ जमीन स्वेच्छा से दी थी। उन्होंने कहा कि यह विधेयक वहां के किसानों और महिलाओं के 1600 दिन के संघर्ष की जीत है। चर्चा शुरू करते हुए कांग्रेस की रेणुका चौधरी ने भी इसे अमरावती के किसानों और महिलाओं की जीत बताया। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश की राजधानी के विकास का काम समयबद्ध तरीके से हो, उसमें पारदर्शिता रखी जाए तथा 2014 में आंध्र प्रदेश के विभाजन के समय पुनर्गठित आंध्र प्रदेश राज्य के साथ किये गये सभी वायदों को पूरा किया जाए।

भाजपा के डॉ के लक्ष्मण ने कहा कि वह अमरावती के किसानों का नमन करते हैं जिन्होंने अमरावती के लिए जमीन दी और संघर्ष किया। चर्चा में तृणमूल कांग्रेस के मोहम्मद नदीमुल हक, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह , भाजपा के रयागा कृष्णैया , बीजू जनता दल के निरंजन बिशी, राजद के संजय यादव, बीआरएस के केआर सुरेश, टीडीपी के मस्तान राव यादव बीधा, शिव-सेना (उबाठा) की प्रियंका चतुर्वेदी तथा अन्य सदस्यों ने विधेयक का समर्थन किया।

महावीर जन्म कल्याणक पर महावीर इंटरनेशनल द्वारा सेवा प्रकल्पों की श्रृंखला सम्पन्न

* स्वास्थ्य, अन्नदान, जल सेवा से लेकर पर्यावरण संरक्षण तक अनेक पहलें * 'करुणामृत' प्रकल्प के तहत समाज सेवा का व्यापक संदेश

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भगवान महावीर के जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर महावीर इंटरनेशनल अतुल्यनारी वीरा केंद्र, हैदराबाद द्वारा 'करुणामृत' प्रकल्प के अंतर्गत विविध सेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में केंद्र की चेयरपर्सन वीरा तृष्णा राकेश बंबोली ने बताया कि भगवान महावीर के अहिंसा, करुणा एवं सेवा के सिद्धांतों से प्रेरित होकर इन प्रकल्पों का आयोजन किया गया। प्रकल्प 1 'आरोग्यम' के अंतर्गत निःशुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन कोठी, हैदराबाद में किया गया, जिसे संघवी प्रकाशचंद कमलाबाई ओसवाल (चेन्नई), शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स, गोकुल-कमिटी परिवार, शांतिलाल सुरेश कुमार हर्षिक सिसोदिया परिवार तथा श्रीमती अनीता शांतिलाल डॉ. अनीश अक्षय पोकरणा परिवार के सहयोग से सम्पन्न किया गया।

यह कैंप 29 मार्च 2026 को प्रातः 9 बजे से दोपहर 4 बजे तक आयोजित हुआ, जिसका उद्घाटन मिस इंडिया एशिया पैसिफिक एवं मॉडल डॉ. सुधा जैन के करकमलों से हुआ। विशेष अतिथि के रूप में जोन प्रेसिडेंट वीर विनय जांगड़ा, रीजन 10 के मंत्री शीलकुमार जैन, श्री जैन सेवा संघ के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. अनीश पोकरणा, शांतिलाल अस्पताल की चेयरपर्सन अनीता शांतिलाल पोकरणा, प्रचार संयोजक रिद्धीश जागीरदार, जैन

माइनोरिटी काउंसिल के संयोजक मुकेश चौहान, समाजसेवी नरेश बोहरा जैन, पूर्व पार्षद ममता गुप्ता, कांग्रेस नेता संतोष गुप्ता, पार्षद डॉ. सुरेखा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।इस कैंप में ब्लड प्रेशर, शुगर, इचख, बोन डेंसिटी, नेत्र परीक्षण, डेंटल, ईएनटी, ईसीजी, स्त्री रोग परामर्श, पैप स्मीयर एवं मैमोग्राफी जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई गईं, जिसमें 150 से अधिक लोगों ने लाभ लिया।

अन्नदान, जल सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रकल्प

प्रकल्प 2 'इक्षु रस' के तहत सुख सागर महिला मंडल के सहयोग से लगभग 800 गिलास गन्ने का रस वितरित किया गया।

प्रकल्प 3 'अन्नपूर्णा' के अंतर्गत स्वर्गीय प्रकाश जी सुराणा, महावीर जी टांक एवं जसराज जी बोहरा की स्मृति में 250 से अधिक लोगों को भोजन कराया गया।

प्रकल्प 4 'जीवनम्' में इसामिया बाजार स्थित मातृत्व अस्पताल में वॉटर डिस्पेंसर स्थापित किया गया।

प्रकल्प 5 'शीतल सेवा' में राहगीरों को छाछ वितरित की गई।

प्रकल्प 6 'पुनर्गमनम् के तहत एक महिला को लेग कैलिपर प्रदान किया गया।

प्रकल्प 7 'तृषाशांति' में सुपार्श्व ज्वेलर्स के सहयोग से शीतल जलशाला का उद्घाटन कर राहगीरों को जल सेवा दी गई।

प्रकल्प 8 'जीवदया' में भाग्यनगर गौशाला में गायों को चारा एवं गुड़ खिलाया गया।

प्रकल्प 9 'प्रकृति' के तहत 1000 कपड़े के बैग वितरित कर प्लास्टिक मुक्त जीवन का संदेश दिया गया।

इन सभी प्रकल्पों के माध्यम से समाज में सेवा, स्वास्थ्य, करुणा एवं पर्यावरण संरक्षण का सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ।

इस अवसर पर वीर विनय जांगड़ा, वीर शील कुमार जैन, वीरा सीमा शील कुमार, डॉ. सुधा जैन, रिद्धीश जागीरदार, मुकेश चौहान जैन, राकेश बंबोली, सुरेखा ओमप्रकाश, ममता गुप्ता, संतोष गुप्ता सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में वीरा तृष्णा राकेश बंबोली (चेयरपर्सन), वीरा मोनिका लूणकर (सचिव), वीरा आरती गादिया (कोषाध्यक्ष), वीरा साक्षी श्रीश्रीमाल (संयोजिका), वीरा सीमा लोढ़ा (सह-संयोजिका), वीरा शोभा बोहरा, वीरा पूजा सुराणा, वीरा बबीता श्रीश्रीमाल, वीरा प्रेक्षा बंबोली, वीरा रेखा बंबोली, वीरा शैला मोल, वीरा शीतल रांका, वीरा मोनिका सुराणा, वीरा प्राची सुराणा, वीरा पिंकी टाटेड, वीरा अंकिता सुराणा, परी एवं दिशा सहित सभी डायरेक्टर्स ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

अंत में वीरा केंद्र की सभी सदस्यों के प्रति उनके अमूल्य सहयोग, समय एवं समर्पण के लिए हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया।

कॉलेज ऑफ एयर वॉरफेयर में 49वें हायर एयर कमांड कोर्स का भव्य समापन

वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के लिए अधिकारियों को किया गया तैयार

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद स्थित कॉलेज ऑफ एयर वॉरफेयर (सीएडब्लू) में बुधवार को 49वें हायर एयर कमांड कोर्स (एचएसीसी) का समापन समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया।

रक्षा विज्ञप्ति के अनुसार, सीएडब्लू के इस प्रमुख वार्षिक कोर्स की शुरुआत पिछले वर्ष 23 जून को हुई थी। इसमें तीनों सेनाओं के ग्रुप कैप्टन एवं समकक्ष रैंक के अधिकारियों ने भाग लिया। इस कोर्स का उद्देश्य अधिकारियों को एयरोस्पेस शक्ति के परिचालन एवं रणनीतिक उपयोग के साथ-साथ एकीकृत अभियानों की समझ विकसित कर वरिष्ठ कमान एवं स्टाफ नियुक्तियों के लिए तैयार करना है। साथ ही, उन्हें राष्ट्रीय शक्ति के अन्य पहलुओं से भी व्यापक रूप से अवगत कराया जाता है।

भारतीय वायु सेना के दक्षिणी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल मनीष खन्ना ने समारोह में समीक्षा अधिकारी के रूप में शिरकत की। अपने संबोधन में उन्होंने तालमेल और एकीकरण की अहमियत पर जोर दिया तथा सभी प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक कोर्स पूर्ण करने पर बधाई दी। उन्होंने तीनों सेनाओं के लिए उच्च स्तर की पेशेवर सैन्य शिक्षा आयोजित करने हेतु सीएडब्लू की सराहना भी की।

इस अवसर पर एयर मार्शल ने वर्ष 2026 के लिए सीएडब्लू एवं एचएसीसी जर्नल का भी विमोचन किया। बेहतरीन समग्र प्रदर्शन के लिए ग्रुप कैप्टन दानप्रीत पॉल सिंह बाली को एयर चीफ मार्शल एलएम कात्रे ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

वहीं, शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कमांडेंट्स ट्रॉफी तथा सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत शोध पत्र के लिए एयर मार्शल केबी सिंह ट्रॉफी से कर्नल एस. प्रदीप को नवाजा गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.